डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल : 21.10.2024 से 27.10.2024 | वर्ष-47 | अंक 43 | मूल्य : 0.00

संक्षिप्त खबर

प्रदेश के 53 ई.एफ.ए. स्कूलों में कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं

भोपाल, मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रदेश के 53 एजुकेशन फॉर ऑल (ई.एफ.ए.) स्कूलों में कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं आधुनिकतम एवं इंटरनेट फेसिलिटी सहित स्थापित की गई हैं। विद्यार्थियों को इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से कम्प्यूटर से जुड़ी तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल प्रौद्योगिकी को ध्यान में रखते हुए स्कूलों में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, ऑनलाइन शिक्षण मंच और उपकरणों की उपलब्धता की सिफारिश की गई है।

विजयपुर और बुदनी में उप निर्वाचन 13 नवम्बर को

भोपाल, भारत निर्वाचन आयोग ने श्योपुर जिले की विजयपुर और सीहोर जिले की बुदनी विधानसभा क्षेत्र में उप चुनाव की घोषणा कर दी है। दोनों ही जिलों में 13 नवंबर 2024 को मतदान होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुखबीर सिंह ने बताया कि उप चुनाव के लिए 18 अक्टूबर 2024 से नाम-निर्देशन पत्र भरना आरंभ हो गये हैं। नाम-निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 28 अक्टूबर 2024 को होगी। नाम-निर्देशन पत्र 30 अक्टूबर 2024 तक वापस लिये जा सकेंगे। मतदान 13 नवम्बर 2024 को एवं मतगणना 23 नवम्बर 2024 को होगी।

ओरछा का विश्व धरोहर सूची में शामिल होना गर्व का विषय

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राम राजा की नगरी ओरछा (जिला निवाड़ी) को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर सूची में शामिल करने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय हर्ष और गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब विश्वभर में मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर की गूंज सुनाई देगी। राम राजा सरकार की नगरी 'ओरछा' मध्यप्रदेश की नई 'विश्व धरोहर' बनने जा रही है। यूनेस्को की आधिकारिक घोषणा के पश्चात ओरछा नगरी विश्व धरोहर बन जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में ऊर्जा विभाग नंबर-1

भोपाल, लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण की स्थिति के आधार पर जारी ग्रेडिंग में ऊर्जा विभाग लगातार प्रथम स्थान पर बना हुआ है। ऊर्जा विभाग 52 विभागों की जारी ग्रेडिंग में जून 2023 से अगस्त 2024 तक लगातार प्रथम स्थान पर है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

राजधानी भोपाल में पहली बार दो दिवसीय माइनिंग कॉन्क्लेव का हुआ आयोजन

विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से प्राप्त हुए 20 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव हीरे के बाद सोना भी निकालने की तैयारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भोपाल में ''माइनिंग कॉन्क्लेव- 2024'' को संबोधित किया

मुख्य आकर्षण

- प्रदेश में खनिज क्षेत्र में निवेश को पूर्ण प्रोत्साहन
- 11 औद्योगिक संस्थान निवेश के लिये आगे आये
- हीरे के बाद अब सोना भी निकालेगा मध्यप्रदेश
- अयोध्या में रामलला के मंदिर में उपयोग में लाए गए मध्यप्रदेश के मंडला के पत्थर

भोपाल, कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय माइनिंग कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है। इस संपदा के उपयोग के प्रयास बढ़ाते हुए खनिज क्षेत्र में नए निवेश को प्रोत्साहन दिया जाएगा। खनन क्षेत्र के उद्यमियों को राज्य सरकार सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की खनिज संपदा का दोहन करते हुए उत्पाद भी प्रदेश में ही हो, ऐसे प्रयास किए जाएं। कॉन्क्लेव में विभिन्न 11 औद्योगिक संस्थानों की ओर से 19,650 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में मैंगनीज़ ओर इंडिया लिमिटेड और मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम लिमिटेड के बीच खनिज ब्लॉक से संबंधित ''संयुक्त उद्यम समझौता'' हुआ।

विश्व में रहेगा भारत का दबदबा

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि अगले 25-30 वर्षों तक विश्व में भारत का दबदबा रहेगा। भारत स्टार्ट-अप के क्षेत्र में बड़ी ताकत बन चुका है। यूएसए और चीन के बाद स्टार्ट-अप में भारत तीसरा बड़ा देश है। उन्होंने कहा कि पीएम गति शक्ति पोर्टल पर कई विभागों का डेटा डिजिटलाइज हो गया है। इससे कार्य कम समय में आसानी से किये जा सकते हैं। अगले 25 सालों में देश की इकोनॉमी 30 ट्रीलियन होगी तथा जनसंख्या 163 करोड़ होगी। प्रति व्यक्ति आय 18 से 19 हजार डॉलर होगी।

शरीर की रचना भी ब्रह्मांड की तरह होती है

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति विश्व में सबसे अलग है। जहां अन्य देश राष्ट्र को पिता मानते हैं, हमारे देश में हम भारत माता की जय का उद्घोष करते हैं। उन्होंने कहा कि मातृ प्रधान व्यवस्था को प्राचीन काल से प्रश्रय मिला। हम देश को भी मातृ संस्था मानते हैं। शरीर की रचना भी ब्रह्मांड की तरह होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वसुंधरा की नदियां मनुष्य के रक्त प्रवाह के समान हैं।

केन्द्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में सबसे आगे है मध्यप्रदेश

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की जो गंगा प्रवाहित हो रही है, उससे मध्यप्रदेश भी विकास की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्र सरकार की योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में संचालित योजनाओं का मध्यप्रदेश को भरपूर लाभ भी मिल रहा है।

केन्द्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन और उनका लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने में मध्यप्रदेश, देश में लगातार अग्रणी बना हुआ है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये प्रदेश को कई पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की जिन योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है उसमें पीएम स्व-निधि योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम आवास योजना, कृषि अवसंरचना निधि, प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना, पीएम स्वामित्व योजना, नशामुक्त भारत अभियान, आयुष्मान भारत योजना, मछुआ क्रेडिट कार्ड योजना, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन और स्वच्छ भारत मिशन शामिल हैं।

मध्यप्रदेश की प्रगति और उपलब्धियां

- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में 8 लाख 20 हजार 575 आवास तैयार।
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 36 लाख 25 हजार 20 आवासों का हुआ निर्माण।
- जल जीवन मिशन में प्रदेश में 72 लाख 89 हजार 228 घरों में नल कनेक्शन।
- आयुष्मान भारत योजना में 4 करोड़ 2 लाख 22,893 आयुष्मान कार्ड जारी।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 72 हजार 965 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य पूरा।
- अमृत सरोवर योजना में 5839 सरोवर निर्माण कार्य पूरा।

मध्यप्रदेश में तैयार हो रही फार्मा पॉलिसी 160 से अधिक देशों तक दवा निर्यात

मुंबई, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुंबई में इंडिया केम- 2024 के 13वें संस्करण को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश में केमिकल, फार्मा, पेट्रो-केमिकल और प्लास्टिक जैसे उद्योगों के लिए बेहतरीन इको-सिस्टम विद्यमान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बीना में भारत पेट्रोलियम की 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की पेट्रो-केमिकल परियोजना का भूमि-पूजन किया गया, जिसका कार्य आरंभ हो गया है।

प्रदेश में 35 हजार करोड़ की गेल इंडिया की पेट्रो-केमिकल परियोजना का काम तेजी से जारी है, इससे 25 हजार व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोज़गार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में केमिकल और पेट्रो-केमिकल क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां कार्यरत हैं। प्रदेश में 275 फार्मा यूनिट्स स्थापित हैं, जिनसे 160 से अधिक देशों को दवाएं निर्यात हो रही हैं। दवा निर्यात में मध्यप्रदेश का देश में चौथा स्थान है। इस क्षेत्र में और अधिक निवेश आकर्षित करने तथा गतिविधियों को विस्तार देने के लिए राज्य सरकार आकर्षक फार्मा पॉलिसी बनाने जा रही है।

विकास को नई गति देकर मध्यप्रदेश में लिखा जाएगा नया अध्याय - मुख्यमंत्री

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के फूटी कोठी (संत सेवालाल चौराहा) में आयोजित फ्लाय-ओवर के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ही दिन में एक साथ लगभग 222.25 करोड़ रुपये लागत के 4 फ्लाय-ओवर का लोकार्पण किया। यह पहला अवसर है जब इंदौर में एक ही दिन में एक साथ 4 फ्लाय-ओवर का लोकार्पण हुआ है। कार्यक्रम में फूटी कोठी (संत सेवालाल चौराहा) सहित भंवरकुंआ, खजराना और लवकुश चौराहे के फ्लाय-ओवर का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि फ्लाय-ओवर के प्रारंभ होने से इंदौर के लाखों नागरिकों को सुगम एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा मिलेगी। फूटी कोठी फ्लाय-ओवर का नाम प्रसिद्ध संत श्री सेवालाल जी महाराज के नाम पर किया गया है।

सख्त कार्रवाई की जाएगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे का अवैध कारोबार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मनुष्यों की सोच जहां समाप्त होती है, वहीं से संतों की सोच शुरू होती है।

सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विकास को नई गति देकर विकास का नया अध्याय लिखा जाएगा। विकास के सभी अवरोधों को हटाकर प्रदेश के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर का चहुंमुखी विकास और सुरक्षित यातायात हमारी पहली प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि इंदौर शहर के किसी भी चौराहे पर यातायात बाधित न हो और वाहन चालकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

12 अक्टूबर

एनसीईआरटी 7वीं, 9वीं और 11वीं कक्षा की नई किताबें छापेगा

● राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) अगले सत्र 2025-

26 के लिए 15 करोड़ किताबें छापेगा। यह मौजूदा प्रकाशन संख्या से तीन गुना अधिक होंगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार तय कोर्स के हिसाब से कक्षा-7वीं, 9वीं और 11वीं की नई किताबें भी आएंगी। छठवीं कक्षा से अब कौशल विषयों को भी जोड़ा गया है। कक्षा छठवीं और सातवीं की कौशल विषयों की किताबें भी अगले सत्र में आएंगी। किताबों के साथ संबंधित विषयों पर 23 भाषाओं में ऑडियो-वीडियो, एनिमेशन और ग्राफिक्स मटेरियल भी कोर्स पैकेज के रूप में तैयार हो रहे हैं।

● रेलवे स्टेशनों, बस और हवाई अड्डों पर महिलाओं के लिए अनिवार्य रूप से आरक्षित जोन बनाए जाएंगे। आरक्षित जोन में सैनेटरी पैड वेंडिंग मशीन, स्तनपान कक्ष और चेंजिंग रूम होंगे। इसके लिए पैसा सरकार देगी, जबकि रखरखाव के लिए सीएसआर फंड और एनजीओ से सहयोग लेंगे। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इसके लिए नोडल एजेंसी होगी। इसकी शुरुआत बड़े रेल स्टेशनों, प्रमुख हवाई और बस अड्डों से होगी। नए आरक्षित जोन में नवजात बच्चों के आहार बनाने के लिए गर्म पानी तथा डिस्पोजेबल कटोरी, चम्मच जैसी सुविधाएं भी होंगी।

13 अक्टूबर

यूएई में अवैध रूप से रह रहे भारतीय होंगे डिपोर्ट

● यूएई में अवैध रूप से रह रहे लोगों को 30 अक्टूबर के बाद अपने देश में डिपोर्ट किया

जाएगा। यूएई सरकार ने भारतीय प्रवासियों को 30 अक्टूबर, 2024 तक माफी आवेदन का समय दिया है। दरअसल यूएई सरकार ने एक सितंबर, 2024 से एमनेस्टी स्कीम (माफी योजना) की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे और वीजा अवधि समाप्त हो जाने के बाद भी देश में मौजूद लोगों को कानूनी राहत प्रदान करना है। इस योजना के तहत, 30 अक्टूबर तक आवेदन करने वाले लोगों को यूएई में अवैध रूप से रहने पर माफी दी जाएगी। इसके बाद, एक नवंबर से यूएई प्रशासन द्वारा सख्त अभियान चलाया जाएगा, जिसमें नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना और डिपोर्टेशन की कार्रवाई होगी।

● केंद्र सरकार ने सिगरेट इत्यादि जलाने में इस्तेमाल होने वाले पॉकेट लाइटर के उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और चीन पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से यह प्रतिबंध लगाया गया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा कि पॉकेट लाइटर, गैस वाले लाइटर, रिफिल नहीं होने वाले या बार-बार रिफिल होने वाले लाइटर के उपकरणों के आयात पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है।

14 अक्टूबर

पाकिस्तान बॉर्डर पर बनेंगी 2280 किलोमीटर लंबी सड़कें

● केन्द्र सरकार ने पाकिस्तान की सीमा से लगे क्षेत्रों में सड़क व्यवस्था को दुरुस्त करने

के लिए 2280 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूर कर दिया है। पाकिस्तान से सटी सीमा पर तारबंदी के पास और इसे जोड़ने के लिए लिंक सड़कों का जाल बिछाया जाएगा। राजस्थान और पंजाब से सटे बॉर्डर इलाके में सड़कें बनाने के लिए 4,406 करोड़ रुपये की लागत आएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रीमंडल ने इसकी मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने के बाद बॉर्डर तक सेना 48 घंटे से भी कम समय में पहुंच सकेगी।

● केंद्र सरकार मौजूदा और भावी योजनाओं को लेकर हर हफ्ते आम लोगों से राय लेगी। इंफ्रास्ट्रक्चर और लोगों के रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़े प्रोजेक्ट को लेकर यह अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था मंत्री से अफसरों तक पर प्रभावी होगी। यह निर्देश खासतौर पर रेलवे, संस्कृति, कृषि, खाद्य एवं उपभोक्ता मामले, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और पंचायती राज मंत्रालय को दिए गए हैं। कृषि मंत्रालय में एक अक्टूबर से इसकी शुरुआत हो गई है। दरअसल, कई बार प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद स्थानीय स्तर पर विरोध या प्रोजेक्ट की खामियों की बात सामने आती है। किसी प्रोजेक्ट से पहले इससे जुड़े स्टेक होल्डर्स और आम लोगों से सुझाव मांगे जाते हैं, लेकिन स्थानीय लोगों की भागीदारी कम होती है। अब नई व्यवस्था से सीधे ग्राउंड से काम की गुणवत्ता, उपयोगिता, गति आदि की जानकारी रियल टाइम में मिलेगी।

15 अक्टूबर

ताइवान के आसपास चीन का बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू

● ताइवान पर दबाव बढ़ाते हुए चीन ने उसके आसपास एक बड़ा सैन्य अभ्यास

शुरू किया है। ताइवान ने कहा कि चीन ने अभ्यास में 125 लड़ाकू विमान भेजे हैं। ताइवान के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र के भीतर लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर और ड्रोन समेत 90 विमान देखे गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा है कि वे लोग अभ्यास पर नजर रख रहे हैं। चीन ने यह नहीं बताया है कि यह अभ्यास कब तक चलेगा, लेकिन चीन के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यह कदम ताइवानी राष्ट्रपति के कम्युनिस्ट शासित पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का भाग स्वीकार करने की मांग ठुकराने के उत्तर में उठाया गया है। इससे ताइवान स्टेट में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है।

● स्वास्थ्य, कृषि तथा शहरी ढांचे के विकास में आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने आईआईटी दिल्ली, एम्स दिल्ली, आईआईटी रोपड़ और आईआईटी कानपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विश्वस्तरीय विशिष्ट केंद्र स्थापित करने का फैसला लिया है। यह केंद्र पांच वर्षों में स्थापित होंगे, इनकी स्थापना पर लगभग 990 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन केंद्रों को खोलने की घोषणा वर्ष 2023-24 के बजट में की गयी थी।

16 अक्टूबर

अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदेगा भारत

● अमेरिका से भारत 31 प्रीडेटर ड्रोन करीब 32 हजार करोड़ में खरीदेगा। इसके लिए

भारत और अमेरिका के बीच करार हुआ। इसके तहत भारत को ये एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन मिलेंगे। इसकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसकी रेंज 1900 किलोमीटर है। ये अपने साथ 1700 किलोग्राम का हथियार ले जा सकता है। प्रीडेटर ड्रोन के मेंटेनेंस और रिपेयरिंग की सुविधा भी यहीं विकसित की जाएगी। एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन एमक्यू-9 'रीपर' का ही एक प्रकार है। इसे लंबी दूरी और लंबे समय तक चलने वाले मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। एमक्यू-9बी ड्रोन 40,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर एक बार में 40 घंटे तक उड़ सकता है। इसकी बाहरी पेलोड क्षमता 2,155 किलोग्राम है। इस ड्रोन सौदे का उद्देश्य चीन के साथ विवादित सीमा पर भारतीय सेना की युद्धक क्षमता बढ़ाना है।

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति को अनिवार्य किया है। इस संबंध में सीबीएसई ने सभी संबंधित स्कूलों के प्रिंसिपल को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि केवल विशेष परिस्थितियों में जैसे मेडिकल इमरजेंसी में 25 प्रतिशत उपस्थिति की छूट दी जा सकती है। सीबीएसई ने कहा है कि स्कूल सिर्फ एकेडमिक लर्निंग के सेंटर नहीं हैं बल्कि छात्रों के ओवरऑल डेवलपमेंट तथा चरित्र निर्माण आदि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

17 अक्टूबर

जेईई-मेन के पैटर्न में हुआ बदलाव

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन के

JEE (Main)
Joint Entrance Examination

पैटर्न में बदलाव किया। बदलाव के चलते वर्ष 2025 में परीक्षा नए पैटर्न से होगी। हर विषय के पेपर के सेक्शन-बी में पांच प्रश्न होंगे और सभी प्रश्न करना अनिवार्य होगा। उल्लेखनीय है कि पहले सेक्शन-बी में 10 प्रश्नों में से कोई भी पांच प्रश्न हल करने होते थे। ऐसा माना जा रहा है कि सेक्शन-बी में विकल्प नहीं होने से स्कोर करना पहले से मुश्किल होगा। इसके साथ ही कटऑफ में भी कमी आएगी।

● केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक नया फॉर्म '12 बीएए' जारी किया। इस फॉर्म का इस्तेमाल कर्मचारियों की ओर से अपने फर्म (नियोक्ता) को अपनी सैलरी के अलावा अन्य सोर्स से किए गए टैक्स कटौतियों की सूचना देने के लिए किया जाएगा। इसमें फिक्स्ड डिपॉजिट से आय, इंश्योरेंस कमीशन, इक्विटी शेयरों से मिलने वाला डिविडेंड या कार या विदेशी मुद्रा खरीदने में कटे टैक्स की जानकारी आदि शामिल है। इस नए फॉर्म के माध्यम से टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स (टीसीएस) जमा और अन्य सोर्स से कटे टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स (टीडीएस) के बारे में जानकारी देकर कर्मचारी अपनी सैलरी से टैक्स कटौती कम कर सकते हैं। इस कदम से कर्मचारियों को कैश फ्लो की समस्याओं से निपटने और अपनी आय को खर्च करने या बचाने में मदद मिलेगी।

18 अक्टूबर

केंद्रीय मंत्रीमंडल ने वीनस ऑर्बिटर मिशन को मंजूरी दी

● भारत सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को शुक्र ग्रह

मिशन यानी वीनस ऑर्बिटर मिशन-वीओएम की अनुमति दी। अब इसरो इसकी तैयारी में लग चुका है। इसरो के चीफ डॉ. एस सोमनाथ ने कहा कि वीनस ऑर्बिटर मिशन ठीक चंद्रयान-1 की तरह होगा। ऑर्बिटर ग्रह के चारों तरफ चक्कर लगाएगा। इस ऑर्बिटर में से ही एक यंत्र यानी पेलोड शुक्र की सतह की तरफ गिराया जाएगा। यह पेलोड शुक्र की एसिडिक सतह तक जाते-जाते उसके वायुमंडल का अध्ययन करेगा।

● उत्तर कोरिया ने देश की दक्षिणी सीमा के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों से दक्षिण कोरिया को जोड़ने वाली सड़कें, रेल सेवा पूरी तरह से बंद कर दी। समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के केंद्रीय सैन्य आयोग के आदेश से कोरियन पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ ने 15 अक्टूबर को उत्तर कोरिया की सड़कों और रेलवे को भौतिक रूप से काटने का कदम उठाया। उत्तर कोरिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि 15 अक्टूबर को काम्हो-री, कोसोंग काउंटी, कांगवोन प्रांत में सड़कों और रेलवे के 60 मीटर लंबे खंड तथा टोंगने-री, पनमुन जिले में सड़कों और रेलवे के इतने ही लंबे खंड को विस्फोट करके पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया गया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

RSKS GROUP
MALWA GROUP OF INSTITUTES
SANWER ROAD, INDORE
#JOINUS
MALWA INSTITUTE OF SCIENCE & TECHNOLOGY, INDORE
MALWA INSTITUTE OF SCIENCE & MANAGEMENT, INDORE
MALWA INSTITUTE OF PHARMACEUTICAL SCIENCES, INDORE

TEACHING STAFF

Applications for **Director, Principal, Dean, Professors, Associate Professors, Assistant Professors in -**

Engineering (CSE, IT, ECE, Civil, Mechanical, Physics, Chemistry, Maths, English). Qualifications as per AICTE/RGPV CODE 30 Norms.

• **MBA** (Finance/HR/Marketing/IT/Business analysis) Qualifications as per UGC/DAVV - Code 28 Norms.

• **BBA** (Plain, Hotel Management, FT) • **BCA** • **BAJMC**

• **B.Sc.** (Biotech, Electronics, IT, Plain) • **B.Com** (Plain, Tax, Computer, FT) • **M.Sc.** (Biotech) • **BALLB** (Hons.) • **BBALLB** (Hons.)
Qualifications as per BCI/UGC/DAVV - Code 28 Norms.

• **Pharmacy -** B.Pharma, D.Pharma. Qualification as per PCI Norms.

NON TEACHING STAFF

Marketing Department : Marketing Head, Digital Marketing Head, Counseling Head, BDM, Graphic Designer, Call Center Head, Counselors, Tele-Callers.

Admin Department: Hr Head/Assistant, Administrative Officer, Assistant Registrar, Training & Placement Officer, Librarian, Sports Officer, System Admin, PA to Director, Office Assistants, Receptionist, DTP Operator, Lab Technicians, Site Engineer, Store Keeper, Carpenter, Welder, Drivers & Conductor.

Accounts Department: CFO, Chartered Accountant, Senior Accountant, Accountant, Cashier.

Send Your Resume by email - **hrmgi@mistindore.com** or WhatsApp on - **9977908310**

Campus - Limbodagari, Behind Aurbindo Hospital, Sanwer Road, Indore, Ph: 0731-6777777

R-50176/2024 **Registrar**

वर्ष 41, अंक 43 21.10.2024 से 27.10.2024

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 संकल्प को साकार करेगी माइनिंग कॉन्क्लेव

मध्यप्रदेश खनिज संसाधनों से समृद्ध राज्य है, देश के माइनिंग क्षेत्र में प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह देश का एकमात्र राज्य है जो हीरे का उत्पादन करता है साथ ही मैंगनीज और तांबा अयस्क के उत्पादन में भी अग्रणी है, जो विभिन्न औद्योगिक उपयोगों के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा राज्य रॉक-फॉस्फेट उत्पादन में दूसरे, सीमेंट उद्योग के लिए आवश्यक चूना पत्थर उत्पादन में तीसरे और कोयला उत्पादन में चौथे स्थान पर है। कोल-गैस के उत्पादन में भी राज्य दूसरे स्थान पर है, जो वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और स्थिरता की दिशा में उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकांक्षी विकसित भारत-2047 के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति करते हुए मध्यप्रदेश ने राजधानी भोपाल में पहली बार माइनिंग कॉन्क्लेव आयोजित की। इस महत्वपूर्ण आयोजन ने राज्य में माइनिंग, तेल, गैस और खनिज आधारित उद्योगों की व्यापक संभावनाओं को प्रदर्शित किया, साथ ही विकास की रीढ़ को मजबूती प्रदान करने में सफलता अर्जित की है। इस आयोजन का उद्देश्य मध्यप्रदेश के समृद्ध खनिज संसाधनों को प्रदर्शित करना है। इसमें कोयला, चूना पत्थर, तेल और गैस, सहित अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की संभावनाओं पर चर्चा हुई। साथ ही माइनिंग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग की भूमिका पर भी जोर दिया गया। इस कॉन्क्लेव के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य को माइनिंग और खनिज-आधारित उद्योगों का प्रमुख केंद्र बनाने के लिये सराहनीय पहल की है। इससे राज्य में आर्थिक समृद्धि और रोज़गार के अवसरों में बढ़ोत्तरी हुई है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सभी हितधारक, उद्योगपति और माइनिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हुए हैं। कॉन्क्लेव में 600 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी हुई। इसमें नॉर्दर्न कोलफ़ील्ड्स लिमिटेड (एन.सी.एल), हिंदुस्तान कम्प्यूटर्स लिमिटेड (एच.सी.एल), राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एन.एम.डी.सी), तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओ.एन.जी.सी.) और गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (जीएआईएल) जैसी प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि और अन्य राज्यों के उद्योगपति शामिल हुए। कॉन्क्लेव खनिज कंपनियों, उद्योग प्रतिनिधियों और अन्य प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाने में सफल हुआ। जिससे सहयोग और नवाचार को निश्चित ही प्रोत्साहन मिला है। इस आयोजन में डिजिटल परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें माइनिंग कार्यों में ऑटोमेशन के साथ एआई और मशीन लर्निंग के उपयोग पर चर्चा हुई। कोल गैस जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की संभावनाओं का भी अन्वेषण किया गया। सीमेंट, ऊर्जा और खनिज-आधारित उद्योगों से संबंधित मुद्दों पर गहन चर्चा के लिए एक राउंड टेबल मीटिंग हुई। कॉन्क्लेव में कई संस्थानों के साथ एमओयू भी हुए इस तरह राज्य के माइनिंग बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए निवेश प्रस्तावों को औपचारिक रूप दिया गया।

कॉन्क्लेव में खनिज अन्वेषण, खनिज प्रसंस्करण, नवीन तकनीकों के उपयोग और पर्यावरण सुरक्षा, आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस और मशीन लर्निंग जैसे विषयों पर चर्चा की गई। मध्यप्रदेश प्रचुर खनिज संसाधनों से समृद्ध है। मध्यप्रदेश को देश का एक मात्र हीरा उत्पादन क्षेत्र होने का गौरव प्राप्त है। प्रदेश का मलाजखंड क्षेत्र देश का तांबा खनन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। मध्यप्रदेश मध्य में होने से निवेशकों के लिये आवागमन की सुविधाएं सुगम और सहज उपलब्ध होती हैं। इस प्रकार की कॉन्क्लेव से मध्यप्रदेश का खनन क्षेत्र तो बूस्ट-अप होगा ही, देश की समृद्धि में भी प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। कॉन्क्लेव में हुए मंथन से निकलने वाला अमृत मध्यप्रदेश के साथ ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा।

बृहस्पति पर जीवन की संभावनाओं को तलाश करने के लिये नासा ने लॉन्च किया यूरोपा क्लिपर अभियान

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने बृहस्पति के चंद्रमा यूरोपा पर जीवन की संभावनाओं की तलाश करने के लिए नया मिशन लॉन्च किया है। अमेरिका के फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से यूरोपा क्लिपर अभियान फॉल्कन हैवी रॉकेट के जरिए लॉन्च किया है। लगभग 12,500 पाउंड वजनी यूरोपा क्लिपर अंतरिक्ष यान यूरोपा की समुद्री गहराई, सतह के योगिकों और चुंबकीय क्षेत्र का अध्ययन करने के लिए 9 उपकरणों से लैस है। यह नासा का सबसे बड़ा ग्रहीय मिशन है जो लगभग 100 फीट लंबा और 58 फीट चौड़ा है। मिशन वर्ष 2030 तक बृहस्पति की कक्षा में प्रवेश करेगा। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार मिशन के तहत यूरोपा की बर्फीली सतह के 10 किलोमीटर नीचे मौजूद महासागर के अंदर जीवन की संभावनाओं की जांच करेंगे। यह नासा का इस तरह का पहला अभियान है। यह मिशन एक तरह से जीवन की तलाश के उन सवालों के जवाब खोजने के लिये शुरू किया गया है जिनका जवाब अब तक मंगल ग्रह से नहीं मिला है। वैज्ञानिक लंबे समय से पृथ्वी के बाहर किसी भी तरह के जीवन के और उसकी संभावनाओं की तलाश कर रहे हैं। ऐसे में उनकी प्राथमिकता सौरमंडल के वे इलाके हैं जहां जीवन के अनुकूल परिस्थिति होने की संभावना ज्यादा है। नासा के विज्ञान मिशन निदेशालय की डिप्टी एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर सैंड्रा कोनेली के अनुसार यूरोपा की बर्फीली सतह के नीचे पानी, ऊर्जा, रसायन और स्थिरता जैसी स्थिति है जो जीवन को बढ़ावा दे सकती है। यूरोपा क्लिपर मिशन की मुख्य चुनौतियों में से एक ऐसा अंतरिक्ष यान पहुंचाना है जो बृहस्पति से आने वाले विकिरण के प्रहार को झेल सके साथ ही यूरोपा के पर्यावरण की जांच के लिए आवश्यक जानकारी जमा करने के लिए पर्याप्त संवेदनशील भी हो।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

नदी जोड़ो और जल संचय अभियान में अग्रणी राज्य बना मध्यप्रदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत बनाने के संकल्प को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मध्यप्रदेश ने अब नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन में भी अपना प्रथम स्थान बना लिया है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां नदी जोड़ो अभियान के अंतर्गत दो परियोजनाओं का क्रियान्वयन प्रारंभ हो रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भारत राष्ट्र को विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनाने के अभियान में मध्यप्रदेश ने अनेक विधाओं में अपना अग्रणी स्थान बनाया है। इनमें स्वच्छता अभियान सबसे प्रमुख है। इसमें मध्यप्रदेश अपना अग्रणी स्थान बना चुका है। अब समृद्धि के लिये कृषि और औद्योगीकरण की दिशा में कदम बढ़ाया है। कृषि विकास एवं औद्योगीकरण दोनों के लिये आधारभूत आवश्यकता जल है और जल की उपलब्धता का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत प्रकृति और वर्षा है जो नदियों, पोखरों और तालाबों के माध्यम से सुलभ होती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पदभार संभालते ही इन दोनों दिशाओं में कार्य आरंभ किया। एक ओर नदी जोड़ो परियोजनाओं का काम आरंभ किया और दूसरी ओर तालाब, कुएं, बावड़ी और पोखरों का जीर्णोद्धार अभियान चलाया। इससे गांवों में जल की उपलब्धता भी बढ़ी और धरती की उर्वरक क्षमता भी बढ़ी। यह जल की उपलब्धता का ही प्रभाव है कि मध्यप्रदेश लगातार कृषि कर्मण अवॉर्ड जीत रहा है। मध्यप्रदेश को अपना कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिये भारत सरकार से प्रशंसा भी मिली। कृषि उत्पादन वृद्धि के बाद अब मध्यप्रदेश नदी जोड़ो एवं जल संचय अभियान में भी अग्रणी राज्य बना और भारत सरकार से प्रशंसा मिली।

नदियों की दृष्टि से मध्यप्रदेश एक समृद्ध प्रदेश है। नर्मदा, चंबल, पार्वती, बेतवा, शिप्रा, सोन जैसी सदानीरा नदियों का उद्गम मध्यप्रदेश है। ये नदियां अपनी विपुल जल राशि से मध्यप्रदेशवासियों को तो तृप्त करती ही हैं साथ ही अपने पड़ोसी राज्य गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और बिहार आदि राज्यों की नदियों को भी जल से समृद्ध करती हैं। लेकिन, जल और प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग के अभाव में मध्यप्रदेश कभी एक बीमारू राज्य रहा है। लेकिन, अब मध्यप्रदेश ने विकास की नई अंगड़ाई ली है और विकास के विभिन्न कीर्तिमान बनाये हैं। विकास की इस धारा को अब डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने आगे बढ़ाया है और जल संरक्षण एवं जल संचय की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये हैं। अब मध्यप्रदेश अन्य प्रांतों की तुलना में अग्रणी स्थान पर पहुंच रहा है।

नदी जोड़ो और जल संचय अभियान

भारत में मुख्यतया दो प्रकार की नदियां हैं। एक हिमालय से निकलने वाली गंगा, यमुना, कोसी, सतलज, जैसी सदानीरा नदियां और दूसरे देश के अन्य पर्वतों से निकलने वाली महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, नर्मदा, केन, बेतवा आदि नदियां। इस नदी जोड़ो परियोजना में ये दोनों प्रकार की नदियां शामिल हैं। इनमें कुछ नदियां ऐसी हैं जिनकी जल राशि का पूरा उपयोग स्थानीय स्तर पर नहीं हो पाता और बेकार बहकर समुद्र में चला जाता है। यदि इन नदियों को स्थानीय बरसाती नदियों से जोड़ दिया जाये तो क्षेत्र में समृद्धि का नया वातावरण बन सकता है। इसलिये भारत सरकार ने इन दोनों प्रकार की नदियों को छोटी-छोटी नदियों से जोड़कर पानी की उपलब्धता बढ़ाने का कार्य आरंभ किया है। नदी जोड़ो परियोजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प का एक महत्वपूर्ण अंग है। भारत की समृद्धि का आधार आत्मनिर्भरता है। इसमें सबसे पहला आयाम अन्न और जल की उपलब्धता है, जो प्राकृतिक वर्षा जल संग्रहण से ही संभव है। जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये दो अभियान आरंभ किए गये। एक तो विभिन्न नदियों को परस्पर जोड़ने के लिये 'नदी जोड़ो परियोजना' और दूसरे वर्षा जल के संचय के लिये जन जाग्रति और जन भागीदारी के लिये 'जल-संचय, जन भागीदारी-जन आंदोलन'। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के विकास में अपनी प्राथमिकता में ये दोनों अभियान भी शामिल किये। उन्होंने नर्मदा-शिप्रा लिंक परियोजना में सुधार कार्य तथा केन-बेतवा लिंक परियोजना और चंबल-कालीसिंध एवं पार्वती लिंक परियोजना के क्रियान्वयन को तेज किया। पिछले दिनों गुजरात के सूरत नगर में 'जल-संचय जन भागीदारी-जन आंदोलन' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रांतों से नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन के आंकड़े आये। उनके अनुसार मध्यप्रदेश में इन परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हुआ और दोनों अभियानों के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य माना गया।

वर्षा जल संग्रहण के लिये नदियां महत्वपूर्ण स्रोत हैं। कुछ नदियां सदानीरा हैं जबकि कुछ मौसम बदलने के साथ सूख जाती हैं। योजना बनी थी कि यदि बारहमासी कही जाने वाली सदानीरा नदियों को छोटी नदियों से जोड़ दिया जाये तो जल की उपलब्धता सहज हो जायेगी। नदियों को परस्पर जोड़ने की इस योजना के क्रियान्वयन पर अनेक बार चर्चा हुई। लेकिन क्रियान्वयन का कार्य आरंभ नहीं हो सका था। सबसे पहले अंग्रेजों ने इस योजना पर सर्वे करके रिपोर्ट तैयार की थी। किन्तु अंग्रेजों का उद्देश्य नदियों को जोड़कर जन सामान्य की आवश्यकता के अनुरूप पानी उपलब्ध कराना नहीं था। अंग्रेज नदियों को जोड़कर व्यापारिक हितों के लिये जल मार्ग बनाना चाहते थे। ताकि वे अपना यातायात सुगम बना सकें। स्वतंत्रता के बाद भी अनेक बार बरसाती नदियों को सदानीरा नदियों से जोड़ने की बात हुई, लेकिन कार्य आरंभ न हो सका। समय अपनी गति से आगे बढ़ा और 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में सरकार बनी। तब अटलजी ने देश की कुछ बड़ी नदियों को परस्पर जोड़कर पानी की उपलब्धता बढ़ाने की इस परियोजना पर काम शुरू किया। लेकिन, वह सरकार अधिक न चल सकी। अटलजी की सरकार के पतन के साथ ही इस योजना के क्रियान्वयन में गतिरोध आ गया।

वर्ष 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और उन्होंने पुनः इस 'राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना' के क्रियान्वयन के निर्देश दिये। यह परियोजना केवल मध्यप्रदेश के लिये ही नहीं पूरे देशभर के लिये थी। इसके अंतर्गत कुल 30 'रिवर-लिंक' बनना हैं। इनके माध्यम से भारत के विभिन्न प्रांतों की कुल 37 नदियों को एक-दूसरे से जोड़ा जाना है। परियोजना में कुल 15,000 किलोमीटर लंबी नई नहरों का निर्माण होगा। रिवर लिंक एवं नहरों के विशाल नेटवर्क से कृषि और अन्य उपयोग के लिये पानी की उपलब्धता के साथ धरती का गिरता जलस्तर भी संतुलित बनेगा।

दो परियोजनाओं में अग्रणी मध्यप्रदेश

राष्ट्रीय नदी जोड़ो अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश दो परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अग्रणी राज्य बना। इनमें बेतवा-केन लिंक परियोजना और चंबल-कालीसिंध-पार्वती लिंक परियोजना है। केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिये भारत सरकार ने 44605 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस परियोजना के अंतर्गत 221 किलोमीटर लंबी नहरों के माध्यम से केन और बेतवा के जल को जोड़ना है। ये दोनों नदियों का उद्गम मध्यप्रदेश है और ये यमुना नदी की सहायक नदियां हैं। केन्द्र से सहमति मिलते ही मध्यप्रदेश सरकार ने तेजी से क्रियान्वयन आरंभ किया। यह देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है जिस पर काम शुरू हो सका। इसके अंतर्गत केन नदी का अतिरिक्त जल बेतवा नदी में भेजा जाना है। इस परियोजना से लाभान्वित होने वाला अधिकांश क्षेत्र बुंदेलखंड है। सामान्यत: बुन्देलखण्ड की गणना देश के सूखाग्रस्त क्षेत्र में होती है। यहां नदियां होने के बावजूद पानी की उपलब्धता उतनी नहीं है जितनी नदियों की जल क्षमता है। परियोजना पूरी होने के बाद न केवल बुन्देलखण्ड में जल उपलब्धता होगी अपितु भू-जल स्तर में भी सुधार होगा।

दूसरी पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना है। यह परियोजना काफी समय से अटकी थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आग्रह पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दोनों राज्यों से चर्चा कर बाधाओं को दूर किया। इस योजना के पूरा होने पर मध्यप्रदेश में मालवा और चंबल क्षेत्र लाभान्वित होंगे। इस परियोजना से मध्यप्रदेश के इंदौर, उज्जैन, धार, गुना, श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, भिंड और शाजापुर, उज्जैन, देवास, शाजापुर और आगर मालवा जिले लाभान्वित होंगे। इससे प्रदेश के लाखों किसान परिवार लाभान्वित होंगे। वहीं इस परियोजना से राजस्थान के झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, करौली, अलवर, भरतपुर, दौसा और धौलपुर जिलों को लाभ होगा।

प्रदेश में हुआ 10 हजार से अधिक तालाब, कुएं और पोखरों का जीर्णोद्धार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इसके लिये आधारभूत मानवीय आवश्यकता की सुगमता आवश्यक है। इसके लिये धरती की उर्वरक क्षमता और पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिये प्रधानमंत्री ने इस नदी जोड़ो परियोजना को स्वीकृति दी। इस परियोजना में उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है जो न्यूनतम वर्षा क्षेत्र माने जाते हैं। नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से जल की उपलब्धता बढ़ाने के साथ ग्रामीण क्षेत्र में जल संचय के लिये परंपरागत जल संग्रह के संरक्षण के लिये भी जन भागीदारी को बढ़ावा देने का अभियान चलाया गया है। इसके अंतर्गत स्थानीय तालाब, पोखर, कुआं बावड़ी का संरक्षण करना शामिल है।

मध्यप्रदेश ने इस दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। प्रदेशभर के लगभग दस हजार से अधिक तालाब, कुएं, पोखर आदि का जीर्णोद्धार किया गया है।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर

सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022 दिनांक 09.06.2024 (रविवार)
परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्र. 9140/26/2024/अनु.-10 **इंदौर, दिनांक : 08.10.2024**

01. विज्ञापन क्रमांक-24/2022/30.12.2022, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 19.03.2023।

(1)	विज्ञप्ति क्रमांक-12634/2022/अनु.-06 दिनांक 05.01.2023 (विज्ञापन के संबंध में केविएट याचिका दायर किए जाने के संबंध में)।
(2)	शुद्धि पत्र क्रमांक-01/16/2022 से 53/2022, दिनांक 10.01.2023 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में संशोधन)।
(3)	शुद्धि पत्र क्रमांक-03/16/2022 से 53/2022, दिनांक 25.07.2023 सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में संशोधन।
(4)	शुद्धि पत्र क्रमांक-04/24/2022, दिनांक 24.11.2023 (सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने संबंधी)।
(5)	सूचना पत्र क्रमांक-01/24/2022, दिनांक 22.12.2022 (सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी हेतु परीक्षा आयोजन की सूचना)।
(6)	विज्ञप्ति क्रमांक-3016/2024/प.नि. दिनांक 13.01.2024 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी परीक्षा-2022 तिथि परिवर्तन के संबंध में)।
(7)	विज्ञप्ति क्रमांक-3139/पेड/2024/प.-09, दिनांक 27.02.2024 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी परीक्षा-2022 को आयोजित परीक्षा के स्थगन के संबंध में)।
(8)	शुद्धि पत्र क्रमांक-07/16-53/2022 दिनांक 28.03.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 (समस्त विज्ञापित विषयों हेतु) एवं ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के पदों के लिए अतिथि विद्वानों को अधिकतम आयु सीमा में अधिकतम 10 वर्ष की छूट प्रदान किए जाने एवं समस्त अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने विषयक।
(9)	शुद्धि पत्र क्रमांक-08/16-53/2022 दिनांक 12.04.2024 (संशोधित तिथि विन्यास) (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 (समस्त विज्ञापित विषयों हेतु) एवं ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के पदों के लिए अतिथि विद्वानों को अधिकतम आयु सीमा में अधिकतम 10 वर्ष की छूट प्रदान किए जाने एवं समस्त अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने विषयक।
(10)	शुद्धि पत्र क्रमांक-09/16-53/2022 दिनांक 27.05.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 परीक्षा आयोजन की सूचना संबंधी)।
(11)	शुद्धि पत्र क्रमांक-02/16/2022 से 51/2022 दिनांक 15.03.2023 (अर्हकारी अंकों में 5 प्रतिशत अंकों की छूट के संदर्भ में)।
(12)	शुद्धि पत्र क्रमांक-11/24/2022 दिनांक 10.09.2024 (सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी परीक्षा-2022) विज्ञापित पदों हेतु मुख्य एवं प्रावधिक भाग की जानकारी)

02. उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत **सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022** जिला मुख्यालय इंदौर, भोपाल जबलपुर, ग्वालियर, मुरैना, रीवा, सागर, शहडोल एवं उज्जैन के केन्द्रों पर दिनांक 09.06.2024 (रविवार) को दो सत्रों में प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन प्रातः 10.00 से 11.00 बजे तक एवं द्वितीय प्रश्न पत्र अंग्रेजी दोपहर 01.00 से 04.00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है :–

श्रेणीवार/वर्गवार कुल विज्ञापित

क्र.	विवरण	UR	SC	ST	OBC	EWS	TOTAL
(अ)	कुल रिक्तियों की संख्या (TOTAL POST)	25	29	97	45	4	200
(ब)	कुल रिक्तियों में से महिलाओं के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (FEMALE)	8	10	32	15	1	66
(स)	कुल रिक्तियों में से भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (ExSer)	-	-	-	-	-	-
(द)	कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पद रिक्तियों की संख्या (PH)	[LD(OH)-4, VH-3, HH-3, MD-NA]					10

04. राज्य सेवा परीक्षा-2019 के संबंध में माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के अंतरिम आदेशों के परिप्रेक्ष्य में एवं सामान्य प्रशासन विभाग, म.प्र. भोपाल के ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022'' के प्रकाश में विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक-24/2022/30.12.2022, में मुख्य एवं प्रावधिक भाग के विज्ञापित पदों के अनुसार आयोग द्वारा बैठक दिनांक 10.07.2023 के निर्णय क्र.-55 में उल्लेखित प्रक्रिया का पालन करते हुए उपरोक्त परीक्षा का परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया गया है।

परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है :–

1. सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पत्रानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्टलिस्टेड) प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
2. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का अभिवचन पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाए।

सामान्य प्रशासन विभाग के ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022'' में दिए गए निर्देशों एवं आयोग के निर्णय अनुसार सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग में घोषित किया जाना है। सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022 हेतु मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनारक्षित श्रेणी हेतु) के पदों का रिक्ति विवरण प्राप्त हुआ है जिसे आयोग द्वारा शुद्धि पत्र क्रमांक-11/24/2022, दिनांक 10.09.2024 को आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया गया है। विज्ञापित पदों का रिक्ति विवरण निम्नानुसार है :–

स. क्र.	पद का नाम	अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद	मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों)	प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु)
1.	सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022	45	41	4

उपरोक्तानुसार सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022 के परीक्षा परिणाम में **मुख्य भाग-अ** के लिए साक्षात्कार हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह **कुल-385** अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :–

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
ASSISTANT PROFESSOR EXAM 2022 (ENGLISH)- PART A (MAIN)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.No.	ROLL No.	S.No.	ROLL No.	S.No.	ROLL No.	S.No.	ROLL No.	S.No.	ROLL No.
1.	120002	67.	120231	133.	120673	199.	121060	265.	121509
2.	120005	68.	120235	134.	120676	200.	121063	266.	121511
3.	120007	69.	120236	135.	120678	201.	121065	267.	121518
4.	120010	70.	120239	136.	120686	202.	121077	268.	121519
5.	120011	71.	120241	137.	120688	203.	121082	269.	121522
6.	120013	72.	120245	138.	120697	204.	121083	270.	121524
7.	120018	73.	120252	139.	120699	205.	121086	271.	121528
8.	120026	74.	120269	140.	120722	206.	121087	272.	121534
9.	120029	75.	120270	141.	120726	207.	121091	273.	121535
10.	120032	76.	120277	142.	120729	208.	121100	274.	121536
11.	120036	77.	120285	143.	120740	209.	121103	275.	121539
12.	120041	78.	120288	144.	120745	210.	121104	276.	121540
13.	120042	79.	120294	145.	120760	211.	121109	277.	121541
14.	120049	80.	120296	146.	120776	212.	121115	278.	121542
15.	120053	81.	120297	147.	120779	213.	121117	279.	121543
16.	120061	82.	120298	148.	120806	214.	121119	280.	121546
17.	120064	83.	120299	149.	120812	215.	121121	281.	121552
18.	120065	84.	120301	150.	120815	216.	121123	282.	121553
19.	120066	85.	120305	151.	120839	217.	121138	283.	121555
20.	120067	86.	120308	152.	120842	218.	121143	284.	121556
21.	120074	87.	120311	153.	120846	219.	121148	285.	121558
22.	120079	88.	120313	154.	120866	220.	121152	286.	121559
23.	120081	89.	120320	155.	120872	221.	121156	287.	121561
24.	120090	90.	120325	156.	120877	222.	121175	288.	121567
25.	120093	91.	120327	157.	120882	223.	121181	289.	121571
26.	120096	92.	120330	158.	120887	224.	121204	290.	121575
27.	120099	93.	120333	159.	120891	225.	121206	291.	121576
28.	120109	94.	120344	160.	120897	226.	121210	292.	121585
29.	120114	95.	120347	161.	120909	227.	121212	293.	121591
30.	120116	96.	120348	162.	120912	228.	121214	294.	121624
31.	120117	97.	120351	163.	120917	229.	121230	295.	121638
32.	120120	98.	120364	164.	120918	230.	121254	296.	121640
33.	120121	99.	120369	165.	120921	231.	121259	297.	121659
34.	120122	100.	120371	166.	120922	232.	121266	298.	121663
35.	120123	101.	120397	167.	120924	233.	121271	299.	121674
36.	120127	102.	120419	168.	120935	234.	121277	300.	121686
37.	120130	103.	120426	169.	120948	235.	121287	301.	121699
38.	120131	104.	120430	170.	120951	236.	121288	302.	121720
39.	120132	105.	120431	171.	120952	237.	121295	303.	121724
40.	120133	106.	120438	172.	120953	238.	121322	304.	121740
41.	120138	107.	120445	173.	120958	239.	121327	305.	121741
42.	120139	108.	120452	174.	120959	240.	121329	306.	121743
43.	120141	109.	120469	175.	120976	241.	121331	307.	121754
44.	120143	110.	120470	176.	120979	242.	121370	308.	121772
45.	120150	111.	120472	177.	120982	243.	121383	309.	121779
46.	120158	112.	120480	178.	120983	244.	121384	310.	121783
47.	120165	113.	120482	179.	120985	245.	121385	311.	121785
48.	120166	114.	120508	180.	120986	246.	121392	312.	121797
49.	120168	115.	120512	181.	120988	247.	121401	313.	121798
50.	120169	116.	120513	182.	120989	248.	121406	314.	121803
51.	120172	117.	120514	183.	120994	249.	121408	315.	121806
52.	120173	118.	120515	184.	120995	250.	121415	316.	121807
53.	120178	119.	120520	185.	120996	251.	121421	317.	121812
54.	120183	120.	120529	186.	120998	252.	121429	318.	121830
55.	120185	121.	120537	187.	121002	253.	121430	319.	121834
56.	120186	122.	120549	188.	121005	254.	121440	320.	121836
57.	120187	123.	120559	189.	121009	255.	121441	321.	121840
58.	120193	124.	120586	190.	121010	256.	121442	322.	121846
59.	120194	125.	120604	191.	121013	257.	121447	323.	121850
60.	120205	126.	120615	192.	121016	258.	121449	324.	121851
61.	120217	127.	120626	193.	121019	259.	121452	325.	121861
62.	120219	128.	120629	194.	121027	260.	121453	326.	121865
63.	120222	129.	120635	195.	121037	261.	121486	327.	121871
64.	120223	130.	120639	196.	121041	262.	121491	328.	121872
65.	120225	131.	120655	197.	121047	263.	121504	329.	121873
66.	120229	132.	120672	198.	121057	264.	121505	330.	121885

S.No. ROLL No.	S.No. ROLL No.	S.No. ROLL No.	S.No. ROLL No.	S.No. ROLL No.
331. 121892	342. 121969	353. 122022	364. 122064	375. 122167
332. 121909	343. 121973	354. 122025	365. 122070	376. 122168
333. 121919	344. 121975	355. 122026	366. 122074	377. 122208
334. 121925	345. 121979	356. 122030	367. 122083	378. 122222
335. 121926	346. 121980	357. 122034	368. 122087	379. 122242
336. 121928	347. 121992	358. 122043	369. 122107	380. 122273
337. 121929	348. 121993	359. 122047	370. 122112	381. 122300
338. 121936	349. 122002	360. 122055	371. 122147	382. 122301
339. 121951	350. 122011	361. 122059	372. 122154	383. 122309
340. 121954	351. 122012	362. 122061	373. 122160	384. 122330
341. 121958	352. 122016	363. 122063	374. 122162	385. 122368

प्रावधिक भाग-ब के लिए साक्षात्कार हेतु कुल विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह कुल-23 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :–

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
ASSISTANT PROFESSOR EXAM 2022 (ENGLISH) - PART B (PROVISIONAL)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.No. ROLL No.	S.No. ROLL No.	S.No. ROLL No.	S.No. ROLL No.	S.No. ROLL No.
1. 120263	6. 121239	11. 121631	16. 121775	21. 122210
2. 120356	7. 121250	12. 121681	17. 121796	22. 122345
3. 120715	8. 121364	13. 121684	18. 121809	23. 122375
4. 120730	9. 121428	14. 121753	19. 121848	
5. 120802	10. 121557	15. 121770	20. 121941	

साक्षात्कार के लिए अभिलेख प्रेषित करने के संबंध में निर्देश :–

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

परिशिष्टि प्रपत्र-01

विज्ञापन क्रमांक :– 24/2022 दिनांक 30.12.2022	पद/परीक्षा का नाम :– सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022
अनुक्रमांक -	अभ्यर्थी का नाम :– .....

स. क्र.	दस्तावेज का विवरण	संलग्न दस्तावेजों के पृष्ठ क्रमांक	संलग्नक के पृष्ठों की कुल संख्या
1.	उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
2.	उपरोक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
3.	उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
4.	व्यक्तिगत विवरण पत्रक-1 मूल प्रति एवं 5 छायाप्रतियां। (केवल मूल प्रति पर नम्बरिंग करना है। छायाप्रतियों पर नम्बरिंग नहीं करना है।)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
5.	अनुप्रमाणन फॉर्म-3 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
6.	घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा से विवर्जित (Debar) नहीं होने संबंधी) 01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
7.	हाईस्कूल की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
8.	हायर सेकेण्डरी की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
9.	स्नातक एवं स्नातकोत्तर की समस्त वर्षों की अंकसूचियां एवं उपाधि। (स्नातक परीक्षा दिनांक 13.04.2024 के पूर्व उत्तीर्ण होना अनिवार्य है) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
10.	यू.जी.सी. नेट/मध्यप्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) उत्तीर्ण प्रमाण पत्र। (दिनांक 13.04.2024 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।		
11.	प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि विद्वानों के लिए निर्धारित प्रारूप में अध्यापन अनुभव प्रमाण पत्र। (दिनांक 13.04.2024 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।		
12.	मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में म.प्र. राज्य का रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र। (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
13.	मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र की प्रति। (प्रमाण-पत्र में प्रकरण क्रमांक, गोलसील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख होना आवश्यक है।) (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
14.	आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी म.प्र. शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने की दिनांक, गोलसील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) (म.प्र. शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण-पत्र मान्य होंगे)। (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
15.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाला घोषणा पत्र-01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
16.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए वित्तीय वर्ष :– (1) विज्ञापन क्रमांक-24/2022/30.12.2022 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 20.02.2023 से दिनांक 31.03.2023 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-2023 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है। **अथवा** (2) आयोग के शुद्धि पत्र क्रमांक-04/24/2022 दिनांक 24.11.2023 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 30.11.2023 से दिनांक 15.12.2023 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-2024 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है। **अथवा** (3) आयोग की शुद्धि पत्र क्रमांक-08/16-53/2022 दिनांक 12.04.2024 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 05.04.2024 से दिनांक 13.04.2024 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-2025 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
17.	महिला अभ्यर्थियों हेतु विवाहोपरांत उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
18.	म.प्र. शासन की सेवा में सेवारत शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र की प्रति। अनापत्ति प्रमाण-पत्र न हो तो विभाग को अनापत्ति हेतु प्रस्तुत पत्र की प्रति संलग्न करें। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
19.	मध्यप्रदेश शासन की सेवा में सेवारत होने की स्थिति में शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
20.	भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 13.04.2024 के पूर्व भूतपूर्व सैनिक होने संबंधी दस्तावेज की प्रति एवं सेवावधि का विवरण पत्रक की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
21.	अभ्यर्थी का स्वयं का पहचान पत्र। (आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र/पेन कार्ड/फोटोयुक्त बैंक पास बुक की प्रति/ शासकीय कर्मचारी होने की स्थिति में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय पत्र की प्रति/ड्रायविंग लायसेंस) (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
22.	दिव्यांग अभ्यर्थी होने की स्थिति में दिव्यांगता के प्रमाण पत्र की छायाप्रति। (ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 13.04.2024 के पूर्व प्रमाण पत्र जारी होना अनिवार्य है)		
23.	यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण/ न्यायालयीन प्रकरण दर्ज हो जिसका निराकरण लंबित हो या हो चुका हो तो उससे संबंधित दस्तावेज।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
24.	आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापित पदों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत) के आधार अभ्यर्थी ''अभिवचन'' पत्र की पूर्ति कर आयोग कार्यालय में साक्षात्कार दिवस को अनिवार्यतः प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
25.	अन्य कोई दस्तावेज जो अभ्यर्थी प्रस्तुत करना चाहता है।	पृष्ठ क्रमांक .....से..... तक	.....
	कुल संलग्नक दस्तावेजों की संख्या (अंकों में)		

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर :- .....

05. साक्षात्कार हेतु अर्ह अभ्यर्थी विज्ञापन अनुसार वांछित अपनी अर्हता संबंधी समस्त अभिलेख उपरोक्त परिशिष्ट प्रपत्र-01 अनुसार क्रम में प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर अभ्यर्थी अपना नाम, अनुक्रमांक, पृष्ठ क्रमांक एवं संलग्न दस्तावेज के कुल पृष्ठों की संख्या स्पष्टतः अंकित कर **दिनांक 29.10.2024 तक** आयोग कार्यालय में प्रेषित करें। डाक विभाग या अन्य किसी माध्यम से प्रेषित किए गए अभ्यर्थियों के अभिलेख आयोग कार्यालय में विलंब से प्राप्त होने पर आयोग जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा। अतः अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक अपने अभिलेख आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन अभ्यर्थियों के दस्तावेज अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।

06. आयोग की बैठक दिनांक 19.09.2024 के निर्णय क्रमांक-20 के निर्णयानुसार आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा/ लिखित परीक्षा के माध्यम से चयन प्रक्रिया पूर्ण किए जाने वाले समस्त प्रकरणों में लिखित परीक्षा में सम्मिलित होकर साक्षात्कार हेतु अर्ह घोषित किए गए केवल ऐसे आवेदक जिनके अभिलेख आयोग कार्यालय में विलम्ब से प्राप्त होते हैं एवं किसी कारणवश नहीं भेजे जाते हैं तो ऐसे आवेदकों से विलम्ब शुल्क के साथ आयोग कार्यालय में अभिलेख जमा करने हेतु निम्नानुसार राशि निर्धारित की गई है :–
आयोग द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में साक्षात्कार हेतु अभिलेख जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि 29.10.2024 के पश्चात् कार्यालयीन दिवस/समय प्रातः 10.00 से सायं 06.00 बजे तक निम्नानुसार विलंब शुल्क की नगद राशि एम.पी.टी.सी. 6 के माध्यम से आयोग की लेखा शाखा में जमा कराने के पश्चात अभिलेख जमा किए जा सकेंगे।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

BARKATULLAH UNIVERSITY
Narmadapuram Road, Bhopal- 462026

ADMISSION NOTICE

Online applications are invited through **https://bubhopal.mponline.gov.in** for the academic session 2024-25 Non-CUET Courses.

Name of Department	Course	Fee per Year	Seats	Duration in Years
C. Rajagopalachari Institute of Management	B.B.A. Management Aviation	25,000/-	30	4 years
Eligibility	10+2 completed with first division (5 % relaxation to SC/ST candidate belonging to M.P.) from Board of Secondary Education Madhya Pradesh or any equivalent examination from any other board recognized by the State Government.			
Physics	B.Sc. Aviation	20,000/-	30	4 years
Eligibility	10+2 (physics & Maths) completed with first division (5 % relaxation to SC/ST candidate belonging to M.P.) from Board of Secondary Education Madhya Pradesh or any equivalent examination from any other board recognized by the State Government.			
BUIT	Airline customer care executive course	-	30	3 month course
Eligibility	Graduate in any discipline under graduation only with travel diploma			

Last date : 23.10.2024 . Interested candidate may visit the Website **www.bubhopal.ac.in** for admission.

M.P. Madhyam/116955/2024 R-50181/2024 **REGISTRAR**

(पिछले पृष्ठ का शेष)

01	निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् कार्यालयीन 05 दिवस तक राशि रुपये 3,000/- (तीन हजार मात्र)।	दिनांक 30.10.2024 से 06.11.2024 तक
02	निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् 10 कार्यालयीन दिवस तक (अर्थात् 06 से 10 दिवस तक) राशि रुपये 25,000/- (पच्चीस हजार मात्र)	दिनांक 07.11.2024 से 13.11.2024 तक

उपरोक्तानुसार विलंब शुल्क के साथ निर्धारित तिथियों के पश्चात डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से आयोग को प्रेषित किए गए आवेदकों के अभिलेख प्राप्त होने पर आयोग की कोई जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा।

महत्वपूर्ण टीप :-

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांकों के बराबर या अधिक हैं उन्हें नियमानुसार मुख्य तथा प्रावधिक दोनों ही भागों में अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
3. सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
4. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
5. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
6. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रमाणिक मानी जाएगी।
7. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक TRANSFER PETITION (C) No. 1120 OF 2023 Dated 02.09.2024 एवं माननीय उच्च न्यायालय में याचिका क्रमांक-5596/2024, 2108/2022 एवं समान अन्य याचिकाओं व माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक-एस.एल.पी. 12398/2023 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। उपरोक्त परीक्षा से संबंधित प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।।
8. सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 में उच्च शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों के अतिथि विद्वान (रिक्त पदों के विरुद्ध एवं जनभागीदारी) तथा मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों में संविदा आधार पर कार्यरत अतिथि विद्वानों के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण याचिका क्र.-WP No.-3609/2024, 20315/2024, 660/2021, 8697/2023, 31245/2023, 20274/2024 एवं अन्य समान याचिकाओं का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय द्वारा याचिकाओं के पारित अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
9. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
10. आयोग की बैठक दिनांक 30.10.2023 में लिए गए निर्णय क्रमांक-31 के अनुसार सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022 की अंतिम उत्तरकुंजी में विलोपित किए गए प्रश्नों के अंक परीक्षा में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थियों को समान रूप से प्रदाय किए गए हैं अर्थात् दोनो प्रश्न पत्रों के लिए न्यूनतम उत्तीर्णांक की गणना हेतु निर्धारित पूर्णांक यथावत हैं।
10. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख **दिनांक 29.10.2024 तक** निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,

सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,
रेसीडेंसी एरिया, इंदौर

अभ्यर्थी अपने अभिलेख के लिफाफे पर **सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022 के साक्षात्कार हेतु अभिलेख** अवश्य लिखें।

जी-17476/50158/2024 **उप परीक्षा नियंत्रक**

संचालनालय महिला एवं बाल विकास
विजयाराजे वात्सल्य भवन, 28-ए, अरेरा हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश)
फोन : 0755-2550909, फैक्स : 0755-2550912

क्रमांक/म.बा.वि./पुरस्कार/2024/697 **भोपाल, दिनांक : 10.10.2024**

विभागीय पुरस्कारों हेतु आवेदन आमंत्रित

महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा मध्यप्रदेश में महिलाओं एवं बच्चों के क्षेत्र में समाज सेवा, सुरक्षा, वीरता व साहसिक कार्यों के लिए व्यक्तिगत/संस्थागत श्रेणी में वर्ष 2024 के लिए 06 राज्य/जिला स्तरीय विभागीय पुरस्कारों हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	पुरस्कार का नाम	पुरस्कार संख्या	पात्र	कार्यक्षेत्र	सम्मान निधि	आवेदन की अंतिम तिथि
1.	रानी अवन्ति बाई राज्य स्तरीय वीरता पुरस्कार	1	बालिका/ महिला	महिलाओं और बच्चों को उत्पीड़न से बचाने, उनके पुनर्वास में योगदान व बाल विवाह, दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों को रोकने का साहसिक कार्य।	राशि रुपये 1 लाख व प्रशस्ति पत्र	**15 नवम्बर** 2024
2.	राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार	1	बालिका/ महिला	महिलाओं/बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, साक्षरता, पर्यावरण की स्थिति में सुधार, आर्थिक गतिविधियों के संचालन, अधिकारों के प्रति जागृति, सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय व प्रमाणित कार्य	राशि रुपये 1 लाख व प्रशस्ति पत्र	15 नवम्बर 2024
3.	श्री विष्णु कुमार महिला बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान पुरस्कार	1	व्यक्ति/ स्वयं सेवी संस्था	महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित समाज सुधार, स्वास्थ्य, शिक्षा, साक्षरता, पर्यावरण की स्थिति में सुधार, आर्थिक गतिविधियों के संचालन, अधिकारों के प्रति जागृति, सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय व प्रमाणित कार्य।	राशि रुपये 1 लाख व प्रशस्ति पत्र	15 नवम्बर 2024
4.	मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार	राज्य स्तर-04 जिला स्तर-02	**राज्य स्तर- 02** महिला व 02 पुरुष **जिला स्तर- 01** महिला व 01 पुरुष	महिला द्वारा स्वयं या अन्य महिला को अथवा किसी पुरुष द्वारा किसी महिला को अपराधिक या असामाजिक तत्वों के विरुद्ध साहस का प्रदर्शन कर बचाने का अवर्णनीय साहसिक कार्य, घटना प्रदेश में 01 जनवरी से 31 दिसंबर 2024 के मध्य घटित हो।	**राज्य स्तर-** राशि रुपये 1 लाख व प्रशस्ति पत्र **जिला स्तर-** राशि रुपये 50 हजार व प्रशस्ति पत्र	05 जनवरी 2025
5.	राष्ट्रमाता पद्मावती पुरस्कार	1	महिला/पुरुष	समाज में महिलाओं के सम्मान के लिए उल्लेखनीय कार्य जिसमें किसी महिला/पुरुष द्वारा अपराधिक अथवा असामाजिक तत्वों या किसी सामाजिक कुप्रथा के विरुद्ध साहस का प्रदर्शन कर महिलाओं के सम्मान हेतु अवर्णनीय कार्य, घटना प्रदेश में 01 जनवरी से 31 दिसम्बर 2024 के मध्य घटित हो।	राशि रुपये 1 लाख व प्रशस्ति पत्र	05 जनवरी 2025
6.	अरुणा शानबाग वीरता पुरस्कार	1	महिला	महिला द्वारा स्वयं पर किसी भी प्रकार की हिंसा का वीरता पूर्वक सामना करते हुए स्वयं के बचाव का अवर्णनीय कार्य, घटना प्रदेश में 01 जनवरी से 31 दिसम्बर 2024 के मध्य घटित हो	राशि रुपये 1 लाख व प्रशस्ति पत्र	05 जनवरी 2025

- आवेदन का प्रारूप विभागीय वेबसाइट **https://mpwcdmis.gov.in/** पर उपलब्ध है। इसे जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय से भी प्राप्त किया जा सकता है।
- आवेदनकर्ता को अपना आवेदन जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास कार्यालय में निर्धारित अंतिम तिथि के पूर्व जमा करना होगा।
- निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर निर्णय नहीं लिया जावेगा।
- आवेदन जिस पुरस्कार के लिये प्रस्तुत किया जा रहा है, उस संबंधित राज्यस्तरीय/जिलास्तरीय पुरस्कार का नाम स्पष्ट रूप से आवेदन पर लिखा जाए।
- पुरस्कारों से संबंधित अधिक जानकारी के लिए कृपया महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाइट देखें अथवा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास कार्यालय में सम्पर्क करें।

आयुक्त

जी-17638/50163/2024 **महिला एवं बाल विकास मध्यप्रदेश**

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता
शासकीय स्वशासी गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर

क्रमांक 32490/स्था/विज्ञप्ति/2024 **दिनांक : 15.10.2024**

विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय भोपाल के ज्ञापन क्रमांक एफ 2-06/2018/1-55 भोपाल दिनांक 07.04.2018 एवं संचालक चिकित्सा शिक्षा म.प्र. भोपाल के पत्र क्रमांक 1134-38/स्था. अराज/2018 भोपाल दिनांक 18.12.2018 मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सीय आदर्श सेवा नियम 2018 के अनुसार गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय एवं जयारोग्य चिकित्सालय समूह में रिक्त चिकित्सीय संवर्ग खण्ड-अ की अनुसूची अनुमोदन पश्चात एवं संचालक चिकित्सा शिक्षा भोपाल के पत्र क्रमांक 432/34/स्था.अराज/2019 भोपाल दिनांक 27.4.2019 द्वारा चिकित्सीय संवर्ग खण्ड-अ की अनुसूची अनुमोदन तथा कार्यकारिणी समिति द्वारा जारी निर्देश पश्चात **सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारी/दंत चिकित्सा अधिकारी/महिला चिकित्सा अधिकारी/आकस्मिक चिकित्सा अधिकारी/निश्चेतना चिकित्सक (बर्न यूनिट)/चिकित्सा अधिकारी (बर्न यूनिट)/शल्य चिकित्सक प्लास्टिक/बर्न/जनरल सर्जन (बर्न यूनिट) चिकित्सा अधिकारी (बर्न यूनिट)** एवं सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, के रिक्त निम्न पदों की पूर्ति सीधी भर्ती की जाना है इस हेतु एन.एस.सी. द्वारा निर्धारित अर्हताकारी योग्य अभ्यार्थियों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन स्वशासी गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर में **दिनांक 11.11.2024** सायंकाल 05.30 बजे तक आमंत्रित किये जाते हैं। उपरोक्त विज्ञापन की समस्त शर्तें आवेदन शुल्क, अर्हतायें, आवेदन का प्रारूप इत्यादि की जानकारी स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर मध्यप्रदेश की वेबसाइट **www.grmcgwalior.org** पर उपलब्ध है।

आवेदन पत्र, डाक द्वारा अथवा व्यक्तिगत रूप से स्वशासी गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर में जमा कराये जा सकते हैं। किसी भी स्थिति में निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

जी-17796/50167/2024 **स्वशासी गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)**

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण परिक्षेत्र
निर्माण भवन, द्वितीय तल प्लाट नं. 27-28 अरेरा हिल्स भोपाल

विशेष अभियान के तहत नि:शक्तजन आरक्षित पदों की पूर्ति भर्ती हेतु विज्ञापन

म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल, के पत्र क्र.-एफ 8-2/2023/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 04.01.2024 के प्रावधान अनुसार विशेष अभियान के तहत नि:शक्त जनों के लिये निम्नानुसार पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। आवेदन पत्र इस पद हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखते हुये दर्शाये गये विहित प्रारूप में विज्ञापन जारी होने की तिथि से **दिनांक 30.10.2024 तक** कार्यालयीन समय 5.30 सायंकाल (अवकाश के दिनों को छोड़कर) कार्यालय मुख्य अभियंता (सेतु परिक्षेत्र) लोक निर्माण विभाग द्वितीय तल, निर्माण भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल पिनकोड नं.-462027 के नाम से प्रेषित करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। डाक से हुए विलंब के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। आवेदन का प्रारूप विभागीय वेबसाइट **mppwd.gov.in** पर उपलब्ध है। रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान, निर्धारित योग्यता एवं वॉक-इन-इंटरव्यू के लिये निर्धारित तिथि की जानकारी निम्नानुसार है।

क्र.	पदनाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	नि:शक्तजन के लिये आरक्षित रिक्तियों व प्रवर्ग एवं श्रेणीवार विवरण					निर्धारित योग्यता	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि
				दृष्टि बाधित और कम दृष्टि हेतु स्वीकृत पद	बहरे और कम सुनने वाले हेतु स्वीकृत पद	लोकोमोटर डिसेबिलिटी, जिसमें सम्मिलित है, सेरेबल, पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, एसिड अटैक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्रफी हेतु स्वीकृत पद	ऑटिज्म, बौद्धिक, दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहू विकलांगता हेतु स्वीकृत पद	योग		
1.	स्टेनो टायपिस्ट	तृतीय श्रेणी	19500-62000 समय-समय पर देय अन्य भत्ता	1	-	-	-	1	1. म.प्र. बोर्ड (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र। 2. मध्यप्रदेश शीघ्रलेखन तथा मुद्रलेखन परीक्षा बोर्ड या मध्यप्रदेश आई.टी.आई. से 80 शब्द प्रतिमिनिट से हिन्दी शीघ्रलेखन परीक्षा पास। 3. निम्नलिखित संस्थाओं में से किसी एक से, एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा/सर्टिफिकेट अनिवार्य किया गया है - – यू.जी.सी. द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय से डिप्लोमा **या** – यू.जी.सी. द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी मुक्त विश्वविद्यालय से डिप्लोमा। **या** – डी.ओ.ई.ए.सी.सी. से डिप्लोमा स्तर की परीक्षा। **या** – शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज से मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट कोर्स **या** – शासकीय आई.टी.आई. द्वारा एक वर्षीय कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (COPA) प्रमाण-पत्र। 4. सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्र.-सी 3-15/2014/1/3 दिनांक 26.04.2015 अनुसार CPCT Score Card न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक के साथ धारित करना अनिवार्य होगा। 5. सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्र.-सी 3-07/2015/1/3 दिनांक 18.08.2015 अनुसार मान्यता प्राप्त संस्थाओं से कम्प्यूटर डिप्लोमा के अलावा निम्न अर्हतायें भी मान्य होंगी। – बी.ई.(सी.एस.ई/आई.टी.)/एम.सी.ए./बी.सी.ए./एम.एस.सी./(आई.टी./सी.एस.)/बी. एस.सी. (आई.टी./सी.एस.)/एम.टेक/एम.ई. इत्यादि। 6. बी.एस.सी./बी.कॉम डिग्रीयां जिनमें केवल कम्प्यूटर के एक विषयक का अध्यापन सम्मिलित है मान्य नहीं होगा।	दिनांक 5.11.2024 को समय 11.00 बजे से साक्षात्कार हेतु अपने मूल दस्तावेज के साथ उपस्थित होंवे
2.	सहायक मानचित्रकार (सिविल)	तृतीय श्रेणी	25300-80500 समय-समय पर देय अन्य भत्ता	-	1	-	-	1	I.T.I. से वस्तुकला में पत्रोपाधि (डिप्लोमा) सिविल में मानचित्र कला या (ड्रॉफ्टमैनशिप) में सर्वेक्षण का प्रमाण-पत्र/सर्वेयर ट्रेड सर्टिफिकेट या व्यावसायिक इंडस्ट्रीयल कौसिल ऑफ वोकेशनल ट्रेनिंग (3 वर्षीय) का शिशुक्षता प्रमाण-पत्र (Apprenticeship सर्टिफिकेट) **या** AutoCAD ज्ञान के साथ कम्प्यूटर साईंस में बी.एस.सी. उपाधि या I.T. एण्ड टी.ओ.-1 स्तर का प्रमाण-पत्र।	दिनांक 5.11.2024 को समय 11.00 बजे से साक्षात्कार हेतु अपने मूल दस्तावेज के साथ उपस्थित होंवे।
3.	अनुरेखक (सिविल)	तृतीय श्रेणी	19500-62000 समय-समय पर देय अन्य भत्ता	-	-	-	1	1	मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल से ड्राइंग विषय के साथ (10+2) शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण या उसके समकक्ष कोई परीक्षा पास का प्रमाण-पत्र या राज्य सरकार द्वारा इससे निमित मान्यता प्राप्त किसी बोर्ड या संस्था का प्रमाण-पत्र या मान्यता प्राप्त किसी अन्य समतुल्य बोर्ड का उच्चतर माध्यमिक (तकनीकी) परीक्षा का प्रमाण-पत्र डी.ओ.ई.ए.सी.सी. या ओ स्तर का प्रमाण-पत्र AutoCAD का प्रमाण-पत्र।	दिनांक 5.11.2024 को समय 11.00 बजे से साक्षात्कार हेतु अपने मूल दस्तावेज के साथ उपस्थित होंवे।
4.	सहायक ग्रेड-3	तृतीय श्रेणी	19500-62000 समय-समय पर देय अन्य भत्ता	-	-	-	2	2	1. म.प्र. बोर्ड (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र। 2. निम्नलिखित संस्थाओं में से किसी एक से, एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा/सर्टिफिकेट अनिवार्य किया गया है - – यू.जी.सी. द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय से डिप्लोमा **या** – यू.जी.सी. द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी मुक्त विश्वविद्यालय से डिप्लोमा। **या** – डी.ओ.ई.ए.सी.सी. से डिप्लोमा। **या** – शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज से मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट कोर्स। **या** – शासकीय आई.टी.आई. द्वारा एक वर्षीय कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (COPA) प्रमाण-पत्र। 3. सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्र.-सी 3-15/2014/1/3 दिनांक 26.04.2015 अनुसार CPCT Score Card न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक के साथ धारित करना अनिवार्य होगा। 4. सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्र.-सी 3-07/2015/1/3 दिनांक 18.08.2015 अनुसार मान्यता प्राप्त संस्थाओं से कम्प्यूटर डिप्लोमा के अलावा निम्न अर्हतायें भी मान्य होंगी। – बी.ई.(सी.एस.ई/आई.टी.)/एम.सी.ए./बी.सी.ए./एम.एस.सी./(आई.टी./सी.एस.)/बी. एस.सी. (आई.टी./सी.एस.)/एम.टेक/ एम.ई. इत्यादि। 6. बी.एस.सी./बी.कॉम डिग्रीयां जिनमें केवल कम्प्यूटर के एक विषयक का अध्यापन सम्मिलित है मान्य नहीं होगा।	दिनांक 6.11.2024 को समय 11.00 बजे से साक्षात्कार हेतु अपने मूल दस्तावेज के साथ उपस्थित होंवे।

अन्य शर्तें :–

1. आवेदक का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। 2. समस्त प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा अथवा स्वयं सत्यापित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 3. आवेदक की आयु न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष, आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार 05 वर्ष की छूट का प्रावधान है। 4. आवेदक का म.प्र. में किसी भी रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है। 5. विभाग में कार्यरत आवेदक कर्मचारी नियोजक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। 6. साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां दिखाना अनिवार्य है। 7. नि:शक्तता का डिजीटल प्रमाण-पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय में मेडिकल बोर्ड के द्वारा जारी किया गया ही मान्य होगा। 8. पिछड़ा वर्ग का डिजीटल जाति प्रमाण-पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया ही मान्य होगा। 9. कोई भी उम्मीदवार जिसने विवाह के लिये निर्धारित की गई न्यूनतम आयु से पूर्व विवाह कर लिया हो, इस पद पर नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा। 10. जिस आवेदक को 02 से अधिक संतान है उनमें से एक का जन्म यदि 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हुआ हो तब ऐसा आवेदक नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा। 11. नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार मुख्य अभियंता (सेतु परिक्षेत्र) लोक निर्माण विभाग भोपाल के पास सुरक्षित होंगे।

मुख्य अभियंता

जी-17664/50165/2024 **लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल**

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1506

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई-मेल : mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन : 0755-2553402, फैक्स : 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सचना

निविदा सूचना क्रमांक - 585/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग भोपाल, दिनांक : 08.10.2024

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर दिनांक 25.10.2024 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1	2024_WRD_365687	कार्यालय मुख्य अभियंता धसान केन कछार, जल संसाधन विभाग एवं संभागीय कार्यालय हेतु कुशल एवं अकुशल कर्मचारियों का प्रदाय।	सागर	9.41
2	2024_WRD_365688	जमुनिया गौड़ जलाशय की बायीं एवं दायीं की तरफ की नहर की सफाई एवं रख-रखाव कार्य।	सागर	1.43
3	2024_WRD_365689	बाविर मटिया शीर्ष कार्य उपसंभाग मालथोन के जलाशयों हेतु चौकीदार का प्रदाय।	सागर	2.98
4	2024_WRD_365690	जल संसाधन उपसंभाग देवरी के जलाशयों हेतु चौकीदार का प्रदाय।	सागर	3.87
5	2024_WRD_365691	जल संसाधन उपसंभाग क्र. 3 गढ़ाकोटा के जलाशयों हेतु चौकीदार का प्रदाय।	सागर	2.58
6	2024_WRD_365692	जल संसाधन उपसंभाग क्र.2 सागर के जलाशयों हेतु चौकीदार का प्रदाय।	सागर	5.81
7	2024_WRD_365693	जल संसाधन उपसंभाग क्र. 1 सागर के जलाशयों हेतु चौकीदार का प्रदाय।	सागर	2.78
8	2024_WRD_367446	कुण्डलिया बांध वृहद परियोजना के डीवाटरिंग एवं विद्युत कार्य हेतु कुशल, अर्धकुशल एवं अकुशल श्रमिक का प्रदाय।	भोपाल	1.77
9	2024_WRD_367448	पार्वती परियोजना बांकपुरा से झड़किया मार्ग (ग्राम- प्रतापपुरा) पर 11 के.वी. लाईन की हाईट बढ़ाने का कार्य।	भोपाल	2.21
10	2024_WRD_368008	रायगढ़ उपनहर की सतह की मिट्टी सफाई का कार्य।	नर्मदापुरम	4.95
11	2024_WRD_368009	रायगढ़ उपनहर की चैन क्र. 00 से 875 तक सी.सी. लाईनिंग मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	8.49
12	2024_WRD_371285	बसाढ़ व्यपवर्तन योजना के 04 नग जलद्वारों के होइस्ट असेम्बली, जलद्वार एवं अन्य सम्बद्ध संयंत्रों के मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	रीवा	1.78
13	2024_WRD_371774	ऊचाँखेड़ा तालाब की अपस्ट्रीम में स्लूस तक एप्रोच पाईप (एन. पी. - 3) लाईन बिछाने एवं रिटेनिंग वॉल का निर्माण कार्य।	रायसेन	5.78
14	2024_WRD_372032	इमलिया (बघौरा) की शक्कर नदी के दायें तट संरक्षण का सर्वे कार्य।	जबलपुर	1.03
15	2024_WRD_372673	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 12, 02, 55, जे.सी.बी. 19, 18 के सुधार हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	बालाघाट	2.48
16	2024_WRD_372681	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 57 एवं जे.सी.बी. 20 के सुधार हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	बालाघाट	1.53
17	2024_WRD_372687	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 61, 08,83 के सुधार हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	बालाघाट	1.53
18	2024_WRD_372707	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 01, 17 के सुधार हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	बालाघाट	1.65
19	2024_WRD_372719	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 18, 30 के सुधार हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	बालाघाट	1.67
20	2024_WRD_372724	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 85, 86 के सुधार हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	बालाघाट	1.71
21	2024_WRD_372730	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 12, 02, 55 जे.सी.बी. 19, 18 के सुधार कार्य।	बालाघाट	1.58
22	2024_WRD_372739	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 57, जे.सी.बी. 20 के सुधार कार्य।	बालाघाट	1.18
23	2024_WRD_372750	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 61, 83, 08 के सुधार कार्य।	बालाघाट	1.19
24	2024_WRD_372756	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 01, 17 के सुधार कार्य।	बालाघाट	1.69
25	2024_WRD_372758	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 18, 30 के सुधार कार्य।	बालाघाट	1.45
26	2024_WRD_372759	डी 50 ए 15 काम्पेक्शन मशीन क्र. 85, 86 के सुधार कार्य।	बालाघाट	1.21
27	2024_WRD_372776	वि/यां आर.डब्ल्यू.एस. उपसंभाग, बालाघाट हेतु किराये पर लेना।	बालाघाट	3.35
28	2024_WRD_372925	बरका जलाशय में ट्रैश रैक के निर्माण एवं स्थापना का कार्य।	रीवा	0.43
29	2024_WRD_373004	राजीव सागर परियोजना की बायीं तट मुख्य नहर के चैन क्र. 1640 सुकड़ीघाट, 1756 येरवाघाट 1760 सालेबर्डी एवं 1991 चिखलाबांध, चैन क्र. 2150 दायीं एवं बायें बैंक खड़गपुर में होल के मरम्मत कार्य।	बालाघाट	3.47
30	2024_WRD_373005	राजीव सागर परियोजना बांयी तट मुख्य नहर के चैन क्र. 564 पर निर्मित सायफन एक्वाडक्ट के सी.सी. रोड का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	2.12
31	2024_WRD_373007	राजीव सागर परियोजना बांयी तट मुख्य नहर के चैन क्र. 1746 से चैन 1752 के मध्य बैंक रेजिंग एवं बैंक मरम्मत कार्य।	बालाघाट	1.93
32	2024_WRD_373008	राजीव सागर परियोजना बांयी तट मुख्य नहर के चैन क्र. 1627 से चैन 1632 के मध्य बैंक रेजिंग एवं बैंक मरम्मत कार्य।	बालाघाट	3.23
33	2024_WRD_373009	राजीव सागर परियोजना बांध के स्पीलवे की आर.डी. 3630 मी. से 3659 मी. एवं आर.डी. 3892.50 मी. से आर.डी. 3892.50 के मध्य सीमेन्ट क्रांक्रीट मरम्मत कार्य।	बालाघाट	4.95
34	2024_WRD_373009	राजीव सागर परियोजना बांध के स्पीलवे की आर.डी. 3630 मी. से 3659 मी. एवं आर.डी. 3892.50 मी. से आर.डी. 3892.50 के मध्य सीमेन्ट क्रांक्रीट मरम्मत कार्य।	बालाघाट	4.95
35	2024_WRD_373010	राजीव सागर परियोजना की बायीं तट मुख्य नहर के चैन क्र. 1730 से 1740 के मध्य नहर बैंक रेजिंग एवं मरम्मत कार्य।	बालाघाट	4.73
36	2024_WRD_373011	राजीव सागर परियोजना बायी तट मुख्य नहर के चैन क्र. 65.70 डी. आर.बी. के दोनों ओर सीमेन्ट क्रांक्रीट का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	4.98
37	2024_WRD_373012	राजीव सागर परियोजना बांयी तट मुख्य नहर के चैन क्र. 2086, 2140, 2159, 2258 खड़गपुर चैन क्र. 2337 पौनेरा चैन क्र. 2260, 2358, 2352, बांसी चैन क्र. 2400 बकेरा में होल मरम्मत कार्य।	बालाघाट	5.68
38	2024_WRD_373013	राजीव सागर परियोजना बांध के रखरखाव के लिए बांध के डाउन स्ट्रीम में घास, झाड़ियों मलबे को हटाने का कार्य।	बालाघाट	4.90
39	2024_WRD_373227	वि/यां. भारी मशीनरी उपसंभाग श्योपुर के धोटी सी. आर.एम.सी., एच.आर./सी.आर. गेटों का मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	3.09
40	2024_WRD_373228	पिलुआ बांध में पोल के साथ रोशनी उपलब्ध कराना और ठीक करने का कार्य।	ग्वालियर	1.82
41	2024_WRD_373229	कोतवाल बांध में पोल के साथ रोशनी उपलब्ध कराना और ठीक करने का कार्य।	ग्वालियर	1.82
42	2024_WRD_373230	कोतवाल बांध के गैलरी में रोशनी उपलब्ध कराना और ठीक करने का कार्य।	ग्वालियर	1.55
43	2024_WRD_373231	केलारस एल.एम.सी. गेटों का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	ग्वालियर	2.21
44	2024_WRD_373252	मिसरोद वितरणी पर सी.आर. की निगरानी, देखरेख एवं गश्त हेतु मजदूरों का प्रदाय।	नर्मदापुरम्	2.11
45	2024_WRD_373253	मकड़ाई वितरणी पर सी.आर. की निगरानी, देखरेख एवं गश्त हेतु मजदूरों का प्रदाय।	नर्मदापुरम्	1.99
46	2024_WRD_373254	भिलाड़िया एवं रायगढ़ वितरणी पर मुख्य नहर, उपनहर, एवं माईनर की निगरानी, देखरेख एवं गश्त हेतु मजदूरों का प्रदाय।	नर्मदापुरम्	2.82
47	2024_WRD_373746	लाईट मशीनरी एवं वि./यॉ उपसंभाग खण्डवा हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	धार	3.42
48	2024_WRD_373756	गुनघाटी जलाशय की नहर का मरम्मत कार्य।	बैतूल	4.87
49	2024_WRD_373759	मारू जलाशय की नहर का मरम्मत कार्य।	बैतूल	4.99
50	2024_WRD_373762	पाथाखेड़ा जलाशय की मुख्य नहर आर.बी.सी. 120 मी. पर सायफन का मरम्मत कार्य।	बैतूल	2.52
51	2024_WRD_373765	गौण्डीगोला, कोसमी एवं नागझिरी जलाशय का मरम्मत कार्य।	बैतूल	4.30
52	2024_WRD_373770	चकरपुर मध्यम सिंचाई परियोजना की समर्पित 11 के.व्ही. विद्युत लाईन पर कवर्ड कन्डक्टर के प्रदाय सहित स्थापना एवं अन्य कार्य।	सागर	5.78
53	2024_WRD_373771	पवई मध्यम सिंचाई परियोजना के समर्पित 11/0.433 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र पर विद्युत अवयवों के प्रदाय सहित स्थापना एवं अन्य कार्य।	सागर	2.54
54	2024_WRD_373772	संचालक बीना परियोजना, जल संसाधन विभाग सागर के कार्यालयीन छत पर 12 के. व्ही. आन ग्रिड सोलर पावर प्लान्ट व आवश्यक सामग्री के प्रदाय सहित स्थापना कार्य।	सागर	5.06
55	2024_WRD_373774	रनगुवां सिंचाई परियोजना की नहर पर स्थापित 2 नग गेटों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	सागर	0.80
56	2024_WRD_373775	बरियारपुर बांयी नहर सिंचाई परियोजना पर स्थापित 15 नग केनाल गेटों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	सागर	0.83
57	2024_WRD_373777	उर्मिल दायीं नहर सिंचाई परियोजना पर स्थापित 20 नग केनाल गेटों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	सागर	0.82
58	2024_WRD_373778	बीला मध्यम सिंचाई परियोजना के फीडर एवं केनाल के 08 नग गेटों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	सागर	2.87
59	2024_WRD_373779	विभिन्न लघु सिंचाई जलाशयों व नहरों के 14 नग गेटों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	सागर	4.17
60	2024_WRD_373951	पगारा बैराज के 20 नग जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	16.35
61	2024_WRD_373952	विभिन्न जल संसाधन संभागों के जलद्वारों हेतु डब्ल्यू.डब्ल्यू. 90 हेड स्टॉक (63 एमएम डाया नट) का प्रदाय एवं असेम्बली का कार्य।	भोपाल	11.15
62	2024_WRD_373953	जलद्वारों के निर्माण हेतु एम.एस. राउण्ड बार 63 एम के स्केयर श्रेडिंग का कार्य	भोपाल	1.76
63	2024_WRD_373955	बत्तीसडी स्टॉक डेम के 10 नग जलद्वार साईज का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	3.11
64	2024_WRD_373958	देवरी बैराज के जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	14.28
65	2024_WRD_373960	ढंढेरी स्टॉप डेम के 20 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	5.43

कुल योग 230.93

जी-17499/50162/2024

मुख्य अभियंता प्रोक्योरमेंट

कलानिकेतन पॉलिटेक्निक कॉलेज
जबलपुर

फोन :0761-26222952, वेबसाइट : www.knpolyjbp.ac.in

SNO/KNPC/2024/ जबलपुर, दिनांक : 07.10.2024

निविदा आमंत्रण

कलानिकेतन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जबलपुर द्वारा नीचे उल्लिखित विवरण के अनुसार Smart Video Conferencing System, हेतु ऑनलाइन निविदा Bid No. GEM/2024/B/5461459 आमंत्रित की गई है। विस्तृत जानकारी **https://gem.gov.in** एवं संस्था की वेबसाइट **www.knpolyjbp.ac.in** पर देखी जा सकती है।

1.	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	31.10.2024	17.00 बजे
2.	निविदा खोले जाने की तिथि	04.11.2024	13.00 बजे

नोट :- 1. यदि निविदा आमंत्रण की प्रक्रिया, अंतिम तिथि, समय अथवा शर्तों आदि में कोई संशोधन होता है तो वह उपरोक्त WebPortal पर प्रदर्शित होगा।

2. अन्य आवश्यक जानकारी कार्यालयीन समय पर कार्य दिवसों में महाविद्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

प्राचार्य
कलानिकेतन पॉलीटेक्निक
महाविद्यालय, जबलपुर

जी-17578/50161/2024

गरीबों और वंचितों की सेवा करने का सुअवसर है लोक सेवा - राज्यपाल

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय एकेडमी भोपाल में प्रशिक्षणाधीन राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर्स को संबोधित किया। राज्यपाल ने कहा कि लोक सेवा पात्र, जरूरतमंदों और गरीबों की सेवा करने का सुअवसर है। उन्होंने डिप्टी कलेक्टरों से कहा कि 'लोक सेवा' शब्द का अर्थ गहराई से समझें। जनता की सेवा के भाव को अपने मन में सदैव सबसे ऊपर रखें। सेवाकाल में ईमानदारी और निष्ठा से काम करने में ही जीवन की सार्थकता है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के गरीब कल्याण कार्यक्रमों को सफल बनाना लोक सेवकों की जिम्मेदारी है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराना उनका मूल कर्तव्य है। अपने सेवाकाल में हमेशा बड़े-बुजुर्गों, दिव्यांगों और वंचितों के प्रति सम्मान और आदर का भाव रखें। राज्यपाल ने कहा कि राज्य की सेवा करने के लिए प्रशासनिक तंत्र का अंग बनने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। प्रशिक्षु अधिकारी प्रशिक्षण से जुड़ी बातें, नियमों और अधिनियमों को बारीकी से सीखें। प्रदेश की सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक, चुनौतियों के अनुरूप समाधान का दृष्टिकोण अपनाएं। उन्होंने प्रशासनिक अकादमी भोपाल द्वारा अधिकारियों को स्वच्छ और संवेदनशील लोक-सेवक बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की सराहना की।

प्रदेश को रोज़गारपरक बनाने के साथ विकास के हर आयाम को तय कर रही है सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन के कार्तिक मेला ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

उज्जैन, राज्य सरकार प्रदेश को रोज़गारपरक प्रदेश बनाने के साथ ही विकास के हर आयाम को तय कर रही है। प्रदेश की भौतिक सम्पदाओं का सदुपयोग कर आर्थिक रूप से सम्पन्न मध्यप्रदेश बनायेंगे। उज्जैन में 350 करोड़ रुपये की लागत से प्रतिभा स्वराज इकाई का शुभारम्भ किया गया है, जिससे 5 हजार से अधिक लोगों को रोज़गार मिलेगा। उज्जैन के बेस्ट इंटरप्राइजेस और प्रतिभा स्वराज की इकाइयों से लगभग 10 हजार लोगों को रोज़गार उपलब्ध होंगे। इसी प्रकार उज्जैन में अन्य औद्योगिक इकाई के माध्यम से 50 हजार बेरोज़गार लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोज़गार प्राप्त होगा। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के कार्तिक मेला ग्राउण्ड में दशहरा मिलन उत्सव एवं सड़क परियोजनाओं के भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहीं।

- **कार्यक्रम में 658 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।**
- **उज्जैन में 3.50 करोड़ रुपये की लागत से प्रतिभा स्वराज इकाई शुरू।**
- **शहडोल और नर्मदापुरम संभाग में आयोजित होगी इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म की सभी संन्यासी परम्पराओं के सभी वैष्णव और शैव संत 12 साल में सिंहस्थ में आते हैं और भविष्य में सनातन धर्म की दिशा, आचरण, स्वरूप तय करते हैं। मानवता की स्थापना के लिये सर्वोच्च सिंहस्थ मेला आयोजित किया जायेगा। सिंहस्थ के माध्यम से भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा। इसकी समुचित तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के मामले में मध्यप्रदेश को देश का नम्बर वन राज्य बनायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत शक्ति-सम्पन्न एवं सामर्थ्यशाली देश बनने के साथ ही विकास में सर्वोच्च स्थान भी हासिल कर रहा है। हमारी सनातन परम्परा में देवी-देवताओं और ऋषि-मुनियों ने शास्त्र एवं शस्त्र के साथ दुनिया का मार्ग प्रशस्त किया है।

ग्लोबल स्किल्स पार्क में एक वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित

भोपाल, संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क ने 2024 सत्र के लिए एक वर्षीय एडवांस्ड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों में नामांकन प्रारंभ हो गए हैं। सीमित सीटों के साथ 'पहले आओ पहले पाओ' की नीति पर चल रही इस प्रक्रिया की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2024 है। छात्रों के लिए यह एक बेहतरीन अवसर है, जहां वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोज़गार के लिए कौशल प्राप्त कर सकते हैं। इस संस्थान से शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों का प्लेसमेंट 98 प्रतिशत है।

ग्लोबल स्किल पार्क में एडवांस्ड ऑटोमोटिव, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, मेकाट्रॉनिक्स, और प्रिसीजन इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विश्वस्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है। छात्रों को ठहरने की निःशुल्क सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे उनकी शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा न आए। इसके अलावा, एडवांस्ड नेटवर्किंग और सिस्टम्स एडमिनिस्ट्रेशन और एयर-कंडीशनिंग तथा रेफ्रिजरेशन जैसे क्षेत्रों में भी विशेषज्ञ प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

ग्लोबल स्किल्स पार्क के पूर्व छात्रों के शानदार रिकॉर्ड ने इसे एक अग्रणी संस्थान बना दिया है।

संजीवनी क्लीनिक से घर के नजदीक मिलेगा निःशुल्क इलाज

ग्वालियर, काशी नरेश की गली किला गेट में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत निर्मित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संजीवनी क्लीनिक के माध्यम से सब को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार हर व्यक्ति को उसके घर के नजदीक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिये कटिबद्ध है। इसी उद्देश्य से संजीवनी क्लीनिक खोले जा रहे हैं।

श्री तोमर ने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद को घर के नजदीक ही निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ मिले, इसी धारणा से सरकार काम कर रही है।

मध्यप्रदेश बनेगा कैपिटल ऑफ माइंस

भोपाल, मध्यप्रदेश में प्रचुर संसाधन, अनुकूल नीतियों और मजबूत बुनियादी ढाँचे के साथ खनन उद्योग में निवेश और विकास की असीमित संभावनाएं हैं, जो देश की खनिज संपदा में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मध्यप्रदेश भारत का एकमात्र हीरा उत्पादक राज्य है और कई अन्य खनिजों के उत्पादन में भी अग्रणी है। प्रदेश मैगनीज, कॉपर एवं अयस्क उत्पादन में देश में पहले स्थान पर, जबकि रॉक फॉस्फेट में दूसरे, चूना पत्थर में तीसरे और कोयला उत्पादन में चौथे स्थान पर है।

मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में देश का एकमात्र हीरे का भण्डार है। यहां की मझगांन हीरा खदान का संचालन भी शुरू हो गया है। हीरा खदान से प्रतिवर्ष एक लाख कैरेट हीरे का उत्पादन होता है। साथ ही बुंदर हीरा ब्लॉक में 32.2 मिलियन कैरेट हीरे का भण्डार है। प्रदेश में मलाजखण्ड कॉपर खदान भारत की सबसे बड़ी तांबा खदान है। यहां से प्रतिदिन 5 से 10 हजार टन तांबा निकाला जाता है। भारत के कुल तांबा भण्डार का 70 प्रतिशत तांबा मध्यप्रदेश में है। इसी प्रकार राज्य में स्थित सासन कोयला खदान भी अपने विशाल खनन उपकरणों के लिये प्रसिद्ध है। यहां पर चलने वाली ड्रेग लाइन का उपयोग होता है, जिसकी बाल्टी 61 घनमीटर की है, जो भारत में अब तक सबसे बड़ी है। यह देश का सबसे बड़ा निजी कोयला उत्पादक ब्लॉक है, जो मध्यप्रदेश को खनन क्षेत्र में एक मजबूत पहचान दिलाता है।

- **मध्यप्रदेश खनिज ब्लॉक नीलामी में देश में अग्रणी राज्य।**
- **प्रदेश द्वारा 78 खनिज ब्लॉक किए गये हैं नीलाम।**
- **प्रदेश को मुख्य और गौण खनिज नीलामी के लिए मिला है प्रथम पुरस्कार।**

मध्यप्रदेश में चूना पत्थर का 9 प्रतिशत भण्डार होने के बावजूद चूना पत्थर उत्पादन में देश में 15 प्रतिशत का योगदान देता है। यहां के प्रचुर मात्रा में कोयले एवं आवश्यक संसाधनों के कारण राज्य भारत की सीमेंट उत्पादन क्षमता का 7 प्रतिशत हिस्सा रखता है, जिसमें हर साल बढ़ोत्तरी हो रही है।

प्रदेश में कोलबेड मिथेन (सीबीएम) के बड़े भण्डार हैं। देश में यह संसाधन में छठवें स्थान पर है, लेकिन उत्पादन में यह दूसरे स्थान पर है।

छात्रवृत्ति के लिए केन्द्र की राशि का अंश शीघ्र मिलेगा

भोपाल, राज्य के पिछड़ा वर्ग के छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति एवं छात्रावास के केन्द्र के अंश की राशि शीघ्र मिलेगी। यह जानकारी मंत्रालय में अपर मुख्य सचिव, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु जनजाति कल्याण श्री अजीत केशरी और केन्द्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में अतिरिक्त सचिव श्रीमती कैरलिन खोंगवार देशमुख के साथ विगत दिवस हुई बैठक में दी गई। बैठक में पिछड़ा वर्ग, विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु जनजाति कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं पर भी चर्चा हुई। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री केसरी ने छात्रवृत्ति एवं छात्रावास के लिए मिलने वाली केन्द्रांश की राशि को शीघ्र जारी करने की बात कही।

बालाघाट में होगा हवाई-पट्टी का निर्माण

बालाघाट, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने बालाघाट जिले में आयोजित एक बैठक में कहा है कान्हा नेशनल पार्क में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से बालाघाट में हवाई-पट्टी का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गंभीर मरीजों के इलाज के लिये एयर लिफ्टिंग की योजना बनाई है। इस वजह से ही यहां हवाई-पट्टी निर्माण आवश्यक हो गया है।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने बालाघाट में समीक्षा बैठक को संबोधित किया

सड़कों के दुरुस्तीकरण के लिये कार्य-योजना बनायें

श्री सिंह ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे जिले की सम्पूर्ण सड़कों के दुरुस्तीकरण की कार्य-योजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि नवम्बर माह से जिले में सड़कों की मरम्मत का कार्य युद्ध-स्तर पर किया जायेगा। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिये कहा।

शाला भवनों की स्थिति की भी रिपोर्ट तैयार करें

श्री सिंह ने समीक्षा बैठक में स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों को जिले में शाला भवनों की स्थिति की रिपोर्ट तैयार करने के लिये कहा। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के साथ शाला भवनों के निर्माण और मरम्मत का कार्य किया जाये। उन्होंने शालाओं में अतिशेष शिक्षकों की स्थिति की भी जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने जिले में संचालित बस व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बसों के व्यवस्थित संचालन की निगरानी के लिये जल्द नया सिस्टम लागू किया जायेगा। इस सिस्टम से बसों के यात्री किराये पर भी निगरानी रखी जायेगी।

बीएचईएल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का संचालन करेगा खेल विभाग

भोपाल, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गत दिनों बीएचईएल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। श्री सारंग ने कहा कि बीएचईएल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का संचालन खेल विभाग के माध्यम से हो, इसकी प्राथमिक रूपरेखा तैयार की गई है। इसके लिये केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्रालय को प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिये गये हैं।

श्री सारंग ने कहा कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में क्रिकेट, गोल्फ, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, टेनिस, टेबल टेनिस, हॉकी, एथलेटिक्स, कबड्डी सहित लगभग सभी खेल सुविधाएं हैं। कॉम्प्लेक्स और खेल सुविधाओं के उन्नयन से इसको और बेहतर बनाया जायेगा। यह शहर के बीचों बीच मध्यप्रदेश सहित भोपाल के रहवासियों और खेल प्रेमियों के लिये बड़ी सौगात होगी। इससे बीएचईएल टॉउनशिप के लोगों को तो फायदा मिलेगा ही साथ ही भोपाल के नागरिकों को भी इसका लाभ मिलेगा। श्री सारंग ने कहा कि क्रिकेट स्टेडियम का उन्नयन बीएचईएल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा, तो क्रिकेट प्रतिभाओं को इसका लाभ मिलेगा। क्रिकेट के लिये मैदान के मापदण्ड पूरे हैं, बाकी स्टैण्ड आदि सुविधाओं का विस्तार करने के लिये फण्ड की व्यवस्था की जायेगी।

श्री सारंग ने कहा कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का संचालन बीएचईएल के साथ खेल विभाग मिलकर करेगा। इससे कम खर्च में उन्नयन होगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सूरत में आयोजित जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन कार्यक्रम में शामिल हुए

देश की प्रमुख नदियों का मायका है मध्यप्रदेश - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- मध्यप्रदेश दो नदी जोड़ो परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाला पहला राज्य।
- मध्यप्रदेश में 10 हजार से अधिक पोखर, तालाब, कुएं और बावड़ी का हुआ जीर्णोद्धार।

सूरत, यह हमारा सौभाग्य है कि देश की प्रमुख नदियों का मध्यप्रदेश मायका है। मध्यप्रदेश की नर्मदा और ताप्ती नदी अपने मायके अर्थात मध्यप्रदेश को तो आनंदित और प्रफुल्लित करती ही हैं, साथ ही वह गुजरात को भी धन-धान्य से परिपूर्ण कर रही हैं। सोन नदी का उद्गम मध्यप्रदेश के अमरकंटक से है, जो बिहार में गंगा जी से मिलती हैं और गंगा जी की धारा को समृद्ध करती है। मध्यप्रदेश से निकलने वाली चंबल नदी राजस्थान को जीवन प्रदान करती है यह नदियां मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी हैं। सूरत से आरंभ हुआ यह अभियान जीवन देने का अभियान है। जल संचय-जन भागीदारी कार्यक्रम के उद्देश्य की प्राप्ति के लिए मध्यप्रदेश कदम से कदम मिलाकर चलने को तत्पर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों के परस्पर संबंधों की सौहार्द्रता और नर्मदा जल की एक-एक बूंद का उपयोग सुनिश्चित करते हुए नर्मदा नदी का जल राजस्थान को भी उपलब्ध करने का मार्ग प्रशस्त किया है। पानी के लिए गुजरात में समस्या रहती है और उनकी सहायता करना हम सबका कर्तव्य है। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत चल रहे 'कैच द रेन' अभियान के तहत गुजरात के सूरत में 'जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्षा जल संचयन को बढ़ाने और दीर्घकालिक जल स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन कार्यक्रम की पहल की थी। जल संरक्षण और जल संग्रहण को बढ़ावा देने की सकारात्मक पहल के तहत सूरत में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र भाई पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, वरिष्ठ जन-प्रतिनिधि, केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय तथा राज्यों के अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को 'जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन कार्यक्रम' का संकल्प पत्र भी भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री ने भारतीय सांस्कृतिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए कहा कि महादेव ने गंगा को जटाओं में धारण कर और भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत धारण कर जल संरक्षण के महत्व को दर्शाया।

युवाओं को रोज़गार से जोड़ने के लिए चलाया जायेगा स्किल प्रोग्राम

इंदौर, युवाओं को रोज़गार से जोड़ने के लिये लोकमाता देवी अहिल्याबाई के नाम से स्किल प्रोग्राम चलाया जायेगा। साथ ही इंदौर के फर्स्ट बटालियन का नामकरण देवी अहिल्याबाई के नाम से होगा। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने एक हाथ में शस्त्र और दूसरे हाथ में शास्त्र लेकर नारी सशक्तिकरण, सुशासन, धर्म के प्रसार एवं सेवा के प्रकल्पों का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्हीं की प्रेरणा से पूरे प्रदेश में शस्त्र पूजन के कार्यक्रम पूरे प्रदेश में व्यापक जन-सहभागिता के साथ आयोजित किये गये। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई के 300वें जन्म जयंती वर्ष और विजयादशमी के पावन पर्व पर इंदौर में शस्त्र-पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में यह पहली बार हो रहा है जब विजयादशमी के अवसर पर पुलिस द्वारा आयोजित किए जाने वाले शस्त्र-पूजन कार्यक्रम को नई सोच, नये संकल्प के साथ पूरे प्रदेश के हर जिले में भव्य एवं व्यापक स्तर पर बड़ी जन-सहभागिता से उमंग और उल्लास से मनाया गया। यह कार्यक्रम इस वर्ष लोकमाता देवी अहिल्याबाई के 300वें जन्मजयंती वर्ष को समर्पित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रदेश में हर पर्व और त्योहार अपार उत्साह और उल्लास के साथ व्यापक स्तर पर मनाएं जायेंगे। उन्होंने कहा कि पर्व और त्योहारों के आयोजन के संबंध में आमजनों को इनका महत्व बताते हुए जागरूक करने की जरूरत है।

श्रमिक एवं उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं, दोनों के हित साझा हैं

भोपाल, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में श्रम विभाग के तीनों मंडलों के संचालक मंडल की बैठक हुई। बैठक में श्री पटेल ने कहा कि श्रमिक एवं उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों के हित साझा हैं। उन्होंने कहा कि तीनों मण्डल प्रदेश के संगठित और असंगठित वर्ग के लाखों मजदूरों एवं उनके परिवार के कल्याण के लिये कई योजनाओं का संचालन कर रहे हैं।

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार ने ऐसी नीतियां बनाई हैं जिससे गरीब मजदूरों को आर्थिक मदद एवं सामाजिक सुरक्षा मिल सके। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिक एवं उनके परिजन विकास की मुख्य धारा से जुड़कर देश और प्रदेश के विकास में सहभागी बनते हैं। श्री पटेल ने कहा कि तीनों मण्डल इस बात को सुनिश्चित करें कि कोई श्रमिक सरकार की योजनाओं से वंचित न रहे।

श्रम कल्याण मंडल की बैठक में संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिये संचालित अंतिम संस्कार सहायता एवं अनुग्रह सहायता योजना का लाभ पात्र श्रमिक के परिवारजनों को भी दिये जाने का निर्णय लिया गया। परिवार के सदस्यों में पति-पत्नी और बच्चों के अलावा माता-पिता को भी शामिल करने का मण्डल के सभी सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार श्रम कल्याण मंडल के अंतर्गत आने वाले दिव्यांग श्रमिकों को ई-ट्राइसाइकिल दिये जाने जाने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री को गौरांशी शर्मा ने भेंट की पेंटिंग

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को यूनिसेफ इंडिया यूथ कंटेंट क्रिएटर गौरांशी शर्मा ने निवास कार्यालय में स्वयं के द्वारा बनाई हुई पेंटिंग भेंट की। यह पेंटिंग मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किशोरी बालिकाओं में माहवारी स्वास्थ्य तथा स्वच्छता प्रबंधन के लिए की जा रही पहल पर केंद्रित है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेनिटेशन हाईजीन अन्तर्गत माहवारी प्रबंधन में सुविधा एवं सहायता के लिए हाल ही में प्रदेश की 19 लाख स्कूली छात्राओं के खातों में 57 करोड़ 58 लाख रुपये अंतरित किए थे।

उद्योग तथा निवेश के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की नई पहचान

- इस औद्योगिक इकाई में वृहद स्तर पर गारमेंट निर्माण किया जाएगा।
- इस इकाई में हजारों लोगों को रोज़गार मिलेगा, इनमें 70 प्रतिशत कर्मचारी महिलाएं होंगी।

उज्जैन, मध्यप्रदेश उद्योग तथा निवेश के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित कर रहा है। इस दिशा में लगातार भ्रमण तथा उद्योगपतियों से संवाद के प्रतिफल में एक समृद्ध औद्योगिक परिवेश प्रदेश में नजर आ रहा है। निनोरा में स्थापित नवीन औद्योगिक इकाई उक्त प्रयासों की ही एक कड़ी है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के समीप ग्राम निनोरा में 355 करोड़ रुपये निवेश वाली प्रतिभा स्वराज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की गारमेंट इकाई का शुभारंभ करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निनोरा में प्रतिभा स्वराज द्वारा स्थापित नवीन औद्योगिक इकाई से जहां हजारों लोगों को रोज़गार मिलेगा, वहीं आसपास की खेती समृद्ध होगी। किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। निनोरा में स्थापित औद्योगिक इकाई के प्रथम चरण में लगभग 100 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग समूह द्वारा लगभग डेढ़ लाख एकड़ में की जाने वाली जैविक खेती की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की नवीन सकारात्मक औद्योगिक नीति का जिक्र करते हुए कहा कि प्रत्येक संभाग में शासन द्वारा इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेती तथा पशुपालन में उत्पादन और आय को दोगुना करने का प्रयास किया जा रहा है। अभी प्रदेश में देश के कुल दुग्ध उत्पादन का 9 प्रतिशत हिस्सा है, जिसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डॉ. अंबेडकर की विरासत समाज को करती है प्रेरित

भोपाल, डॉ. भीमराव अंबेडकर के भारतीय समाज में समानता, न्याय और सामाजिक समरसता के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। डॉ. अंबेडकर द्वारा स्थापित किये गये सिद्धांत विशेष रूप से वंचित वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा, हमारे समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह बात उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने ऑल इण्डिया एससी-एसटी रेलवे कर्मचारी संघ के अधिवेशन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि रेलवे में कार्य करने वाले इन वर्गों के कर्मचारियों को डॉ. अंबेडकर के विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिये।

मध्यप्रदेश में हो रही पेपरलेस बूथ की संकल्पना साकार

भोपाल, आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग श्री बसंत प्रताप सिंह के कुशल निर्देशन में मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पेपरलेस मतदान प्रक्रिया की ओर बढ़ाए गये कदम में एक और पड़ाव जुड़ गया है। 15 अक्टूबर, 2024 को रीवा जिले के त्यौंथर तहसील की ग्राम पंचायत अतरैला-11 में सरपंच पद के लिये चुनाव सभी तीनों मतदान केन्द्रों पर पेपरलेस प्रक्रिया, 'पोलिंग बूथ मैनेजमेन्ट सिस्टम' के माध्यम से किया गया है। उल्लेखनीय है कि भोपाल जिले के बैरसिया विकासखंड की ग्राम पंचायत रतुआ रतनपुर में सरपंच पद के लिये हुए मतदान में मतदान केन्द्र-295 में पायलट प्रोजेक्ट में पेपरलेस प्रक्रिया की शुरुआत की गयी थी। यह प्रयोग देश में पहली बार मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा किया जा रहा है। इस तरह से मध्यप्रदेश में पेपरलेस बूथ की संकल्पना साकार हो रही है।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने बताया है कि इस प्रक्रिया में मतदाताओं की पहचान और उनके द्वारा मत देने के रिकार्ड के रूप में हस्ताक्षर और अंगूठा लगाने को इलेक्ट्रॉनिकली किया गया। इस प्रक्रिया में मुख्यतः मतदान केन्द्र पर पीठासीन अधिकारी द्वारा भरे जाने वाले समस्त प्रपत्रों को ऑनलाइन कर रिटर्निंग अधिकारी को सबमिट करने की व्यवस्था विकसित की गयी है। इस प्रक्रिया में मतदान का प्रतिशत और मत-पत्र लेखा ऑनलाइन किया गया है।

जनहित के कार्य धरातल पर हो क्रियान्वित

भोपाल, जनता के हित में किये जाने वाले कार्य धरातल पर दिखने चाहिये। मध्यप्रदेश वेयर-हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के संचालक-मण्डल की बैठक में लिये जाने वाले निर्णयों का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह निर्देश संचालक-मण्डल की बैठक में दिये।

श्री राजपूत ने कहा कि शासकीय गोदामों एवं उनमें रखे अनाज का बीमा इस तरह से करवायें कि किसी भी प्रकार के नुकसान पर अधिकतम भरपाई हो सके। बैठक में वेयर-हाउसिंग के स्टॉफ के लिये वर्ष 2024 की स्थानांतरण नीति का अनुमोदन किया गया। श्री राजपूत ने कहा कि वर्षों से एक ही जिले में पदस्थ अधिकारियों को स्थानांतरित किया जाये। गृह जिले में

खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत विभागीय समीक्षा करते हुए

किसी अधिकारी की पद-स्थापना नहीं करें। कर्मचारियों के स्थानांतरण उस समय करें, जब उनके बच्चों के स्कूल एडमिशन में समस्याएं नहीं हों।

रबी विपणन वर्ष 2024-25 में उपार्जित अनाज के भण्डारण में सक्रिय सहभागिता पर एक माह के मूल वेतन के बराबर प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। इससे लगभग एक हजार अधिकारी-कर्मचारी लाभान्वित होंगे। भविष्य में प्रोडक्टिविटी बेसिस पर प्रोत्साहन राशि स्वीकृत करने के संबंध में भी चर्चा हुई। दिव्यांगजनों के बैकलॉग सहित रिक्त पदों की पूर्ति के समय दिव्यांगता प्रमाण-पत्रों की जांच जरूर की जाये।

श्री राजपूत ने कहा कि सभी शाखाओं का निरीक्षण नियमित रूप से होना चाहिये। जिनकी परफार्मेंस अच्छी नहीं है, उन्हें नोटिस जारी करें और जो अच्छा कार्य कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित करें।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर को 4-लेन में अपग्रेड करने की मिली मंजूरी

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा मध्यप्रदेश को विकास पथ की अमूल सौगात देने पर उनका आभार माना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्यपेदश सरकार बढ़ती रोड कनेक्टिविटी के माध्यम से विकास का नया अध्याय लिख रही है। भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के 4-लेन में अपग्रेडेशन से इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी, यातायात सुगमता के साथ ही सड़क दुर्घटना में भी कमी आयेगी। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश को मिली इस सौगात के लिये प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री और केन्द्रीय मंत्री का आभार माना है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा मध्यप्रदेश में भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर को 4-लेन में अपग्रेड करने के लिए भोपाल से विदिशा, विदिशा से ग्यारसपुर, सताईघाट से चौका और चौका से कैमाहा पैकेजों के लिए कुल 3589.4 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस अपग्रेडेशन से क्षेत्र में यातायात सुगम होगा और यात्रा के समय में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसी के साथ मंडला-नैनपुर मार्ग के लिए भी 592 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। मध्यप्रदेश सरकार ने अपने संकल्प पत्र के तहत बुंदेलखंड विकास पथ की घोषणा की थी, जो राज्य की राजधानी भोपाल को बुंदेलखंड के सागर और छतरपुर जिलों से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण 4-लेन सड़क परियोजना है। इस परियोजना का उद्देश्य भोपाल से सागर होते हुए छतरपुर और उत्तरप्रदेश बॉर्डर तक की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है, जिससे क्षेत्रीय व्यापार और यातायात सुगमता में वृद्धि होगी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा इस मार्ग को 4-लेन में विस्तारित करने की प्रक्रिया पहले से जारी थी, लेकिन कुछ हिस्सों के लिए मंजूरी लंबित थी।

नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भोपाल से सागर और छतरपुर से उत्तरप्रदेश बॉर्डर तक इस मार्ग को 4-लेन में अपग्रेड करने की अनुमति दी गई है। इस परियोजना की कुल लागत 3589.4 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इस स्वीकृति से बुंदेलखंड विकास पथ के निर्माण में तेजी आएगी और सरकार के संकल्प को सिद्धि की ओर ले जायेगी। यह पथ न केवल कनेक्टिविटी को सुधारने में सहायक होगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक विकास और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा।

इसी के साथ मंडला से नैनपुर तक 46 किलोमीटर लंबे मार्ग को अपग्रेड करने के लिए भी 592 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस मार्ग के अपग्रेड होने से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा।

कृषि विद्यार्थी किसानों की समस्याओं के समाधान में योगदान दें - राज्यपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

ग्वालियर, कृषि विद्यार्थी पारंपरिक ज्ञान एवं आधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा तकनीकी कौशल का उपयोग कर किसानों की खेती संबंधी जटिल समस्याओं के समाधान में अपना योगदान दें। साथ ही वंचित एवं दूरस्थ अंचलों तक उन्नत कृषि तकनीक पहुंचाने के प्रयास भी प्रमुखता से करें। यह बात राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने ग्वालियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात कृषि वैज्ञानिक श्री जगदीश कुमार लड्ढा, भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री ओ.पी. श्रीवास्तव, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कृषि वैज्ञानिक श्री पी.एम. गौर एवं जैविक खेती में नाम कमा रहे श्री वत्सल दीपक सजदे को कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया। साथ ही 7 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक व 4 विद्यार्थियों को सिरताज बहादुर सिन्हा स्मृति नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। वर्ष 2023-24 के कुल 979 विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें 48 शोधार्थियों को पीएचडी, 666 को स्नातक एवं 265 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। इस दौरान राज्यपाल ने सभी उपाधि प्राप्त छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और 'वोकल फॉर लोकल' की दिशा में कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में उद्यमों की संभावनाओं को पहचानने में विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना चाहिए। साथ ही नवाचारों के द्वारा किसानों को उत्पादक से उद्यमी बनाने के प्रयास की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि चुनौतियों का सामना करने के लिये किसानों को सक्षम बनाना होगा। इसके लिए व्यापक स्तर पर अनुसंधान और प्रयास करने की जरूरत होगी।

फैक्ट फाइल

अंतर्राष्ट्रीय कानून लागू कराने में संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख भूमिका

विश्व शांति और मानव कल्याण के लिये संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 में की गई। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना समूचे विश्व में शांतिपूर्ण समाज की रचना के लिये दूसरे विश्व युद्ध (1939-1945) के दौरान की गई थी। ताकि दुनिया के सभी देश शांतिपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्ण विश्व समुदाय की स्थापना करते हुए स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में रह सके। यह संघ अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों के समाधान के लिये सहयोगी है। संयुक्त राष्ट्र एक ऐसा मंच है जहां सभी देश मिलकर मानव अधिकारों, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, पर्यावरण संरक्षण-संवर्धन और आतंकवाद से संघर्ष आदि क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा, परिचर्चा, विचार-विमर्श करता है।

अंतर्राष्ट्रीय कानून लागू करवाने में संघ की महती भूमिका है। यह संघ मानव अधिकारों की रक्षा, गरीबी कम करना, रोगों से लड़ना, पर्यावरण संरक्षण, मादक पदार्थों की तस्करी, आतंकवाद के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय अभियान तथा महिलाओं के प्रति हिंसा समाप्त करने के लिए विश्व स्तरीय प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियां और कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र की 15 विशेषज्ञ एजेंसियां हैं, जो संयुक्त राष्ट्र के साथ तालमेल से काम करती हैं। इसके अलावा 24 संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम, कोष, संस्थान और अन्य संस्थाएं हैं जिनकी अलग-अलग क्षेत्रों में जिम्मेदारियां हैं। कुल मिलाकर संयुक्त राष्ट्र संगठन परिवार स्वास्थ्य, खाद्य एवं कृषि, दूरसंचार, पर्यटन, श्रम, डाक सेवाएं, पर्यावरण, नागरिक उड्डयन, बच्चों, परमाणु ऊर्जा, सांस्कृतिक संरक्षण, विज्ञान, शरणार्थी, बौद्धिक सम्पदा, लैंगिक समानता, मादक पदार्थ, अपराध और आतंकवाद, मानव बस्ती, जहाजरानी और मौसम जैसे विविध क्षेत्रों पर केन्द्रित है। यह सभी संस्थाएं संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के साथ मिलकर काम करती हैं और इन्हें मिलाकर ही संयुक्त राष्ट्र तंत्र बनता है।

संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य

- अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा का संरक्षण।
- देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों का विकास।
- अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान में सहयोग।
- मानवाधिकारों के प्रति सम्मान का संवर्धन।
- देशों की कार्यवाहियों के बीच तालमेल के केंद्र के रूप में कार्य करना।

संयुक्त राष्ट्र में शामिल संगठन

संयुक्त राष्ट्र से जुड़े तीन सौ से अधिक संगठन सहयोग करते हैं। ये मिलकर संयुक्त राष्ट्र तंत्र बनाते हैं। सभी संगठनों के अपने-अपने निश्चित कार्य क्षेत्र हैं। संयुक्त राष्ट्र और उनकी एजेंसियों के मुख्य कार्यों में विश्वभर के शरणार्थियों को सहयोग देना, एड्स, मलेरिया से लड़ना, आहार उत्पादन बढ़ाना, सैनिकों को संरक्षण, सबके लिये शिक्षा, शिक्षा को समर्थन देना, प्राकृतिक आपदाओं एवं सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में सहयोग प्रदान करना शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र : मुख्य बिन्दु

- यूनाइटेड नेशन नाम सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति फैंकलिन डी रुजवेल्ट ने दिया।
- पहली बार इस नाम का उपयोग आधिकारिक रुप से 1942 में किया गया। उस समय 26 देशों ने डिक्लरेशन बाई यूनाइटेड नेशन्स पर हस्ताक्षर किये।
- संयुक्त राष्ट्र के मार्गदर्शक सिद्धांतों पर 26 जून 1950 को 50 देशों के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किये।
- सम्मेलन में पोलैंड का प्रतिनिधित्व नहीं था क्योंकि तब वहां कोई सरकार नहीं बनी थी। लेकिन पोलैंड ने 15 अक्टूबर 1945 को चार्टर पर हस्ताक्षर किये इस तरह संयुक्त राष्ट्र के 51 संस्थापक सदस्य हो गये। वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देश हैं।

- संयुक्त राष्ट्र की दो कार्यकारी भाषाएं अंग्रेज़ी और फ्रेंच हैं।
- संयुक्त राष्ट्र के सभी अंगों में अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश आधिकारिक भाषाएं हैं।
- वर्तमान महासचिव पुर्तगाल के एंटोनियो गुटेरेस हैं।
- वियना संयुक्त राष्ट्र के चार मुख्य कार्य केन्द्रों में से एक है। अन्य तीन न्यूयॉर्क, जिनेवा और नैरोबी हैं।

संयुक्त राष्ट्र की 15 एजेंसियां

- खाद्य एवं कृषि संगठन
- अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन
- अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास निधि
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
- अंतर्राष्ट्रीय जहाजरानी संगठन
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष
- अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ
- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन
- संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन
- यूनिवर्सल डाक संघ
- विश्व बैंक
- विश्व स्वास्थ्य संगठन
- विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन
- विश्व पर्यटन संगठन

सतत विकास के 17 लक्ष्य

- शून्य गरीबी
- शून्य भुखमरी
- उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
- लैंगिक समानता
- स्वच्छ जल और स्वच्छता
- सस्ती और प्रदूषण मुक्त ऊर्जा
- उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक वृद्धि
- उद्योग, नवाचार और बुनियादी सुविधाएं
- असमानताओं में कमी
- संवहनीय शहर और समुदाय
- संवहनीय उपभोग और उत्पादन
- जलवायु कार्रवाई
- जलीय जीवों की सुरक्षा
- थलीय जीवों की सुरक्षा
- शांति, न्याय और सशक्त संस्थाएं
- लक्ष्य हेतु भागीदारी

शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामायिक विषयों पर लेखन करते हैं)

शॉन ग्रीसली

सीढ़ियों से एवरेस्ट के बराबर ऊंचाई चढ़ी और उतरी

अमेरिका में लास वेगास के शॉन ग्रीसली ने सीढ़ियों से माउंट एवरेस्ट के बराबर ऊंचाई सबसे तेज चढ़ने और उतरने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश की। दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत की ऊंचाई की बराबरी करने के लिए शॉन को घर की सीढ़ियों पर 29,031 फीट और 5.5 इंच की दूरी चढ़नी और उतरनी पड़ी। ऐसा करने में शॉन को 22 घंटे, 57 मिनट और 2 सेकंड का समय लगा। शॉन ने बताया कि उन्होंने इस रिकॉर्ड को तोड़ने का फैसला किया क्योंकि पहले किसी ने ऐसा नहीं किया था। ऐसा करके वो आत्महत्या की रोकथाम के लिए फंड जुटाना चाहते हैं।

बृहस्पति ग्रह

तूफान में बड़ा बदलाव दिखा

बृहस्पति ग्रह पर हाल ही में एक अनोखी हलचल देखने को मिली है। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, बृहस्पति पर स्थित ग्रेट रेड स्पॉट में बड़ा बदलाव दिखा है। रेड स्पॉट सौरमंडल का सबसे बड़ा तूफान है। अब इसमें अचानक बदलाव देखा जा रहा है। यह तूफान सैकड़ों वर्षों से सक्रिय है, लेकिन अब इसकी गति और दिशा में परिवर्तन हो रहे हैं। प्राप्त तस्वीरों में इस तूफान के चारों ओर बादलों और वायुमंडलीय संरचनाओं में भी हलचल स्पष्ट रूप से दिखायी दी है।

एस. जयशंकर

एससीओ की बैठक में शामिल हुए

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए पाकिस्तान की यात्रा पर पहुंचे। यह जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी। जयशंकर 15 अक्टूबर को पाकिस्तान पहुंचे। वे इस्लामाबाद में एससीओ के हेड्स ऑफ गवर्नमेंट की बैठक में शामिल हुए। यह पिछले 9 साल में पहली बार है, जब भारत का कोई विदेश मंत्री पाकिस्तान गया है। इससे पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 2015 में अचानक लाहौर पहुंचे थे। उनके बाद तत्कालीन विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज दिसंबर 2015 में ही पाकिस्तान गई थीं।

मिंगमा जी. शेरपा

बिना एक्स्ट्रा ऑक्सीजन के 14 चोटियों को किया फतह

नेपाली पर्वतारोही मिंगमा जी.शेरपा ने इतिहास रचते हुए 8,000 मीटर से ऊंची सभी 14 चोटियों को बिना अतिरिक्त ऑक्सीजन के फतह किया। 38 वर्षीय मिंगमा तिब्बत में स्थित शिशापांगमा (8,028 मीटर) के शिखर पर पहुंचे। वह पहले ऐसे पर्वतारोही बने हैं, जिन्होंने बिना अतिरिक्त ऑक्सीजन के 14 चोटियों पर चढ़ाई की। ज्ञात रहे कि मिंगमा ने 2022 में माउंट एवरेस्ट, माउंट धौलागिरी और माउंट कंचनजंगा पर बिना अतिरिक्त ऑक्सीजन के चढ़ाई की थी।

शरद कुमार

बीसीसीआई की एंटी करप्शन यूनिट के प्रमुख बने

चार साल तक आतंकवाद निरोधक संगठन एनआईए के प्रमुख रहे सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी शरद कुमार को बीसीसीआई की एंटी करप्शन यूनिट का नया प्रमुख बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में बरेली के रहने वाले 68 वर्ष के कुमार को एक अक्टूबर को यूनिट प्रमुख बनाया गया। वे तीन वर्ष तक इस पद पर रहेंगे।

मेटा का स्मार्ट चश्मा

निकाल सकता है किसी की भी जानकारी

मेटा ने वर्ष 2021 में स्मार्ट चश्मा लॉन्च किया था। हाल ही में, हावर्ड यूनिवर्सिटी के दो इंजीनियर एंहफु न्गुयेन और केन अर्दयफियो ने एक प्रयोग में आई-एक्सरे नाम की प्रणाली विकसित की है, जिससे चश्मे की क्षमता और अधिक बढ़ गई है। यह प्रणाली एआई और चेहरे की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करती है। इंजीनियर्स का दावा है कि चश्मा किसी अनजान व्यक्ति का डेटा केवल उसका चेहरा देखकर तुरंत उजागर कर सकता है। इस डेटा में व्यक्ति की पहचान घर या ऑफिस के पते सहित निजी जानकारी शामिल हो सकती है।

पद्मिनी पिल्लई और नलिनी टाटा

व्हाइट हाउस में चुनी गईं फैलो

अमेरिका के व्हाइट हाउस में दो भारतीय अमेरिकी महिलाएं बोस्टन से पद्मिनी पिल्लई और न्यूयॉर्क से नलिनी टाटा को फैलो चुना गया है। पद्मिनी और नलिनी टाटा को व्हाइट हाउस फेलो के 2024- 2025 वर्ग में नियुक्ति मिली है। इन दोनों महिलाओं ने अपने पेशेवर क्षेत्रों में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। बोस्टन की इम्यूनोइंजीनियर पद्मिनी सामाजिक सुरक्षा प्रशासन में कार्यरत हैं, जबकि न्यूयॉर्क की नलिनी टाटा व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ कैबिनेट अफेयर्स में कार्यरत हैं।

राजकुमार हिरानी

किशोर कुमार सम्मान से हुए सम्मानित

मध्यप्रदेश सरकार का पार्श्वगायक किशोर कुमार सम्मान-23 फिल्मकार राजकुमार हिरानी को समारोह पूर्वक दिया गया। खंडवा में 13 अक्टूबर को समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया। हिरानी ने फिल्मों से सामाजिक मुद्दों को उजागर कर 3-इडियट्स, पीके जैसी फिल्में बनाई हैं। हिरानी बचपन से ही किशोर दा के फैन रहे हैं। उन्होंने कहा कि किशोर कुमार सम्मान प्राप्त कर वे गर्व महसूस कर रहे हैं।

स्पेन

मानव पिरामिड बनाने का 92 साल पुराना खेल हुआ संपन्न

स्पेन के टेरागोना शहर में आयोजित हुई 29वीं मानव पिरामिड प्रतियोगिता पिछले दिनों संपन्न हुई। टैराको एरिना स्क्वायर में आयोजित इस प्रतियोगिता में स्थानीय समूहों द्वारा सबसे बड़ा मानव पिरामिड बनाने का प्रयास किया गया। पहली बार इस अद्भुत और भव्य प्रतियोगिता का आयोजन 92 साल पहले 1932 में किया गया था। यह खेल हर दो सालों के अंतराल पर आयोजित किया जाता है। इसमें भाग लेने के लिए हजारों लोगों ने अपना नाम सूची में लिखवाया था।

सू ग्रे

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की चीफ ऑफ स्टाफ का इस्तीफा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की चीफ ऑफ स्टाफ सू ग्रे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह फैसला अपने वेतन से जुड़े मामले पर हो रहे विरोध के बाद लिया है। ग्रे ने इस्तीफा देने के बाद कहा कि उनके वेतन के बारे में मीडिया में आ रही खबरें सरकार के लिए ध्यान भटकाने वाली हो सकती हैं। इस मामले को लेकर खुद प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी विपक्ष के विरोध का सामना कर रहे थे।

महाकुंभ 2025

लोगो, वेबसाइट और ऐप लॉन्च

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ 2025 का लोगो, वेबसाइट और ऐप लॉन्च कर दिया है। लोगो में कुंभ के प्रतीक कलश पर ॐ लिखा दिख रहा है। ऐप और वेबसाइट पर घाट और आवास तक पहुंचने के लिए गूगल नेविगेशन स्वास्थ्य, सुरक्षा के महत्वपूर्ण अलर्ट, मेले के कार्यक्रमों की जानकारी मिलेगी। इस दौरान उन्होंने बेहतर व्यवस्थाओं के निर्देश भी दिए।

ग्रेटा थनबर्ग

ब्रुसेल्स में हिरासत में ली गईं

प्रसिद्ध जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग को तमाम प्रदर्शनकारियों के साथ हिरासत में लिया गया है। ये सभी प्रदर्शनकारी जीवाश्म ईंधन सब्सिडी के खिलाफ प्रदर्शन में बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में प्रदर्शन कर रहे थे। इन सभी को इस दौरान सड़क जाम करने के लिए हिरासत में लिया गया था। ग्रेटा थनबर्ग यूनाइटेड फॉर क्लाइमेट जस्टिस आंदोलन की तरफ से आयोजित एक मार्च का हिस्सा थीं, जो यूरोपीय संसद के बाहर शुरू हुआ था।

उज्बेकिस्तान में

दाढ़ी रखी तो 33 हजार का जुर्माना

उज्बेकिस्तान ने हाल ही में मुस्लिम शैली की दाढ़ी पर प्रतिबंध लगाने की नीति लागू की है, जिसने देश और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारी विवाद खड़ा कर दिया है। नए नियम के तहत, जो पुरुष इस प्रकार की दाढ़ी रखते हैं, उन्हें 400 डॉलर (लगभग 33 हजार रुपये) तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। इस नीति के आलोचक नए नियम को धार्मिक स्वतंत्रता पर हमले के रूप में देख रहे हैं।

नजमा बेगम

बांग्लादेश में पूर्व सांसद गिरफ्तार

बांग्लादेश में महिला आरक्षित सीट से अवामी लीग की पूर्व सांसद नजमा बेगम उर्फ शूली आजाद को ढाका के निकेतन इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा के अतिरिक्त आयुक्त रेजाउल करीम मलिक ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस अधिकारी रेजाउल करीम मलिक ने बताया कि नजमा बेगम उर्फ शूली आजाद को ब्राह्मणबारिया पुलिस को सौंप दिया गया है।

परमेश शिवमणि

भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक बने

परमेश शिवमणि ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के 26वें महानिदेशक का कार्यभार संभाल लिया है। वह 35 वर्षों से अधिक के अपने शानदार कॅरियर के दौरान तटवर्ती और समुद्री क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। उन्हें उत्कृष्ट सेवा के लिए 2014 में तटरक्षक पदक और 2019 में राष्ट्रपति तटरक्षक पदक से सम्मानित किया गया था।

अजीत विनायक गुप्ते

जर्मनी में भारत के राजदूत नियुक्त

वरिष्ठ राजनयिक अजीत विनायक गुप्ते को जर्मनी में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। वे अभी मिस्र में भारत के राजदूत हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वर्तमान में मिस्र में भारत के राजदूत भारतीय विदेश सेवा 1991 बैच के अधिकारी अजीत विनायक गुप्ते को जर्मनी में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। अजीत डेनमार्क में भी नवंबर 2017 से मार्च 2021 तक भारत के राजदूत रह चुके हैं।

स्मृति शेष

कनाडा की संगीतकार नेल स्मिथ का 17 वर्ष की आयु में निधन

अमेरिकी रॉक बैंड 'द फ्लेमिंग लिप्स' के साथ सहयोग करने वाली कनाडाई संगीतकार नेल स्मिथ का 17 वर्ष की आयु में निधन हो गया। रिकॉर्ड लेबल बेला यूनियन के सह-संस्थापक साइमन रेमंड ने इंस्टाग्राम पर उनकी मौत की पुष्टि की। ऐसा माना जा रहा है कि उनकी मौत कार दुर्घटना में हुई। नेल 2025 की शुरुआत में बेला यूनियन पर अपना पहला एकल रिकॉर्ड जारी करने की तैयारी कर रही थीं, जिसे पेनेलोप आइल्स के जैक और लिली वोल्टर के साथ बनाया गया था।

अभिनेता अतुल परचुरे का निधन

जाने-माने अभिनेता अतुल परचुरे का 57 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। अभिनेता कैंसर से पीड़ित थे। वह 'द कपिल शर्मा शो' सहित कई टीवी धारावाहिकों और फिल्मों में अपनी उपस्थिति के लिए जाने जाते थे। अतुल परचुरे एक प्रतिभाशाली अभिनेता थे, जो पिछले एक साल से कैंसर से जूझ रहे थे।

डॉ. पी. वेणुगोपाल का दिल्ली में निधन

एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. पी. वेणुगोपाल का 82 वर्ष की उम्र में दिल्ली में निधन हो गया। उन्होंने अगस्त 1994 में देश में पहला हृदय प्रत्यारोपण किया था। डॉक्टर वेणुगोपाल ने 50 हजार से ज्यादा हार्ट सर्जरी की थीं। उनके कार्यों को देखते हुए उन्हें 1998 में पदम भूषण से सम्मानित किया गया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग
स्वराज संस्थान संचालनालय
धर्मपाल फैलोशिप

धर्मपाल फैलोशिप अंतर्गत तथ्यपूर्ण प्रामाणिक शोधकार्य के लिए वर्ष 2024-25 हेतु भारतीय नागरिकों से नीचे उल्लिखित विषयों पर एक वर्ष अवधि के लिए पाँच सीनियर एवं सात जूनियर फैलोशिप हेतु प्रस्ताव आमंत्रित हैं :-

धर्मपाल सीनियर फैलोशिप प्रत्येक अध्येता राशि रु. 6,00,000 (पाँच)

1. जजमानी व्यवस्था के विशेष परिप्रेक्ष्य में भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं वर्तमान काल में इसकी प्रासंगिकता।
2. पारंपरिक भारतीय गाँवों में धारणीयता (Sustainbility) और इसकी प्रमुख विशेषताएँ।
3. भारतीय चित्त एवं मानस का अध्ययन : रामायण के विशेष संदर्भ में।
4. शिक्षा शास्त्र के पढ़ना, लिखना एवं अंकगणित (3 R's) का द ब्यूटीफुल ट्री के आलोक में पुनर्विश्लेषण।
5. अठारहवीं और उन्नीसवीं सदी में भारतीय शिक्षा व्यवस्था - मध्यभारत के विशेष संदर्भ में।

धर्मपाल जूनियर फैलोशिप प्रत्येक अध्येता राशि रु. 4,32,000 (सात)

1. मध्यभारत क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में कारीगरी आधारित धातु विज्ञान प्रौद्योगिकी और उसका विस्तार।
2. मध्यभारत के कारीगरों की विभिन्न प्रकार की भट्ठियों एवं उनका तकनीकी सामाजिक एवं आर्थिक पक्ष।
3. मध्यभारत क्षेत्र में भिक्षावृत्ति से जुड़ी जातियां एवं भिक्षावृत्ति परंपराएं।
4. हिन्दू अर्थशास्त्र के मूल सिद्धांत और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता।
5. पशुचारक-संस्कृति (गोधन संस्कृति) और भारतीय अर्थतंत्र।
6. अंग्रेजों के आने के पूर्व पंचायती व्यवस्था (मध्यभारत के विशेष परिप्रेक्ष्य में)।
7. अठारहवीं एवं उन्नीसवीं सदी का वाणिज्यिक परिवहन (मध्यभारत के विशेष संदर्भ में)।
8. लोकजीवन और वनों का अंतर्संबंध एवं पारस्परिक निर्भरता के विविध आयाम।

पात्रता

सीनियर फैलोशिप (न्यूनतम आयु 35 वर्ष, 1 अप्रैल 2024 की स्थिति में) - दर्शन, इतिहास, सामाजिक विज्ञान, मानविकी विधाओं, साहित्य अथवा कलाओं में से किसी एक विषय में पीएच.डी. अथवा इतिहास, शिक्षा, संस्कृति, दर्शन या भारतीय साहित्य में अपने योगदान के द्वारा प्रतिष्ठित विद्वान अथवा विश्वविद्यालयीन/ महाविद्यालयीन प्राध्यापक अथवा राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय ख्याति प्राप्त विद्वान या ऐसे लेखक, सम्पादक, पत्रकार जिनकी ऊपर संदर्भित विषयों पर दो से अधिक पुस्तकें प्रकाशित व चर्चित हो चुकी हैं, पात्र होंगे। उपरोक्त विषय से संबंधित क्षेत्र में विशेष उपलब्धि अर्जित करने अथवा विशेषीकृत अनुसंधान का अनुभव रखने वाले आवेदक को प्राथमिकता दी जायेगी।

जूनियर फैलोशिप (अधिकतम आयु 50 वर्ष, 1 अप्रैल 2024 की स्थिति में) - दर्शन, इतिहास, सामाजिक विज्ञान, मानविकी विधाओं, साहित्य अथवा कलाओं में से किसी एक विषय में पीएच.डी. उपाधिधारी भी आवेदन कर सकते हैं। कोई युवा/उदीयमान स्तरीय लेखक, पत्रकार जिनके लेख चर्चित हो चुके हों, भी पात्र होंगे। उपरोक्त विषय से संबंधित क्षेत्र में विशेष उपलब्धि अर्जित करने अथवा विशेषीकृत अनुसंधान का अनुभव रखने वाले आवेदक को प्राथमिकता दी जायेगी।

चयन समिति कीअनुशंसा के आधार पर फैलोशिप प्रदान करने का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होगा। फैलोशिप के दौरान किये गये शोध कार्य का प्रकाशन और प्रदर्शन का सर्वाधिकार धर्मपाल शोधपीठ का होगा।

आवेदन-पत्र प्रारूप

1. नाम 2. जन्मतिथि 3. जन्म स्थान 4. स्थायी पता 5. भारत में निवास की अवधि 6. रोजगार की स्थिति 7. पासपोर्ट आकार के दो छायाचित्र 8. उपरोक्त वर्णित विषयों में से फैलोशिप का शीर्षक 9. सम्बन्धित क्षेत्र में योगदान एवं अनुभव 10. शोध प्रस्ताव (Synopsis) लगभग 2500 से 3000 शब्दों में 11. ऐसे दो सम्मानित विद्वानों के संदर्भ (नाम-पता) जिन्हें नामांकित व्यक्ति की योग्यता/कार्य की जानकारी हो।

आवेदन पत्र - अंतिम तिथि : 20 नवम्बर, 2024 तक

निदेशक, धर्मपाल शोधपीठ, स्वराज संस्थान संचालनालय, रवीन्द्र भवन परिसर, भोपाल-462002 को पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा अथवा ईमेल dharampalfellowship@gmail.com पर भेजे जावें।

स्वराज संस्थान संचालनालय

रवीन्द्र भवन परिसर, भोपाल-462002 , फोन/फैक्स : 0755-2660563, 2660407, 2990794/2660361

www.swarajsansthan.org, www.dharampalshodhpeeth.in

जी-17534/50160/2024

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, रीवा परिक्षेत्र, रीवा (म.प्र.)

Website : www.mppwd.gov.in, Email : cepwdrewa@mp.nic.in

Phone No. : 07662-255200, Fax : 255380

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 04/सा./2024-25 रीवा, दिनांक : 03.10.2024

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	संभाग का नाम	कार्य का नाम	अमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि रुपये	निविदा फार्म रुपये
1.	2024_PWDRB_373828_1	उमरिया	रेलवे स्टेशन चौक से एन.एच. 43 भरौला तक मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी. का निर्माण कार्य। (व्हाइट टापिंग रोड)।	प्रथम	12 माह वर्षाकाल सहित	671.81	671810/-	20000/-
					Total :-	**671.81**		

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा ऑनलाइन बिड सबमिशन की प्रारंभिक तिथि दिनांक 09.10.2024 से **अंतिम तिथि 30.10.2024 सायं 17.30 बजे तक** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट में किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता

जी-17457/50157/2024 लो.नि.वि. रीव परिक्षेत्र, रीवा

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल : ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1103/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक 09.10.2024

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 28.10.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_372317	**टर्नकी पद्धति पर** :- सतना-मैहर-उमरिया सड़क के कि.मी. 68/6 पर जिगना बरही डायवर्सन रोड पर छोटी महानदी पर बने क्षतिग्रस्त पुल के पुनरूद्धार हेतु मरम्मत कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	शहडोल	2204.70

जी-17528/50159/2024 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, धार

फोन : 07292-222342 (An ISO9001:2015 Certified office)

eepheddha@mp.nic.in

नि.सू.क्र./05/2024-25 धार, दिनांक : 16.10.2024

निविदा सूचना

निम्न निविदा संबंधी विवरण की विस्तृत जानकारी **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। ऑनलाइन निविदा दर डालने की **अंतिम तिथि दिनांक 25.10.2024 शाम 5:30 बजे तक** निर्धारित है। उपरोक्त निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा। उक्त संशोधन केवल वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर ही प्रकाशित किये जावेंगे।

नि.सू.क्र.	टेण्डर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रु. लाख में)	कार्य पूर्णता की अवधि	निविदा आमंत्रण
05/2024-25	2024_PHED_375930	धार खण्ड अंतर्गत कार्यपालन यंत्री के शासकीय आवास गृह में रिपेयरिंग कार्य अंतर्गत गेल्वेनाईज्ड शीट एवं बाउण्ड्रीवाल की पेंटिंग कार्य।	02.08	01 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम
	2024_PHED_375931	धार खण्ड अंतर्गत मतरकुण्ड स्थित शासकीय आवास गृह शौचालय की चद्दरे एवं दरवाजे बदलने का कार्य।	01.08	01 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम
	2024_PHED_375933	धार जिले के विकासखण्ड धार के विभिन्न ग्रामों के 40 नलकूपों में हायड्रोफेक्चरिंग का कार्य।	08.82	02 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम
	2024_PHED_375934	धार जिले के विकासखण्ड नालछा के विभिन्न ग्रामों के 40 नलकूपों में हायड्रोफेक्चरिंग का कार्य।	08.82	02 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम
	2024_PHED_375935	धार जिले के विकासखण्ड तिरला के विभिन्न ग्रामों के 40 नलकूपों में हायड्रोफेक्चरिंग का कार्य।	08.82	02 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम
	2024_PHED_375936	धार जिले के विकासखण्ड बदनावर के विभिन्न ग्रामों के 50 नलकूपों में हायड्रोफेक्चरिंग का कार्य।	11.02	02 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम
	2024_PHED_375937	धार जिले के विकासखण्ड धरमपुरी के विभिन्न ग्रामों के 40 नलकूपों में हायड्रोफेक्चरिंग का कार्य।	08.82	02 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम
	2024_PHED_375938	धार जिले के विकासखण्ड उमरबन के विभिन्न ग्रामों के 40 नलकूपों में हायड्रोफेक्चरिंग का कार्य।	08.82	02 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम

कार्यपालन यंत्री

जी-17769/50166/2024 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, धार

MADHYA PRADESH BUILDING DEVELOPMENT CORPORATION

(An Agency of Govt. of M.P. Public Works Department)

16-A, CEDMAP Building, Arera Hills, Bhopal (MP)-462011

Telephone No: 0755- 4853297, 0755-4853295

E-mail : einc-mpbdc@mp.gov.in, dgmhqmpbdc@gmail.com

NIT No.: 8732/GM/MPBDC/CW and DPR/24/NIT-61 Bhopal, Dated : 15.10.2024

NOTICE INVITING TENDER

Madhya Pradesh Building Development Corporation invites online tender for the following works of construction and DPR consultancy services :-

1. Proposed New Construction of OPD Block, Maternity Block, Multi Level Parking, OPD Block Renovation, F, G, H, I-Type Staff Quarters, Dean Residence Quarters, Superintendent Quarters, Nursing College & Nursing Hostel At Sanjay Gandhi Medical College Rewa M.P.-01 **Work – Probable Amount of Construction Work – Rs. 22226.74 Lacs**
2. Preparation of Architectural, Design and DPR for Construction Work of Shramodaya Residential School at 05 (Five) Locations M.P. Package No. 013/2024/DPR/BDC/**MP-01 Work– Total Probable Amount of Construction Works-** Rs. 30000.00 Lacs (Excluding GST) and Probable amount of Consultancy Fees Rs. 346.80 Lacs (Excluding GST)
3. Preparation of Architectural, Design and DPR for Construction Work of Ayurvedic College with 50 Bedded Hospital at 04 (Four) Locations and 50 Bedded AYUSH Hospital at other 02 (Two) Locations in M.P. Package No. 014/2024/DPR/BDC/**MP- 01 Work-Total Probable Amount of Construction Works-** Rs. 31000.00 Lacs (Excluding GST) and Probable amount of Consultancy Fees Rs. 369.25 Lacs (Excluding GST)

Detailed NIT and tender documents can be viewed, downloaded and purchased online from **24.10.2024 at 18:00 hrs. to 18.11.2024 at 15:30 hrs (for S. No. 01 only), 18.10.2024 at 18:00 hrs. to 20.11.2024 at 15:30 hrs. (for S.No. 2 only) and 18.10.2024 at 18:00 hrs. to 21.11.2024 at 15:30 hrs. (for S. No. 03 only)** from website **www.mptenders.gov.in**

PAC can very at the time of uploading of tender document. Any amendment/corrigendum 'if any' will be published on website only, will not be published on newspapers.

M.P. Madhyam/116891/2024 R-50171/2024 **MANAGING DIRECTOR**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./12884/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 14.10.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1204 (PMGSY-PART)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.mptenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work –** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Damoh	1	114350000.00

1. Bid document may be purchase online from 15.10.2024 (17:30 hrs) and last date for online bid submission is 04.11.2024 (17:00 hrs.)
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/116856/2024 R-50168/2024 **(TENDER)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./12893/22/D-12/DPR-Cons./PM-JUGA/MPRRDA/24
Bhopal, Date : 14.10.2024

NOTICE INVITING BIDs FOR DPR PREPARATION (E-Procurement Notice)

Online Bids are invited from the reputed Consultants for preparation of DPR of rural roads/ CDs under PM-JUGA as per details given below;

- **Nodal PIU – Harda, Shivpuri-1, Barwani, Dhar-1, Jhabua, Mandla, Rewa-1, Satna-1 & Damoh-1.**
  Total - Length- 1493.37 km.

1. Bid document may by purchase online from 15.10.2024 (17:30 hrs.) and last date for online bid submission is 13.11.2024 (17:30 hrs.)
2. Other details & Conditions may be seen in the detailed NIT, Tender Document for preparation of DPR of Roads/ CDs under PMGSY-III Sep. 2019 amended upto date available on E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/116860/2024 **(TENDER)**
"मेरी सड़क" एप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50169/2024

PRINCIPAL / PROFESSOR / ASSOCIATE PROFESSOR / ASST. PROFESSOR / LIBRARIAN — REQUIRED

Management, Commerce, Computers, Mathematics, Physics, Statistics, Chemistry, Pharma Chemistry, Biochemistry, Biotechnology, Microbiology, Bioinformatics, Life Science, HR, Business Law, Economics, Statistics, Political Science, Psychology, Sociology, Fashion Design, Technology, History, Hindi & English. Qualification as per UGC/ DAVV norms.

Apply Online OR in person to The Principal @ Pipliyahana Campus (11am to 3pm)

Softvision COLLEGE — Knowledge is Power
Graduate School of Business — GLOBAL PERSPECTIVE - INDIAN VALUES
Scheme No. 140, Near World Cup Square, Pipliyahana, Indore ✆ 62320-07729, 90095-71860

R-50182/2024

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल

'चयन भवन' मेन रोड नं. 1, चिनार पार्क (ईस्ट),
भोपाल-462011, दूरभाष क्र. : 0755-2578801, 02
विज्ञापन क्रमांक - 38/2024

आम-सूचना

''सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा **प्राथमिक शाखा शिक्षक पात्रता परीक्षा-2024** का आयोजन किया जाना है। उक्त परीक्षा बिना किसी विवाद के संचालित हो सके इस संबंध में बोर्ड द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर, खंडपीठ इंदौर एवं ग्वालियर म.प्र. के समक्ष केवियट दायर की जा रही है। यदि किसी अन्य द्वारा इस संबंध में माननीय न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की जाती है, तो उसकी एक प्रति बोर्ड के अधिवक्ता - (1) श्री राहुल दिवाकर, अधिवक्ता, 751 अग्रवाल कॉलोनी, जबलपुर, (2) श्री कौस्तुभ पाठक अधिवक्ता-102, बी ब्लॉक प्रकृति कॉर्पोरेट 18/2 वाय.एन. रोड, इन्दौर एवं (3) श्री विवेक खेडकर, अधिवक्ता- बिन्चुरकर की गोठ, चावडी बाजार लश्कर, ग्वालियर म.प्र. को उपलब्ध कराने का कष्ट करें''

म.प्र. माध्यम/116875/2024 R-50170/2024 **संचालक**

म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमि.

(मध्यप्रदेश शासन का उपक्रम)
ब्लॉक नं. 09, शक्ति भवन, रामपुर, जबलपुर - 482008
क्रमांक का.नि.(मा.संसा. एवं प्रशा.)/भर्ती/2024-25/5165 जबलपुर, दिनांक : 17.10.24

सहायक अभियंता (उत्पादन) के पदों पर (नियमित आधार पर) सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (म.प्र.पॉ.ज.क.लि.) पूर्ववर्ती म.प्र. राज्य विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती कंपनी है एवं म.प्र. शासन के पूर्ण स्वामित्व का उपक्रम है तथा प्रदेश में विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में कार्यरत है। म.प्र.पॉ.ज.क.लि. अपने ताप एवं जल विद्युत संयंत्रों के संचालन-संधारण, नवीन संयंत्रों के निर्माण एवं अन्य आवश्यकताओं हेतु सहायक अभियंता (उत्पादन) के पद पर, सीधी भर्ती के माध्यम से चयन एवं नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित करती है।

विज्ञापित पद:-

स. क्र.	संवर्ग	पद नाम	पद कोड	विज्ञापित पद
1.	सहायक अभियंता (उत्पादन)	सहायक अभियंता (उत्पा.) – मैकेनिकल	P01	13
2.		सहायक अभियंता (उत्पा.) – इलेक्ट्रिकल	P02	15
3.		सहायक अभियंता (उत्पा.) – इलेक्ट्रॉनिक्स	P03	16
	कुल			44

विज्ञापित पद हेतु विस्तृत नियम एवं शर्तें, चयन प्रक्रिया, आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, आवश्यक अनुभव, आयु सीमा एवं अन्य जानकारी हेतु मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की आधिकारिक वेबसाइट **(https://mppgcl.mp.gov.in)** में "Career" लिंक में क्लिक कर विज्ञापित पद हेतु प्रदान की गई नियम पुस्तिका का अवलोकन करें।

महत्वपूर्ण तिथियां :-

आवेदन, **दिनांक 22.10.2024 (10:30 Hrs) से दिनांक 20.11.2024 (23:59 Hrs.) तक** केवल ऑनलाइन माध्यम से एम.पी. ऑनलाइन की वेबसाइट **(https://www.mponline.gov.in/portal** तथा **https://www.iforms.mponline.gov.in) पर** स्वीकार किये जायेंगे। अन्य किसी माध्यम से प्राप्त आवेदन मान्य नहीं किये जायेंगे।

M.P. Madhyam/116923/2024 **CHIEF ENGINEER (HR&A)**

R-50175/2024

कार्यालय, प्रधानाचार्य/मुख्य कार्यपालन अधिकारी

हकीम सैय्यद ज़ियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी महाविद्यालय/चिकित्सालय

(कोलार-नेहरू नगर बायपास रोड़, मैनिट के पीछे, भोपाल)
Web. : www.gumcbhopal.in, E-mail : gumcbhopal@gmail.com
Ph. : 0755-2970354

क्र./स्था./2024/4989-90 भोपाल, दिनांक : 18.10.2024

विज्ञापन

म.प्र. शासन, आयुष विभाग, भोपाल द्वारा विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत हकीम सै. ज़ियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल में दिव्यांगजनों की विशेष भर्ती अभियान

हकीम सै. ज़ियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल में म.प्र. शासन, आयुष विभाग, भोपाल द्वारा दिव्यांगजनों की भर्ती स्टाफ नर्स-01 पद, वार्डबॉय-01 पद एवं भृत्य-01 पद पर **दिनांक 05.11.2024 को समय प्रातः 10.00 बजे से सायं 06.00 बजे तक** किया जाना निर्धारित है।

इस संबंध में समस्त आवश्यक जानकारी महाविद्यालय में उपस्थित होकर अथवा महाविद्यालय की वेबसाइट **www.gumcbhopal.in** पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/116948/2024 **प्रधानाचार्य/मुख्य कार्यपालन अधिकारी**

R-50180/2024

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन, रीवा (म.प्र.)
फोन नं. : 9425601556, 9340714903

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत निर्माण कार्य डी.आई.जी. कार्यालय भवन, रीवा जिला रीवा के कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 05/2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. 2024_MPPHC_376832_1 आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 02.11.2024 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते है एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/116912/2024 R-50174/2024 **परियोजना यंत्री**

RAJMATA VIJYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWAVIDYALAYA

R.A.K. College of Agriculture,
Icchawar Road, Sehore-466001 (M.P.)
No. DEAN/Pl. Path./24-25/1263 Dated : 16.10.2024

WALK IN INTERVIEW

For young Professional 1 in Plant Pathology under project CRP on Agrobiodiversity, will be held on 06.11.2024 at 11.30 AM. The details of post, qualification etc. are available on **www.rvskvv.net**

M.P. Madhyam/116937/2024 **DEAN**

R-50179/2024

संचालनालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, मध्यप्रदेश

पत्रकार कॉलोनी, लिंक रोड नम्बर 3, भोपाल - 462016
दूरभाष क्र. : 0755-2556916, E-mail : dir.socialjustice@mp.gov.in

विज्ञप्ति

राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय विवेकानन्द नशामुक्ति पुरस्कार वर्ष 2024-25

क्रमांक/नशाबंदी/एफ 8-89/2024-25/488 दिनांक : 15.10.2024

मध्यप्रदेश में नशामुक्ति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवियों/स्वैच्छिक संगठनों को प्रोत्साहित करने के उददेश्य से राज्य शासन द्वारा राज्य स्तरीय विवेकानन्द नशामुक्ति पुरस्कार रुपये 1.00 लाख (एक-एक लाख) के 02 पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र तथा जिला स्तरीय पुरस्कार रुपये 10 हजार (दस हजार) के 03 पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जाने का प्रावधान है।

1. राज्य स्तरीय विवेकानन्द नशामुक्ति पुरस्कार एवं प्रत्येक जिले के लिए पृथक-पृथक जिला स्तरीय विवेकानंद नशामुक्ति पुरस्कार वर्ष 2024-25 प्रदान करने हेतु समाज सेवियों/संस्थाओं से प्रविष्टियां आमंत्रित की जाती हैं।
2. आवेदन पत्र प्राप्त करने की **अंतिम तिथि दिनांक 18.12.2024 को समय सायं 5:00 बजे तक** रहेगी।
3. राज्य स्तरीय विवेकानंद नशामुक्ति पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र उक्त तिथि एवं समय के पूर्व आयुक्त, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, संचालनालय, पत्रकार कॉलोनी, लिंक रोड नम्बर-3, भोपाल (म.प्र.) पिन कोड 462016 के पते पर रजिस्टर्ड डाक अथवा विभाग के ई-मेल- dir.socialjustice@mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जा सकते हैं। निर्धारित तिथि व समय के पश्चात प्राप्त आवेदन/प्रविष्टियां मान्य नहीं की जावेगी।
4. जिला स्तरीय विवेकानंद नशामुक्ति पुरस्कार के लिए प्रत्येक जिला स्तर पर प्रविष्टियां संबंधित जिले के जिला कार्यालय संयुक्त संचालक/उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण में प्रस्तुत की जा सकेगी।
5. पुरस्कार संबंधी विस्तृत जानकारी एवं मापदण्ड, कार्यालयीन समय में (शासकीय अवकाश दिवसों को छोड़कर) प्रातः 10:00 बजे से अपरान्ह 6:00 बजे तक ''कार्यालय आयुक्त, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मध्यप्रदेश एवं जिले के संयुक्त संचालक/उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय से एवं विभाग की वेबसाइट- https://**socialjustice.mp.gov.in** से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है।

(डॉ. राम राव भोंसले)
आयुक्त

जी-17870/50183/2024 **सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, मध्यप्रदेश**

एमपी इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लि.

क्षेत्रीय कार्यालय, टी.व्ही. टावर के पास, उद्योग भवन कटंगा, जबलपुर (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-एमपी आईडीसी/क्षे.का.ज./तक./2024/3569 जबलपुर, दिनांक 15.10.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पोर्टल **mptender.gov.in-MPIDC RO Jabalpur** के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण	बयाना राशि रु. लाख में	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य की राशि	कार्यावधि
औद्योगिक विकास केन्द्र बोरगांव जिला पांढुर्ना में जल प्रदाय योजना का संचालन/संधारण, स्ट्रीट लाइट, रोड एवं नाली का संधारण करने का कार्य।	0.81	रु. 11800.00 जी एस टी सहित	रु. 80.48 लाख	01 वर्ष

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। टेंडर डाक्यूमेंट उपरोक्त ई प्रोक्योरमेंट पोर्टल **mptenders.gov.in** के माध्यम से निर्धारित तिथि तक डाउनलोड व क्रय किये जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/116901/2024 R-50173/2024 **कार्यकारी संचालक**

एमपी इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लि.

क्षेत्रीय कार्यालय, टी व्ही टावर के पास, उद्योग भवन कटंगा जबलपुर (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-एमपी आईडीसी/क्षे.का.ज./तक./2024/3574 जबलपुर, दिनांक 15.10.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पोर्टल **mptender.gov.in-MPIDC RO Jabalpur** के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण	बयाना राशि रु. लाख में	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य की राशि	कार्यावधि
औद्योगिक विकास केन्द्र बोरगांव जिला पांढुर्ना में सीमेंट कांक्रीट सड़क का निर्माण कार्य।	2.78	रु. 17700.00 जी एस टी सहित	रु. 277.73 लाख	04 माह वर्षाकाल सहित

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। टेंडर डाक्यूमेंट उपरोक्त ई प्रोक्योरमेंट पोर्टल **mptenders.gov.in** के माध्यम से निर्धारित तिथि तक डाउनलोड व क्रय किये जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/116900/2024 R-50172/2024 **कार्यकारी संचालक**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग मुरैना
सूबात रोड, मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक 3073-74/निविदा/नि.सू.क्र. 07/2024-25 मुरैना, दिनांक : 06.10.2024

निविदा विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु सड़क एवं पुल कार्यों की दर अनुसूची प्रभावशील दिनांक 25.03.2022 पर निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा ऑनलाइन निविदाएं अपेन्डिक्स 2.10 में निहित शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती हैं, जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यों का विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। वेबसाइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

टेण्डर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयों में)	अर्नेस्ट मनी डिपोजिट (रुपयों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2024_PWDRB_375056	निर्माण कार्य व्हाइट टॉपिंग कार्य मुरैना बायपास कार्य लं. 6.48 कि.मी.	111740000/- (ग्यारह करोड़ सत्रह लाख चालीस हजार)	1000000/-	30000/- + Portal Charges	08 माह
	योग-01 कार्य	111740000/- (ग्यारह करोड़ सत्रह लाख चालीस हजार)			

1. ऑनलाइन टेण्डर पब्लिश दिनांक - 10.10.2024 समय 17.30 बजे
2. निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय प्रारंभ दिनांक - 10.10.2024 समय 17.30 बजे से
3. निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय अंतिम दिनांक - **24.10.2024** समय 17.30 बजे तक
4. ऑनलाइन बिड सबमिशन का प्रारंभ दिनांक - 10.10.2024 समय 17.30 बजे तक
5. ऑनलाइन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक - 24.10.2024 समय 17.30 बजे तक
6. बिड ओपनिंग दिनांक - 25.10.2024 समय 17.30 बजे

a. अनुबंध के पूर्व एवं अनुबंध अवधि में लेवर पंजीयन करना अनिवार्य होगा, निविदा की वैधता 120 दिवस होगी।
b. निविदा संबंधी संशोधन उसी टेण्डर में ऑनलाइन देखे जा सकेंगे, अतिरिक्त प्रेस नोट नहीं निकाला जावेगा।
c. सक्षम अधिकारी को निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
d. संबंधित मद में आवंटन उपलब्ध होने पर ही भुगतान हो सकेगा।
e. निविदाएं ऑनलाइन ही प्रस्तुत की जावें, भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जावेगा।
f. शासन द्वारा समय-समय पर जारी समस्त नियम एवं संशोधन प्रभावशील होंगे।
g. निविदा के साथ संलग्न शिड्यूल में दर्शाये गये आयटमों के अतिरिक्त प्रचलित एस.ओ.आर. के समस्त आयटम के कार्य सम्मिलित माने जावेंगे।

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री

जी-17663/50164/2024 **लोक निर्माण विभाग संभाग मुरैना, फोन नं. - 07532-226361**

कार्यालय, आयुक्त अनुसूचित जाति विकास मध्यप्रदेश

35-राजीव गांधी भवन, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)-462001
Mail ID : cscd.bhopal@mp.gov.in, Phone No. : 0755-2661949

विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश शासन अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर व्यक्तिगत/सामूहिक स्पर्धाओं में भाग लेने वाले राज्य के अनुसूचित जाति वर्ग के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु खेलकूद एवं सांस्कृतिक/बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन योजना संचालित है। योजनांतर्गत वर्ष 2023 में दिनांक 01.01.2023 से 31.12.2023 तक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर पुरस्कृत किये जाने एवं दिनांक 01.01.2023 से 31.12.2023 तक राष्ट्रीय/राज्य स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के खिलाड़ियों को खेल उपकरण हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु कार्यालय आयुक्त अनुसूचित जाति विकास आवेदन आमंत्रित करता है:-

(अ) सभी आवेदकों को निर्देशित किया जाता है कि, योजनांतर्गत पात्रता की शर्तें एवं महत्वपूर्ण नियम-निर्देश तथा आवेदन का प्रारूप विभागीय वेबसाइट **www.scdevelopmentmp.nic.in** से डाउनलोड करें।
(ब) आवेदक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर या पंजीकृत डाक पत्र के माध्यम से आवेदन निर्धारित प्रपत्र-एक एवं दो में तिथि 15 नवम्बर, 2024 तक कार्यालयीन समय में अपने जिले से संबंधित **कार्यालय संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग मध्यप्रदेश** में जमा करें।
(स) आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 नवम्बर, 2024 है। आवेदकों से अपेक्षा की जाती है कि वह समय सीमा में आवेदन करें, अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

उप संचालक

जी-17852/50178/2024 **अनुसूचित जाति विकास, मध्यप्रदेश**

बारह वर्षों में होने वाले सिंहस्थ के वैश्विक आयोजन के लिये अभी से करें तैयारियां - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन धर्म की सभी संन्यासी परम्पराओं के सभी वैष्णव और शैव संत 12 साल में सिंहस्थ में आते हैं और भविष्य में सनातन धर्म की दिशा, आचरण, स्वरूप तय करते हैं। मानवता की स्थापना के लिये सर्वोच्च सिंहस्थ मेला-2028 में पुन: होने वाला है। सिंहस्थ की तैयारियां अभी से प्रारंभ की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक आयोजन सिंहस्थ के माध्यम से भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा। इसकी समुचित तैयारियां की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकाल ज्योतिर्लिंग उज्जैन के महाकाल लोक और दूसरे ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। मध्यप्रदेश की पहचान धार्मिक नगरी उज्जयिनी में हर 12 वर्ष में होने वाले सिंहस्थ के रूप में होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दृष्टि से सिंहस्थ प्रदेश के साथ ही राष्ट्र के लिये एक महत्वपूर्ण आयोजन है। पूरे विश्व में इसकी गूंज होती है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अधिक से अधिक सुविधाएं देने के लिए नये निर्माण कार्य भी कराये जा रहे हैं। साथ ही वर्तमान सुविधाओं का उन्नयन भी किया जा रहा है। सिंहस्थ की सफलता के लिये अभी से तैयारियाँ शुरू करनी होंगी। इन सभी कार्यों को पूर्ण करने के लिये शासकीय विभागों और अन्य उपक्रमों को तालमेल के साथ जुटना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी योजना तैयार की जाये कि क्षिप्रा नदी हर हाल में पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त हो और क्षिप्रा नदी में निरंतर शुद्ध जल का अविरल प्रवाह हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-महाकुंभ में दुनियाभर से करीब 15 करोड़ लोगों के शामिल होने की संभावना है। इस वजह से उज्जैन में ट्रैफिक व्यवस्था बनाये रखना बड़ी चुनौतीपूर्ण होगा।

सिंहस्थ-2028 के 19 कार्यों के लिये 5 हजार 882 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। यह मंजूरी मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रीमंडल की पहली बैठक में दी गई।

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग
राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मान वर्ष 2024
अनुशंसाओं का आमंत्रण

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा कला, साहित्य, सिनेमा, संस्कृति एवं समाज सेवा की विविध विधाओं के क्षेत्र में स्थापित राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मान उनके सामने अंकित विधाओं के लिए दिए जाने हैं :

क्र.	सम्मान	विधा	राशि
राष्ट्रीय सम्मान			
1.	महात्मा गांधी सम्मान	गांधी विचार दर्शन (संस्था हेतु)	20.00 लाख
2.	कबीर सम्मान	भारतीय भाषाओं को कविता के लिए	5.00 लाख
3.	कालिदास सम्मान	शास्त्रीय संगीत	5.00 लाख
4.	कालिदास सम्मान	शास्त्रीय नृत्य	5.00 लाख
5.	कालिदास सम्मान	रंगकर्म	5.00 लाख
6.	कालिदास सम्मान	रूपंकर कलाएँ	5.00 लाख
7.	मैथिलीशरण गुप्त सम्मान	हिन्दी साहित्य	5.00 लाख
8.	किशोर कुमार सम्मान (फिल्म)	गीतलेखन	5.00 लाख
9.	तानसेन सम्मान	हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत	5.00 लाख
10.	लता मंगेशकर सम्मान (फिल्म)	संगीत निर्देशन	5.00 लाख
11.	इकबाल सम्मान	उर्दू साहित्य	5.00 लाख
12.	देवी अहिल्या सम्मान (महिला)	लोक एवं जनजातीय पारंपरिक कलाओं के लिए	5.00 लाख
13.	तुलसी सम्मान (पुरुष)	लोक एवं जनजातीय पारंपरिक कलाओं के क्षेत्र में प्रदर्शनकारी कलाओं के लिए	5.00 लाख
14.	शरद जोशी सम्मान	हिन्दी व्यंग्य, ललित निबंध, संस्मरण रिपोर्ताज, डायरी, पत्र लेखन आदि।	5.00 लाख
15.	नानाजी देशमुख सम्मान	सामाजिक, सांस्कृतिक समरसता, उत्थान, परिष्कार, आध्यात्म, परंपरा, समाज एवं विकास तथा संस्कृति की मूल अवधारणा के प्रति कार्य करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था	5.00 लाख
16.	कवि प्रदीप सम्मान	मंचीय कविता के क्षेत्र में	5.00 लाख
17.	कुमार गंधर्व सम्मान	शास्त्रीय नृत्य (आयु समूह 24 से 45 वर्ष)	2.51 लाख
18.	राजा मानसिंह तोमर सम्मान	संगीत, संस्कृति एवं कला संरक्षण में कार्य करने वाली संस्था के लिए	5.00 लाख
19.	सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान	हिन्दी सॉफ्टवेयर सर्च इंजिन, वेब डिजाइनिंग, डिजीटल भाषा प्रयोगशाला, प्रोग्रामिंग, सोशल मीडिया, डिजीटल ऑडियो विजुअल एडीटिंग आदि में उत्कृष्ट योगदान।	5.00 लाख
20.	निर्मल वर्मा सम्मान	भारतीय अप्रवासी होकर विदेश में हिंदी के विकास में अमूल्य योगदान।	5.00 लाख
21.	फादर कामिल बुल्के सम्मान	विदेशी मूल के व्यक्ति के हिंदी भाषा एवं उसकी बोलियों के विकास में उत्कृष्ट योगदान।	5.00 लाख
22.	गुणाकर मुले सम्मान	हिंदी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेखन एवं पाठ्य-पुस्तकों के लिए लेखन।	5.00 लाख
23.	हिन्दी सेवा सम्मान	अहिंदी भाषी लेखकों और साहित्यकारों को लेखन-सृजन से हिंदी की समृद्धि के लिए योगदान।	5.00 लाख

राज्य सम्मान

1.	शिखर सम्मान	हिन्दी साहित्य	2.00 लाख
2.	शिखर सम्मान	उर्दू साहित्य	2.00 लाख
3.	शिखर सम्मान	संस्कृत साहित्य	2.00 लाख
4.	शिखर सम्मान	रूपंकर कलाएँ	2.00 लाख
5.	शिखर सम्मान	नृत्य	2.00 लाख
6.	शिखर सम्मान	नाटक	2.00 लाख
7.	शिखर सम्मान	संगीत	2.00 लाख
8.	शिखर सम्मान	आदिवासी एवं लोक कलाएँ	2.00 लाख
9.	शिखर सम्मान	दुर्लभ वाद्य वादन	2.00 लाख

उक्त सम्मान देश के सृजन सक्रिय साहित्यकार/कलाकार/संस्था की उच्च सृजनात्मकता, असाधारण उपलब्धि, अनवरत दीर्घसाधना तथा समग्र रचनात्मक अवदान के लिए देय हैं। प्रत्येक सम्मान के अंतर्गत आयकर मुक्त सम्मान राशि एवं सम्मान पट्टिका भेंट की जाती है।

वर्ष 2024 के इन सम्मानों हेतु संबंधित विधाओं के प्रति सार्थक सरोकार और रुझान वाले समीक्षकों, लेखकों, विचारकों, कला-रसिकों, आलोचकों एवं संस्थाओं से ख्याति प्राप्त साहित्यकारों/कलाकारों के चयन के लिए विधिवत अनुशंसाएँ आमंत्रित की जाती हैं, अनुशंसाएँ निम्न प्रारूप में भेजी जा सकती है :-

1. सम्मान का नाम (जिसके लिए अनुशंसा की जा रही है)
2. अनुशंसित का पूरा नाम
3. अनुशंसित की आयु
4. अनुशंसित का वर्तमान पता एवं दूरभाष, मोबाइल, ई-मेल आदि
5. अनुशंसित की सृजनात्मक एवं प्रतिष्ठादायी उपलब्धियों का सुस्पष्ट विवरण, छायाचित्र, ब्रोशर, कैटलॉग आदि
6. प्रस्तावक का नाम, पता एवं दूरभाष क्रमांक

उल्लेखनीय है कि प्रत्येक सम्मान एवं वर्ष के लिए अलग-अलग अनुशंसाएँ तथा प्रत्येक सम्मान का नाम विधा सहित लिफाफे के ऊपर अंकित किया जाना आवश्यक है। उल्लेखित सम्मानों के लिए गठित जूरी समिति के समक्ष अनुशंसाएँ विचार एवं निर्णय के लिए रखी जावेंगी। चयन समिति की सर्वसम्मत अनुशंसा पर राज्य शासन का निर्णय अंतिम होगा। घोषणा तक सभी कार्यवाहियाँ गोपनीय होती हैं। इस संबंध में कोई पत्राचार नहीं किया जायेगा और न ही दूरभाष पर जानकारी देना संभव हो सकेगा। प्रविष्टियाँ तथा संलग्न दस्तावेज लौटाये नहीं जा सकेंगे। जमा प्रस्तावों पर संशोधन आदि भी मान्य न होगा। प्रत्येक सम्मान के लिए अलग- अलग अनुशंसाएँ **दिनांक 21 नवम्बर, 2024 तक कार्यालय, संस्कृति संचालनालय, 1-शिवाजी नगर, गैस राहत भवन** (रेडक्रास अस्पताल के पीछे), भोपाल-462016 (म.प्र.) के पते पर पहुँचाना आवश्यक है।

संचालक

जी-17835/50177/2024 **संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश**

म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न - भारत का इतिहास

1. निम्नलिखित में जो विद्यार्थी ब्रह्मचर्य का पालन उपनयन संस्कार से मरणकाल तक गुरु आश्रम में रहकर करते थे, उन्हें क्या कहा जाता था?
अ. व्रतधारी ब. अंतेवासी
स. नैष्ठिक
द. आचार्यकुल वासी
उत्तर- स. नैष्ठिक

2. सूत्रकाल की शिक्षा पद्धति के अनुसार 'वार्ता' नामक विषय किस क्षेत्र से संबंधित था?
अ. वेदों की शिक्षा से
ब. कृषि से
स. न्याय शास्त्र से
द. राजनीति शास्त्र से
उत्तर- ब. कृषि से

3. शुल्वसूत्र किस विषय से संबंधित पुस्तक है?
अ. ज्योतिष ब. ज्यामिति
स. योग द. प्रकृति
उत्तर- ब. ज्यामिति

4. इन्द्र और वृत्र की कथा निम्नलिखित में से किस ग्रंथ में वार्णित है?
अ. शतपथ ब्राह्मण
ब. कठोपनिषद्
स. केनोपनिषद्
द. छांदोग्योपनिषद्
उत्तर- अ. शतपथ ब्राह्मण

5. ऋग्वेद में बाल्यखिल्य सुक्तों की संख्या कितनी है?
अ. 1017 ब. 11
स. 92 द. 80
उत्तर- ब. 11 बाल्यखिल्य सुक्त

6. 'माध्यंदनीय शाखा' निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
अ. कृष्ण यजुर्वेद
ब. शुक्ल यजुर्वेद
स. मैत्रायणी संहिता
द. काठक संहिता
उत्तर- ब. शुक्ल यजुर्वेद

7. निम्नलिखित में से कौन से भाग सामवेद से संबंधित हैं?
अ. शौनक, पिप्पलाद
ब. काण्व, माध्यांदनीय
स. बास्कल, माण्डुकायन
द. पूर्वार्चिक, उत्तरार्चित
उत्तर- द. पूर्वार्चिक, उत्तरार्चित

8. 'पवमान पर्व' नामक मंत्रों का समवाय निम्नलिखित में से किस वेद में संकलित किए गए हैं?
अ. ऋग्वेद ब. यजुर्वेद
स. सामवेद द. अथर्ववेद
उत्तर- स. सामवेद

9. निम्नलिखित में से किस वेद में शल्यचिकित्सा का सूक्ष्म विवेचन उपलब्ध है?
अ. ऋग्वेद ब. यजुर्वेद
स. सामवेद द. अथर्ववेद
उत्तर- द. अथर्ववेद

10. निम्नलिखित में से किस देवता को 'ऋत के रक्षक' के रूप में प्रशंसित किया गया है?
अ. अरूण ब. वरूण
स. इंद्र द. कार्तिकेय
उत्तर- ब. वरूण

11. वैदिक कालीन 'ऋत' का शाब्दिक अर्थ क्या है?
अ. प्राकृतिक नियम का सिद्धांत
ब. ऋतु परिवर्तन को
स. आश्रमों के वर्णन से
द. भारतीय आचार संहिता से
उत्तर- अ. प्राकृतिक नियम का सिद्धांत

12. सांख्य दर्शन का मूल तत्व किसे माना गया है?
अ. प्रकृति ब. पुरुष
स. योग द. अ और ब दोनों
उत्तर- द. अ और ब दोनों

13. 'सत्कार्यवाद' निम्नलिखित में से किस भारतीय दर्शन का सिद्धांत है?
अ. मीमांसा ब. न्याय
स. सांख्य द. वेदांत
उत्तर- स. सांख्य दर्शन

14. धार जिले में स्थित बाघ की गुफाएं किस धर्म से संबंधित है?
अ. बौद्ध ब. जैन
स. हिन्दू द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. बौद्ध धर्म

15. 'चंडीगढ़' शहर की स्थापत्य कला का श्रेय निम्न में से किसे दिया जाता है?
अ. ली कॉर्बुजियर
ब. लैंडसिर लुटियन
स. हरवर्ट बेकर
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. ली कॉर्बुजियर

16. कम्बोडिया स्थित 'अंकोरवाट मंदिर' निम्न में से किस देवता को समर्पित है?
अ. शिव ब. विष्णु
स. कार्तिकेय द. चौसठ योगिनी
उत्तर- ब. विष्णु

17. निम्नलिखित में से कौनसा सूमेलित नहीं है?

लेखक		रचना
अ. वराहमिहिर	-	पंचसिद्धांतिका
ब. दण्डिन	-	दशकुमारचरित
स. अमरसिंह	-	हर्षचरित
द. अश्वघोष	-	बुद्धचरित

उत्तर- स. अमरसिंह - हर्षचरित

18. 'कलारीपयट्टू' नामक मार्शल आर्ट का संबंध किस राज्य से है?
अ. बिहार ब. केरल
स. आंध्रप्रदेश द. मणिपुर
उत्तर- ब. केरल

19. 'किरातार्जुनीय' नामक संस्कृत काव्य के रचनाकार कौन हैं?
अ. माघ ब. हरिसेन
स. सोमदेव सूरी द. भारवि
उत्तर- द. भारवि

20. निम्नलिखित में से किस राज्य में 'हार्नबिल महोत्सव' का आयोजन किया जाता है?
अ. नागालैंड ब. सिक्किम
स. कर्नाटक द. मिजोरम
उत्तर- अ. नागालैंड

21. निम्नलिखित में से किस राज्य में अम्बुबाची मेला का आयोजन किया जाता है?
अ. मणिपुर ब. असम
स. तेलंगाना द. ओडिशा
उत्तर- ब. असम

22. ब्रह्मचर्य आश्रम या बालक शिक्षा की समाप्ति के पश्चात सोलह संस्कारों में से कौनसा संस्कार सम्पन्न करवाया जाता था?
अ. सीमन्तोनयन ब. वेदारंभ
स. समावर्तन द. केशान्त
उत्तर- स. समावर्तन

23. बुद्धकालीन गणराज्य 'सुमसुमार' वर्तमान में किस स्थान पर अवस्थित है?
अ. मिर्जापुर ब. गोरखपुर
स. भागलपुर द. नेपाल
उत्तर- अ. मिर्जापुर

24. 'पूर्व मिमांसा' दर्शन का प्रवर्तक किन्हें माना जाता है?
अ. बादरायण ब. जैमिनी
स. गौतम द. कणाद
उत्तर- ब. जैमिनी

25. 'असतो मा सद्गमय' नामक वाक्य निम्नलिखित में से किस उपनिषद में मिलता है?
अ. कौषीतकी
ब. बृहदारण्यक
स. ऐतरेय
द. माण्डुक्य
उत्तर- ब. बृहदारण्यक

26. निम्नलिखित में से कौन से स्तूप को धर्मराजिका स्तूप माना जाता है?
अ. सारनाथ ब. नागार्जुनी
स. अरमावती द. सांची
उत्तर- अ. सारनाथ

27. 'आदित्य सम्प्रदाय' का संबंध यजुर्वेद की किस शाखा से है?
अ. शुक्ल यजुर्वेद ब. कृष्ण
स. अ व ब दोनों द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. शुक्ल यजुर्वेद

28. 'शुल्ब सूत्र' का संबंध निम्नलिखित में से किस विषय से था?
अ. ज्योतिष
ब. यज्ञ वेदी निर्माण से
स. चारों वर्णों से
द. भाषा शास्त्र से
उत्तर- ब. यज्ञ वेदी निर्माण से

29. निम्नलिखित में से किसे वैशेषिक दर्शन का प्रवक्ता माना गया है?
अ. प्रशस्तवाद ब. श्रीधर भट्ट
स. वल्लभाचार्य द. कणाद् मुनि
उत्तर- द. कणाद् मुनि

30. 'न्यायलीलावती' नामक पुस्तक के रचियता कौन हैं?
अ. शिवादित्याचार्य
ब. पद्मनाभमिश्र
स. वल्लभाचार्य
द. केशवमिश्र
उत्तर- स. वल्लभाचार्य

31. गंधर्ववेद नामक उपवेद किस वेद से संबंधित है?
अ. ऋग्वेद ब. यजुर्वेद
स. सामवेद द. अथर्ववेद
उत्तर- स. सामवेद

32. निम्नलिखित में से कौनसा आरण्यक का संबंध सामवेद से नहीं है?
अ. जैमिनीय ब. छान्दोग्य
स. तवलकार द. तैत्तिरीय
उत्तर- द. तैत्तिरीय

33. ऋग्वेद के कौन से मण्डल में 'पुरुष सुक्त' की चर्चा की गई है?
अ. सप्तम ब. दशम
स. नवम द. षष्ठम
उत्तर- ब. दशम

34. ऋग्वेद के 'पंचम मंडल' के रचियता कौन हैं?
अ. अत्रि ब. भारद्वाज
स. वामदेव द. अंगिरस
उत्तर- अ. अत्रि

35. वेदांगों के अंतर्गत 'व्याकरण' को वेद पुरुष के किस अंग के रूप में निरूपित किया गया है?
अ. हाथ ब. वाद
स. नेत्र द. मुख
उत्तर- द. मुख

36. निम्नलिखित में आचार्य यास्क के द्वारा किस वेदांग की रचना की गई है?
अ. शिक्षा ब. कल्प
स. निरूक्त द. व्याकरण
उत्तर- स. निरूक्त

37. मुण्डकोपनिषद का संबंध अथर्ववेद की किस शाखा से है?
अ. शौनक ब. पैप्लाद
स. काण्व द. कौथुम
उत्तर- अ. शौनक

38. 'ऐतरेयोपनिषद' का संबंध किस संहिता से है?
अ. ऋग्वेद ब. सामवेद
स. अथर्ववेद द. यजुर्वेद
उत्तर- अ. ऋग्वेद संहिता

39. महर्षि याज्ञवल्क्य एवं मैत्रेयी के संवाद को निम्नलिखित में से किस उपनिषद में उद्धत किया गया है?
अ. छान्दोग्योपनिषद्
ब. बृहदारण्यकोपनिषद्
स. क्रडोपनिषद्
द. केवल्योपनिषद्
उत्तर- ब. बृहदारण्यकोपनिषद्

40. 'सिद्धांत शिरोमणि' नामक पुस्तक के रचियता कौन है?
अ. धनवंतरी ब. भास्कराचार्य
स. भाष्कर प्रथम द. आर्यभट्ट
उत्तर- ब. भास्कराचार्य

41. 'ब्रह्मा' नामक ऋत्विक् निम्नलिखित में से किस वेद से संबंधित है?
अ. ऋग्वेद ब. यजुर्वेद
स. सामवेद द. अथर्ववेद
उत्तर- द. अथर्ववेद

42. निम्नलिखित में से किस ब्राह्मण ग्रंथ के अंतर्गत गार्गी तथा याज्ञवल्क्य ऋषि के शास्त्रार्थ का वर्णन है?
अ. शतपथ ब. पंचविश
स. ऐतरेय द. कौषीतकि
उत्तर- अ. शतपथ

43. निम्नलिखित में से कौन से ब्राह्मण ग्रंथ में अश्वमेध यज्ञ' का वर्णन है?
अ. गोपथ ब. षड्विश
स. तैत्तिरीय द. जैमिनीय
उत्तर- अ. गोपथ

44. निम्नलिखित में से किस उपनिषद में उपास्य ब्राह्म के रहस्यमय रूप एवं अमृतत्व का विवेचन किया गया है?
अ. ईशोपनिषद ब. केनोपनिषद
स. कठोपनिषद द. श्वेताश्वतर
उत्तर- ब. केनोपनिषद

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं)

कौशल विकास संचालनालय म.प्र.

क्र./कौविसं/स्टेट सेल/प्रवेश/2024/1734 भोपाल, दिनांक : 18.10.2024

विज्ञप्ति

म.प्र. राज्य एवं राज्य के बाहर के इच्छुक आवेदक विभाग के पोर्टल **(www.dsd.mp.gov.in)** पर "प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2024" पर जाकर रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रूटिसुधार एवं च्वाईस फिलिंग कर सकेंगे। पूर्व से रजिस्टर्ड अप्रवेशित आवेदकों को भी सूचित किया जाता है कि वे रिक्त सीटों के अनुरूप किसी 01 संस्था के किसी एक व्यवसाय की नवीन च्वाईस फिलिंग अनिवार्यतः करें। आवेदक एलॉटमेंट प्रिंट करके, समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित संबंधित आईटीआई में स्वयं उपस्थित होकर प्रवेश की संपूर्ण कार्यवाही उसी दिन पूर्ण अवश्य करें। प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन/त्रूटिसुधार एवं च्वाईस फिलिंग हेतु पोर्टल पर **"पहले आओ पहले पाओ"** राउण्ड की प्रक्रिया **दिनांक 30.10.2024 तक** प्रारंभ है।

म.प्र. की आईटीआई में प्रवेश 2024
"पहले आओ पहले पाओ" राउण्ड

स.क्र.	गतिविधियां	तिथियां
1.	"पहले आओ पहले पाओ" राउण्ड ● नवीन रजिस्ट्रेशन/च्वाईस फिलिंग/त्रुटि सुधार हेतु पोर्टल प्रारंभ। ● कैंडिडेट स्वेच्छा से किसी 01 आईटीआई के किसी 01 ट्रेड की च्वाईस फिलिंग कर सकेंगे। ● समस्त रजिस्टर्ड कैंडिडेट को प्रवेश हेतु च्वाईस फिलिंग करना अनिवार्य है। ● च्वाईस लॉक करने के पश्चात संशोधन किया जाना संभव नहीं है। अतः कैंडिडेट को सावधानी पूर्वक आईटीआई/व्यवसाय का चयन करना चाहिए। ● च्वाईस फिलिंग करने के पूर्व आईटीआई में व्यवसायवार रिक्त सीटों की संख्या अवश्य जांच कर लेवें। ● केंडिडेट को प्रवेश के लिए रु.50 का भुगतान कर च्वाईस लॉक करना होगा, तत्पश्चात अलॉटमेंट लेटर प्रिंट कर संबंधित आईटीआई में प्रवेश हेतु समस्त दस्तावेज की मूल प्रति एवं 02 सेट फोटोकॉपी सहित पहुँचकर वेरिफिकेशन उसी दिवस करवाना होगा। ● वेरिफिकेशन के पश्चात प्रवेश फीस का भुगतान कर प्रवेश स्लिप प्रिंट कर आईटीआई में जमा करना होगा। ● यदि केंडिडेट द्वारा उपरोक्त प्रक्रिया को पूर्ण नहीं किया जाता है तो उनका अलॉटमेंट संस्था द्वारा अगले कार्यालयीन दिवस में दोपहर 02 बजे के पश्चात निरस्त कर रिक्त सीट अनुसार अन्य आवेदक को प्रवेश दिया जा सकेगा।	दिनांक 19.10.2024 से 30.10.2024 तक

प्रवेश पोर्टल पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संपर्क करें
फोन नं. : 9171257462, 8982018733, 9111749057, ई-मेल : mpiticounseling2024@gmail.com
(हर्षिका सिंह) IAS
जी-17875/50184/2024 संचालक, कौशल विकास संचालनालय, म.प्र.

स्वरोज़गार

स्ट्रॉ बोर्ड बनाइए-रुपये कमाइए

कई बार हम जिन चीजों को बेकार समझकर फेंक देते हैं या जला देते हैं, वह चीजें बड़े काम की होती हैं। इसलिए ऐसे बेरोज़गार युवा जो रोज़गार-स्वरोज़गार करने का मन बना रहे हैं उन्हें अपने आसपास देखना होगा कि ऐसे कौन-कौन से संसाधन हैं, ऐसी कौन-कौन-सी चीजें हैं, जिनका उपयोग करके हम लघु उद्योग स्थापित कर सकते हैं। इस बार हम खेतों से प्राप्त होने वाले फसल अवशिष्ट से बनने वाले स्ट्रॉ बोर्ड पर बात करेंगे।

फसल अवशेष प्रबंधन की आवश्यकता

यह तो हम सभी जानते हैं कि हमारे देश में फसल अवशिष्ट को बड़ी मात्रा में बेकार समझकर फेंक दिया जाता है या जला भी दिया जाता है, जबकि यह फसल अवशिष्ट हमारी आजीविका संवर्धन के लिए बहुत काम का है। इसके लिए हमें फसल अवशेष प्रबंधन को समझना होगा। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें खेत में बची हुई फसल के अवशेषों को सही तरीके से नष्ट या पुन: उपयोग किया जाता है। यह इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि हमारे देश में पराली जलाने की समस्या के कारण कई राज्यों का पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है और सरकार ने किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ पराली जलाने पर रोक भी लगा दी है। अब पराली का क्या किया जाए। यही विचार स्वरोज़गार का मार्ग प्रशस्त करता है।

हमारे देश में कृषि का अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। बावजूद इसके कृषि के उप-उत्पाद का बहुत-सा हिस्सा उपयोग हुए बिना ही बेकार चला जाता है। कृषि के उप-उत्पादों से भी लाभकारी उद्योगों की स्थापना की जा सकती है। धान का पुआल, गेहूं का भूसा और गन्ने की खोई भी ऐसे ही कृषि उप-उत्पाद हैं, जिनसे गत्ता यानी स्ट्रॉ बोर्ड बनाकर रोज़गार देने वाला बना जा सकता है।

गत्ता निर्माण प्रक्रिया : स्ट्रॉ बोर्ड निर्माण उद्योग में कदम रखने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि आखिर कृषि उप-उत्पाद जैसे धान का पुआल, गेहूं का भूसा या गन्ने की खोई से गत्ता निर्माण होता कैसे है। गत्ता निर्माण की प्रक्रिया इस प्रकार है :-

कच्चा माल ▸ सफाई ▸ चूना मिलाना ▸ डाइजेस्टिंग ▸ बीटिंग ▸ स्टॉक चेस्ट ▸ पल्प पम्पिंग ▸ मोल्डिंग ▸ ड्राइंग ▸ प्रेसिंग ▸ स्केलिंग/कटिंग ▸ तैयार गत्ता ▸ बैंडलिंग/पैकिंग ▸ मार्केटिंग

गत्ता निर्माण के लिए स्थान का चयन : स्ट्रॉ बोर्ड निर्माण इकाई की स्थापना में स्थल का चयन महत्वपूर्ण हो जाता है। यह उद्योग सघन आबादी वाले क्षेत्र से हटकर होना चाहिए। जहाँ पानी की निकासी के लिए उचित व्यवस्था हो। इस उद्योग में बॉयलर से निकलने वाले धुएं, राख और गन्दे पानी के निकलने की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। तैयार माल के परिवहन के लिए मुख्य सड़क एवं रेल मार्ग समीप होना भी जरूरी है। उद्योग के बारे में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भी अवगत करा देना और इस संबंध में आवश्यक जानकारी एकत्रित कर लेना कॅरियर के लिए अच्छा कदम होगा।

कच्चे माल एवं भूमि, भवन : स्ट्रॉ बोर्ड के लिए कच्चे माल के रूप में पेडी स्ट्रा का उपयोग किया जाता है। इसमें दूसरे कृषि उप-उत्पादों जैसे गेहूँ का भूसा तथा गन्ने की खोई को भी मिलाकर उपयोग किया जा सकता है। एक अन्य कृषि उप-उत्पाद धान की भूसी का उपयोग बॉयलर के संचालन में फ्यूल के रूप में किया जाता है। चूना और पानी की मात्रा का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। इसके अलावा इस उद्योग के लिए अधिक स्थान की आवश्यकता होती है। कोई 2.5 एकड़ भूमि इकाई स्थापना के लिए चाहिए, जबकि 4550 वर्गफिट स्थल प्लांट रूम के निर्माण के लिए आवश्यक होगा।

मशीनरी, उपकरण एवं मानव संसाधन : इस उद्योग के लिए डाइजेस्टर, बॉयलर, बीटर, स्टॉक चेस्ट, पल्प पम्प, मोल्ड मशीन, प्रेसिंग-कटिंग मशीन, ट्यूबवेल, विद्युत कनेक्शन, कार्यालय फर्नीचर, मोबाइल, स्टेशनरी आदि उपकरण चाहिए। इकाई के कुशलतापूर्वक संचालन के लिए एक प्रबंधक, प्लांट ऑपरेशन, एकाउंटेंट, बॉयलर अटेण्डेंट, डाइजेस्ट ऑपरेटर, मशीन मेन, इलेक्ट्रिशियन, चौकीदार, सहयोगी एवं कुशल-अकुशल श्रमिक के वेतन-भत्ते पहले से तय कर लेना अच्छा रहता है। खर्चे में बीमा, यात्रा, मरम्मत और रखरखाव व्यय भी जोड़कर रखना चाहिए। फसल अवशेष प्रबंधन के लिए अनेक यंत्रों का उपयोग किया जाता है इनमें सबसे उपयुक्त यंत्र सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेन्ट यंत्र बताया जाता है। यह एक ऐसा उपकरण है जिसका उपयोग खेती में कटाई के बाद खेत में बचे हुए पुआल (स्ट्रॉ) को प्रबंधित करने के लिए किया जाता है। सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट यंत्र का उपयोग ट्रैक्टर के साथ किया जाता है, और इसे विशेष रूप से धान और गेहूं की कटाई के बाद बचे हुए पुआल को प्रबंधित करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह यंत्र पुआल को कटाई के बाद खेत में ही प्रभावी ढंग से निपटाने में सहायक है।

गत्ते का उपयोग और बाजार संभावना : तैयार गत्ते का उपयोग कपड़ा मिलों, उपभोक्ता वस्तुओं की पैकिंग, जूते बनाने वाली फैक्ट्रियों एवं अन्य पैकिंग मटेरियल सामानों का निर्माण करने वाले उद्योगों में व्यापक रूप से किया जाता है। स्थानीय बाजारों में इसकी पर्याप्त मांग होने के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों में यह सीधे ही क्रय कर लिया जाता है। बिक्री और उत्पादन की स्थिति का पता चलने पर कमीशन एजेण्ट स्वयं ही आकर गत्ता खरीद लेते हैं और संबंधित जगह पर निर्धारित आपूर्ति सुगम हो जाती है। तैयार गत्ते जल्दी खराब भी नहीं होते, परंतु फिर भी ज्वलनशील होने के कारण अधिक समय के लिए भण्डारण नहीं करना ही ठीक रहता है। अत: मांग आधारित उत्पादन करना और बाजार संभावनाएं तलाशते रहना आवश्यक है। बाजार वृद्धि की एक संभावना नवाचार भी है। यदि स्ट्रॉ बोर्ड से अन्य सामान बनाने के कार्य को प्रोत्साहित किया जाए तो न केवल मांग बढ़ेगी, बल्कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा।

वित्तीय सहायता : ऐसे व्यक्ति जो यह इकाई स्थापित करना चाहते हैं वह मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के माध्यम से 7 वर्षों तक इस योजना अंतर्गत 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान प्रदान किया जाता है। विनिर्माण इकाई और उद्यम स्थापित करने वाले युवाओं को एक लाख रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना का लाभ केवल नवीन उद्यम स्थापित करने वाले नागरिकों को ही प्रदान किया जाता। इस योजना के प्रावधान सभी वर्गों के आवेदक के लिए समान हैं। केवल वही नागरिक इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं जो किसी बैंक या किसी वित्तीय संस्था में डिफाल्टर ना हो। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्रों के माध्यम से इस योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके लिए आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं कक्षा होनी चाहिए। इस योजना का लाभ आवेदक को केवल तभी प्रदान किया जाएगा जब आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये या इससे कम होगी। इसके अलावा यदि आवेदक आयकरदाता है तो इस स्थिति में आवेदक द्वारा पिछले 3 वर्ष का आय कर विवरण आवेदन के साथ जमा कराना होगा। केंद्र और राज्य सरकार की किसी अन्य स्वरोज़गार योजना का लाभ प्राप्त करने वाले नागरिकों को इस योजना का लाभ नहीं प्रदान किया जाएगा। जिस अवधि के लिए लाभार्थी का खाता एनपीए बना रहा है उस अवधि के लिए कोई ब्याज अनुदान प्रदान नहीं किया जाएगा। गारंटी फीस प्रचलित दर से अधिकतम सात वर्षों तक मोरटोरियम अवधि सहित दी जाएगी। इच्छुक युवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था की गई है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट https://samast.mponline.gov.in/portal/search-scheme-wizard पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सफल होने के अवसर : सबसे महत्वपूर्ण तो यही है कि हमारा देश कृषि प्रधान है और अधिकांश किसान आज भी फसल अवशिष्ट को बेकार समझकर नष्ट कर देते हैं, इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों के आसपास कच्चे माल की भरपूर उपलब्धता रहती है। एक और कारण यह भी है कि अधिकांश लोगों को इस उद्यम के बारे में जानकारी होती है, परंतु हर कोई इस प्रकार के उद्यम स्थापित करने में रुचि नहीं लेते हैं, जो यह उद्यम स्थापित करेगा, उन्हें कम प्रतिस्पर्धी दरों पर कच्चा माल मिल सकता है। इस प्रकार के उद्यमों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे पराली जलाने की समस्या का समाधान भी हो और ऐसे उत्पाद प्राप्त हों जो अन्य उद्यमों में उपयोगी हों।

प्रस्तुति एवं संकलन - सीमा राजीव
(लेखक, महाविद्यालय में परामर्शदाता हैं)

देश के पुलिस बल के अवदान को रेखांकित करता - 'पुलिस स्मृति दिवस'

किसी भी देश के लिए पुलिस बल का संगठन जनरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। जन सामान्य को अपराधों से बचाने, अपराधों का सूक्ष्म अन्वेषण करने और अपराधियों को पकड़ कर न्यायपालिका को सौंपने का महत्वपूर्ण कार्य पुलिस बल करता है। अपने अधिकार क्षेत्र में शान्ति और कानून व्यवस्था बनाए रखने में भी पुलिस का काफी सहयोग होता है। पुलिस बल के इसी अवदान के संज्ञान के लिये हर वर्ष 21 अक्टूबर को राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। यह स्मृति दिवस सम्पूर्ण भारत के पुलिस बल के लिए मनाया जाता है। 21 अक्टूबर का दिन उन दस पुलिस वालों को समर्पित है जो वर्ष 1959 में भारत चीन की सीमा पर देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए थे। इस दिन पुलिस में सेवा के दौरान शहीद होने वाले कर्मचारियों को याद किया जाता है और उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। केवल सीमा पर युद्ध में ही नहीं देश में भी अपराधियों से मुठभेड़ में पुलिस बल जान की बाज़ी लगा देते हैं।

हॉट स्प्रिंग्स में दी थी प्राणों की आहुति

शहादत की उस घटना के इतिवृत्त पर यदि हम ध्यान दें तो 20 अक्टूबर 1959 को उत्तर-पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स नाम की जगह पर पुलिस के तीन दलों को तैनात किया गया था, जो भारतीय सैन्य अभियान को आगे बढ़ाने की तैयारी में था। यह दल लनक ला के रास्ते में था। इस दिन दो दलों के सदस्य दोपहर को हॉट स्प्रिंग्स में लौट आए, लेकिन तीसरे दल में दो पुलिस कॉन्स्टेबल्स और एक कमाण्डर शामिल थे, वे वापस नहीं आए। सभी पुलिस कॉन्स्टेबल्स को खोये हुए पुलिस वालों की तलाश में अगली सुबह जुटाया गया। इस टीम का नेतृत्व डीएसपी श्री करम सिंह ने किया। पूरे तीन सप्ताह बाद 13 नवंबर, 1959 को चीनियों द्वारा केवल दस कर्मियों के शव लौटाए गये। इन शवों का हॉट स्प्रिंग्स में पूरे पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। जनवरी 1960 में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस प्रमुख के वार्षिक सम्मेलन में यह फैसला लिया गया कि इस शहादत की याद में प्रतिवर्ष इक्कीस अक्टूबर को "पुलिस स्मृति दिवस" मनाया जायेगा।

पुलिस व्यवस्था में सुधार के कारगर उपाय किये जा रहे हैं

पुलिस बल को नागरिक सुरक्षा के लिये अधिक दक्ष बनाने के लिये पुलिस सुधार पर भी तेजी से काम हो रहा है और पुलिस स्मृति दिवस पर इस दिशा में सुधार गतिविधियों की समीक्षा भी की जाती है।

पुलिस सुधार की दिशा में सर्वोच्च प्राथमिकता

पुलिस बल के बुनियादी ढांचे में व्यापक सुधार और पुलिस बल की दक्षता में बढ़ोतरी को दी जा रही है। देश में पुलिसकर्मियों की संख्या में वृद्धि भी प्राथमिक लक्ष्यों में शामिल है। इसके लिये भर्ती प्रक्रिया को सुगम बनाया जायेगा और पुलिस प्रशिक्षण और पुलिस कर्मियों की सेवा शर्तों को भी उदार बनाया जायेगा। पुलिस सुधार के लिये कई विधायी परिवर्तन भी किये गये हैं। इनमें सबसे पहले संगठित अपराध अधिनियम का अधिनियमन, किया गया। देश के लिए एक एकल पुलिस अधिनियम बनाया गया और पुलिस को समवर्ती सूची में स्थानांतरित किया गया, वर्तमान में पुलिस प्रशासन राज्य सूची के अंतर्गत आता है। अपराधों के पंजीकरण के सम्बन्ध में भी ऐसे उपाय किये गये जिससे अपराधों का पंजीकरण सर्वसुलभ हो। बड़े क्षेत्रों के लिए पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू करने और आपराधिक अन्वेषण प्रक्रिया एवं साक्ष्य प्रणालियों को सुगम बनाने के लिये यथेष्ट परिवर्तन भी किये गये हैं। पुलिस सुधार के लिए प्रशासनिक सुधारों की दिशा में जो जरूरी आवश्यकताएं हैं, उन्हें ध्यान में रखकर जांच की प्रक्रिया को कानून और व्यवस्था से अलग रखने, सामाजिक एवं साइबर अपराधों के लिए विशेष शाखाएं बनाने, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार प्राधिकरणों की स्थापना करने और राज्य मशीनरी को मजबूत करने तथा अभियोजन पक्ष को पुलिस से जोड़ने की बात भी हो रही है। पुलिस के सामने आने वाली नियमित चुनौतियों से निपटने के लिए उच्च योग्यता वाले युवाओं को सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि वे हैकाथॉन के माध्यम से तकनीकी समाधान ढूंढने में शामिल हो सकें। इसी प्रकार तकनीकी सुधारों में पुलिस नियंत्रण कक्ष के आधुनिकीकरण, भारत सरकार की अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क प्रणाली (सीसीटीएनएस) पर तेजी से अमल करना भी शामिल है। इस परियोजना का उद्देश्य ई-गवर्नेंस के माध्यम से प्रभावी पुलिसिंग के लिए एक व्यापक और एकीकृत प्रणाली बनाना है।

राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड आतंकवादियों, आर्थिक अपराधों और इसी तरह की घटनाओं के बारे में जानकारी के लिए एक सुरक्षित डेटाबेस है जो भारतीय पुलिस की क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करता है।

पुलिसकर्मियों के कल्याण की कई योजनाएं बनाई गई हैं

केन्द्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ "शून्य सहिष्णुता" (जीरो टॉलरेंस) की नीति को बरकरार रखते हुए सख्त कानून बनाये हैं और पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए "पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन" की स्थापना करके विश्व का सर्वश्रेष्ठ आतंकवाद रोधी बल बनने की दिशा में एक ठोस कदम उठाया है। पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए भी सरकार ने कई कल्याण योजनाएं बनाई हैं।

पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य की समुचित व्यवस्था के लिये आयुष्मान केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल योजना बनाई गई है। इसी प्रकार केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल आवास योजना, सीएपीएफ ई-आवास वेब पोर्टल, प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना, केन्द्रीय अनुग्रह राशि योजना, विकलांगता अनुग्रह राशि योजना भी कुछ प्रमुख कल्याण योजनाएं हैं। हवाई कोरियर सेवाओं और केन्द्रीय पुलिस कल्याण भण्डार में भी समयानुकूल परिवर्तन किये गये हैं।

पुलिस बल की शहादत को चिरस्थायी बनाते यह स्मारक

भारत में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक भारत में सभी केंद्रीय और राज्य पुलिस बल के 34,844 से अधिक पुलिस कर्मियों को याद करता है, जो 1947 में देश की आजादी के बाद से ड्यूटी के दौरान बलिदान हुए हैं। इस स्मारक में शहीद पुलिसकर्मियों के प्रतीकस्वरूप ग्रेनाइट की एक प्रतिमा भी लगी है। पुलिसकर्मियों के बलिदान को चिरस्मरणीय बनाने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा और एकता बनाए रखने में पुलिस की उत्कृष्ट भूमिका का सम्मान करते हुए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2018 में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर चाणक्यपुरी, नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक (नेशनल पुलिस मेमोरियल) देश को समर्पित किया था। ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले सभी पुलिस कर्मियों के नाम पर एक संग्रहालय और 'वीरता की दीवार' भी बनाई गई है।

- राजा दुबे
(लेखक, जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं।)

असम राइफल्स

पद का नाम - मेधावी खिलाड़ी कोटा भर्ती
पदों की संख्या - 38
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 27 अक्टूबर, 2024
वेबसाइट - https://www.assam-rifles.gov.in

सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - यंग प्रोफेशनल (वित्त, सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन, कॉर्पोरेट प्लानिंग)
पदों की संख्या - 07
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 02 नवम्बर, 2024
वेबसाइट - https://www.seci.co.in

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

पद का नाम - लेखा अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, संपादक (हिन्दी एवं अंग्रेजी), वीडियो एडिटर, प्रलेखन सहायक, शिल्प प्रशिक्षक एवं समन्वयक, हिन्दी अनुवादक, लेखा लिपिक, अवर श्रेणी लिपिक और डाटा एंट्री ऑपरेटर
पदों की संख्या - 22
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 28 अक्टूबर, 2024
वेबसाइट - https://ccrtindia.gov.in

हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

पद का नाम - उपमहाप्रबंधक (उड़ान प्रचालन एवं संरक्षा), प्रबंधक (आईएमएम), उप प्रबंधक (आईएमएम), उप प्रबंधक (वित्त), वित्त अधिकारी, उप प्रबंधक (मानव संसाधन), उप प्रबंधक (पीआर/संचार माध्यम), अधिकारी (पीआर/संचार माध्यम), अधिकरी (कंपनी सचिवालय) और अग्निशमन अधिकारी
पदों की संख्या - 44
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 अक्टूबर, 2024
वेबसाइट - https://hal-india.co.in

हरीश चन्द्र अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

पद का नाम - रिसर्चर
पदों की संख्या - 04
योग्यता - मान्यता प्राप्त संस्थान से पीएच.डी. या समकक्ष डॉक्टोरल डिग्री
अंतिम तिथि - 02 नवम्बर, 2024
वेबसाइट - https://www.hri.res.in

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - वरिष्ठ प्रबंधक, प्रबंधक और उप प्रबंधक/तकनीकी (डाटाबेस एडमिन, सिस्टम एडमिन, सुरक्षा)
पदों की संख्या - 25
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 27 अक्टूबर, 2024
वेबसाइट - https://www.railtel.in

ओएनजीसी लिमिटेड

पद का नाम - विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में अप्रेंटिस पदों पर भर्ती
पदों की संख्या - 2236
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 25 अक्टूबर, 2024
वेबसाइट - https://ongcindia.com

लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान

पद का नाम - एसोसिएट प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी
पदों की संख्या - 01
योग्यता - मान्यता प्राप्त संस्थान से माइक्रोबायोलॉजी में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री और संबंधित विषय में न्यूनतम पांच वर्ष का शिक्षण किया हो।
अंतिम तिथि - 30 अक्टूबर, 2024
वेबसाइट - https://www.lgbrimh.gov.in

भारतीय सांख्यिकीय संस्थान कोलकाता

पद का नाम - असिस्टेंट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 24
योग्यता - संबंधित विषय में पीएच.डी. किया हो और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया हो
अंतिम तिथि - 31 अक्टूबर, 2024
वेबसाइट - https://www.isical.ac.in

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल

पद का नाम - अधि विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी (सेंकड इन कमांड), विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी (उप कमांडेंट), चिकित्सा अधिकारी (सहायक कमांडेंट)
पदों की संख्या - 345
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 14 नवम्बर, 2024
वेबसाइट - https://recruitment.itbpolice.nic.in

एडमिशन अलर्ट

रेल परिवहन संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - परिवहन अर्थशास्त्र, मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट (कंटेनराइजेशन) एवं लॉजिस्टिक प्रबंधन, रेल परिवहन एवं प्रबंधन पोर्ट विकास एवं प्रबंधन
योग्यता- किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक या तीन वर्षीय डिप्लोमा किया हो
अंतिम तिथि - 30 अक्टूबर, 2024
वेबसाइट - https://irt.indianrailways.gov.in

स्कॉलरशिप अलर्ट

इंडिया हाई अचीवर्स स्कॉलरशिप

संस्थान का नाम - ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड
योग्यता- अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट के छात्र। आवेदक के पास अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा एवं मास्टर प्रोग्राम में प्रवेश के लिए ऑफर लेटर होना आवश्यक है।
छात्रवृत्ति राशि - बीस हजार डॉलर
अंतिम तिथि - 24 अक्टूबर, 2024
वेबसाइट - https://www.auckland.ac.nz

एक्जाम अलर्ट

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई

परीक्षा का नाम- बी.डेस. में प्रवेश के लिए यूसीड परीक्षा और एम.डेस. में प्रवेश के लिए सीड परीक्षा
योग्यता- यूसीड परीक्षा के लिए न्यूनतम बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण हो तथा सीड परीक्षा के लिए बारहवीं कक्षा के पश्चात 3 वर्षों की उपाधि पूर्ण की हो
परीक्षा तिथि- 19 जनवरी, 2025
आवेदन की अंतिम तिथि - 31 अक्टूबर, 2024
वेबसाइट - https://www.uceed.iitb.ac.in तथा https://www.ceed.iitb.ac.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

हमारा जिला मुरैना

जलवायु, खनिज और औद्योगिक विकास की दृष्टि से समृद्ध है मुरैना

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज, जलवायु, खनिज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। 'रोज़गार और निर्माण' के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है मुरैना जिले का परिचय-

मुरैना जिला मध्यप्रदेश के चम्बल संभाग में शामिल है, जिला मुख्यालय मुरैना में है। यहाँ मोर की अधिकता है, अत: इसका नाम मोर और रैना से मिलकर मुरैना बना।

जिला चंबल घाटी की उत्तर-पश्चिमी सीमा पर स्थित है। जिले में मुरैना, पोरसा, अंबाह, जौरा, कैलारास और सबलगढ़ तहसीलें हैं। पूर्व में यहां नागा, गुप्त, हूण, वर्धन, गुर्जर, प्रतिहार, चंदेल और कच्छपघात द्वारा शासन किया गया।

18वीं शताब्दी के अंतिम दशक तक अकबर द्वारा क्षेत्र के आक्रमण के बाद की अवधि से, यह क्षेत्र मुगल शासन का हिस्सा था। वर्ष 1761 में यह ग्वालियर का हिस्सा बन गया। वर्ष 1853 में ग्वालियर राज्य को जयाजी राव सिंधिया (1843-1886) के शासनकाल के दौरान ग्वालियर, ईसागढ़ और मालवा के 3 भागों में बांटा गया था, जिन्हें आगे 19 जिलों और 62 तहसीलों में बांटा गया।

15 अगस्त, 1947 में स्वतंत्रता के साथ, ग्वालियर राज्य को भारत संघ में शामिल किया गया और 28 मई 1948 को राज्यों के पुनर्गठन पर इसे मध्य भारत के एकीकृत राज्य में शामिल किया गया। एक नवंबर 1956 को नए मध्यप्रदेश के पुनर्गठन के बाद मुरैना अलग जिला बन गया।

अर्थव्यवस्था और भूगोल

चंबल नदी जिले की उत्तरी सीमा का निर्माण करती है और जिले से राजस्थान और उत्तरप्रदेश को विभाजित करती है। जिले के दक्षिण-पूर्व में ग्वालियर, दक्षिण में शिवपुरी, पूर्व में भिंड, उत्तर-पूर्व में आगरा (यूपी), उत्तर-पश्चिम में धौलपुर और करौली (राजस्थान) तथा दक्षिण-पश्चिम में श्योपुर है। जिला दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में विंध्य पठार और उत्तरी भाग तथा चंबल के साथ उत्तर-पश्चिमी बेल्ट घाटी में स्थित है। पठार, मालवा के उत्तरी किनारे का हिस्सा है और विंध्य पठार है जो ग्वालियर और मुरैना जिले तक फैला हुआ है। जिले का मुख्य हिस्सा चंबल घाटी का हिस्सा है। चंबल घाटी को दो हिस्सों में विभाजित किया जा सकता है, पहला भाग चंबल रवाइन्स (बीहड़) का बैंक है जहां बीहड़ की गहरी गली और मोल्डों को विभाजित करने के किनारों की श्रृंखला विकसित है। दूसरी ओर दक्षिण-पूर्वी सादे हिस्से में चंबल का मुख्य उपजाऊ भाग है।

जल निकासी

जिले की मुख्य नदियां चंबल, कुंवारी, आसन और डंक है। आसन और कुंवारी, चंबल नदी की सहायक नदियां हैं।

1. चंबल नदी

यह नदी जिले में पश्चिम से उत्तर की ओर बहती है। चंबल नदी इंदौर जिले में जानापाव पहाड़ियों (854 मीटर) से निकली है। पार्वती संगम, बिंदु पर यह श्योपुर जिले की सीमा को छूती है और जिले की पूर्वी सीमा का निर्माण करती है। यह मुरैना जिले के उत्तर में नितनवास में प्रवेश करती है और मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच अंतर-राज्य की प्राकृतिक सीमा बनाती हुई, आगे बहती है। उत्तरप्रदेश की सीमा में प्रवेश करने के बाद यह इटावा जिले में यमुना नदी में मिल जाती है।

2. आसन नदी

यह नदी श्योपुर जिले के विजयपुर तहसील में देवरी के पठार से निकली है। इसका क्षेत्रफल लगभग 24 किलोमीटर है। इसके क्षेत्र में पगारा और कुतवार दो बांध हैं। यह नदी जिले की सीमा से होकर भिंड जिले की सीमा से होते हुए उत्तर की तरफ बहती है। इसकी मुख्य सहायक नदी कुंवारी है।

3. कुंवारी नदी

कुंवारी नदी शिवपुरी जिले के देवगढ़ के उत्तर-पूर्वी पठार से निकली है और यह श्योपुर जिले से होते हुए सबलगढ़ तहसील में प्रवेश करती है। यह जिले के मध्य भाग में उत्तर पूर्व की ओर बहती है। यह नदी जौरा, मुरैना और अंबाह तहसील से होते हुए आसन नदी में शामिल हो जाती है। इसकी सहायक नदी आसन है।

जलवायु

इस जिले का वातावरण अर्द्ध शुष्क है। आम तौर पर यहां शुष्क जलवायु ही रहती है। गर्मियों में गर्मी तीव्र होती है, धूल धूसरित हवाएं बहती हैं जो अक्सर मौसम को असहज बनाती हैं। मानसून के दौरान पश्चिम से पूर्व में हवा चलती है। मानसून और सर्दियों के बाद हल्की हवा होती है जो ज्यादातर उत्तर से उत्तर पश्चिमी की ओर बहती है।

खनिज

कैलारस ब्लॉक में चूना पत्थर पाया जाता है। नूराबाद के पास धनेला गांव में मिलने वाली मिट्टी का उपयोग ग्लास उद्योग में किया जाता है। पहाड़ी के पत्थरों से इमारत के पत्थरों, रेत के पत्थरों, मुरम खानों का उत्खनन किया जाता है।

कृषि

जिले की मिट्टी जलोढ़ है। नदी के किनारे भूमि का स्तर भी जलोढ़ है। जिले की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है। 50 प्रतिशत से अधिक भूमि खेती के अधीन है। जिले में दोहरी फसलें यानी रबी और खरीफ फसलों को बोया जाता है। खरीफ फसलों के तहत ज्वार, बाजरा, चावल, तुअर, उरद और मूंग बोई जाती है और रबी फसलों में गेहूं, चना और सरसों बोई जाती हैं। सरसों को जिले के सबसे बड़े क्षेत्र में बोया जाता है।

उद्योग और व्यापार

सरसों की खेती का बड़ी मात्रा में उत्पादन होने के कारण, सरसों का तेल उद्योग, बानमोर औद्योगिक केंद्र में 11 उद्योग हैं। ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत, पांच सौ से अधिक लघु उद्योग स्थापित हैं। सीमेंट कारखाना, बानमोर चीनी मिल कैलारस, जे.के. टायर बानमोर और राठी तेल मिल, मुरैना जिले के बड़े उद्योग हैं। कृषि उत्पाद सरसों, गेहूं, चना दाल और तेल आदि बाजार से निर्यात किया जाता है। विदेशों में भी बड़ी मात्रा में तेल निर्यात किया जाता है।

संस्कृति और विरासत

मुरैना मंदिर वास्तुकला का एक केंद्र रहा है। यहाँ नौ बड़े स्मारक हैं, जिनमें से पाँच विशाल हैं, जो गुर्जर-प्रतिहारों, कच्छपघातों आदि राजवंशों द्वारा निर्मित किये गये हैं। मुरैना, गुर्जर-प्रतिहार क्षेत्र के केंद्र में था और 7वीं से 12वीं शताब्दी के दौरान यह क्षेत्र मंदिर निर्माण का स्वर्णिम काल रहा है। वन, नदी, घाटियां, पहाड़ियां यहां की विशेषताएं हैं। 20वीं शताब्दी में, मुरैना के नाले छापामार गतिविधि के लिए एक आदर्श मैदान बन गए और कालान्तर में डकैती के लिए प्रसिद्ध हो गए। अब मुरैना व्यावसायिक स्थल के लिए प्रसिद्ध है। कई उद्योग मुरैना और मुरैना जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में चल रहे हैं। गजक मुरैना की प्रसिद्ध मिठाई है। यह विशेष रूप से सर्दियों के मौसम में तिल और गुड़ से बनती है।

एक नजर में

क्षेत्र : 4,998.78 वर्ग कि.मी.
आबादी : 12,79,090
(वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)
भाषा : हिंदी
पुरुष : 7,07,470, **महिला :** 5,71,610

उत्सव

नागाजी उत्सव - संत नागाजी की स्मृति में नवंबर-दिसंबर में, इस मेले का आयोजन नागाजी संत की याद में किया

जाता है। यह लगभग एक महीने के लिए मुरैना जिले के पोरसा गांव में आयोजित किया जाता है।

पर्यटन स्थल

चौसठ योगिनी मन्दिर - चौसठ योगिनी मंदिर ग्वालियर से 40 किलोमीटर (25 मील) दूर मुरैना जिले के पड़ावली के पास, मितावली गांव में स्थित है। 1323

ईस्वी पूर्व के एक शिलालेख के अनुसार, (विक्रम संवत् 1383), मंदिर कच्छपघात राजा देवपाल द्वारा बनाया गया था। यह लगभग सौ फीट ऊंची एक पहाड़ी के ऊपर स्थित है। इस गोलाकार मंदिर से खेतों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। यह मंदिर चौंसठ योगिनियों को समर्पित है। यह बाहरी रूप से 170 फीट की त्रिज्या के साथ आकार में गोलाकार है और इसके आंतरिक भाग में 64 छोटे कक्ष हैं। मंदिर की संरचना इस प्रकार है कि भूकम्प के झटके इसे प्रभावित नहीं करते। इस मंदिर की तुलना पुराने भारतीय संसद भवन (अब संविधान सदन) से की जाती है, क्योंकि दोनों ही शैली में गोलाकार है। कहा जाता है कि यह मंदिर पुराने संसद भवन निर्माण का प्रेरणास्रोत रहा होगा।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

सनथ जयसूर्या बने श्रीलंका के मुख्य कोच

कोलंबो, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व बल्लेबाज सनथ जयसूर्या को श्रीलंकाई क्रिकेट टीम का पूर्णकालिक मुख्य कोच नियुक्त किया। वह इस वर्ष जुलाई में टीम के अंतरिम कोच बने थे। जयसूर्या का कार्यकाल अक्टूबर 2024 से मार्च 2026 तक के लिए होगा। वह आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप 2026 तक टीम के मुख्य कोच रहेंगे। अंतरिम कोच के तौर पर जयसूर्या का कार्यकाल बेहद शानदार रहा है। उनके मार्गदर्शन में श्रीलंकाई टीम ने भारत और इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। टीम ने 27 वर्ष बाद भारत के खिलाफ अपनी पहली द्विपक्षीय वन-डे सीरीज जीती थी। इसके बाद श्रीलंकाई टीम ने 10 वर्षों में पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट मैच जीता था। जयसूर्या के मार्गदर्शन में टीम ने न्यूजीलैंड को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराया था।

भारत-बांग्लादेश ट्वेंटी-20 सीरीज

भारत ने बांग्लादेश को किया क्लीन स्वीप

हैदराबाद, बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने बांग्लादेश को तीन मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर सीरीज पर कब्जा किया। सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में भारत ने बांग्लादेश को 133 रनों से हराया।

मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने आतिशी शुरुआत दिलाई। अभिषेक शर्मा के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर संजू ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। संजू ने महज 40 गेंदों में अपना पहला ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय शतक बनाया और 47 गेंदों में 111 रनों की पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान संजू ने बांग्लादेश के गेंदबाज रिशाद के ओवर में लगातार पांच छक्के लगाए। संजू ने मैच में 11 चौके और 8 छक्के लगाए, वहीं सूर्यकुमार ने 35 गेंदों में 75 रन बनाकर बड़े स्कोर की नींव रखी। इन दोनों बल्लेबाजों के बाद हार्दिक पंड्या (47) और रियान पराग (34) ने अंतिम ओवरों में तेजी से रन बटोर कर भारत को 297 रन तक पहुंचाया।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम शुरुआत से दबाव में नजर आई। तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पारी की पहली ही गेंद पर परवेज हुसैन इमोन को आउट कर बांग्लादेश को दबाव में ला दिया। हालांकि लिटन दास (42) और तौहीद हृदोय (63) ने बांग्लादेश की पारी को संभाला, लेकिन भारत के विशाल स्कोर के सामने उनका प्रयास नाकाफी साबित हुआ। बांग्लादेश की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 164 रन ही बना सकी। भारत के लिए रवि बिश्नोई ने 3 विकेट लिए।

- भारत ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा टीम स्कोर बनाया।
- सबसे बड़ा टीम स्कोर नेपाल (314 रन) ने मंगोलिया के खिलाफ बनाया था।
- भारतीय क्रिकेट टीम की ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में यह तीसरी सबसे बड़ी जीत है।
- भारतीय टीम ने मैच के दौरान 22 छक्के लगाए।
- संजू सैमसन ने भारत के लिए दूसरा सबसे तेज ट्वेंटी-20 शतक बनाया।
- संजू से पहले रोहित शर्मा ने 35 गेंदों में शतक बनाया था।
- मैच में रवि बिश्नोई ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 50 विकेट पूरे किए।

भारत करेगा पिकलबॉल विश्व चैम्पियनशिप की मेजबानी

मुंबई, भारत पहली बार पिकलबॉल विश्व चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा। यह जानकारी ऑल इंडिया पिकलबॉल एसोसिएशन (एआईपीए) ने दी। यह टूर्नामेंट 12 से 17 नवम्बर तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में भारत, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, ताइवान और पोलैंड सहित कई देशों के लगभग 650 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। उल्लेखनीय है कि पिकलबॉल टेनिस, बैडमिंटन और टेबल टेनिस का एक मिला-जुला रूप है। इस खेल ने भारत में काफी ख्याति पाई है। इससे पहले भारतीय खिलाड़ियों ने बाली और वियतनाम में आयोजित हुई पिकलबॉल चैम्पियनशिप में कई पदक जीते थे।

बीसीसीआई ने खत्म किया इंपैक्ट प्लेयर नियम

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू ट्वेंटी-20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से इम्पैक्ट प्लेयर नियम को खत्म कर दिया है। यह नियम टीमों को मैच के बीच में अंतिम एकादश में एक खिलाड़ी को बदलने की अनुमति देता है। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा सहित कई खिलाड़ियों ने इस नियम पर सवाल उठाए हैं। बीसीसीआई ने कहा कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में इंपैक्ट प्लेयर नियम लागू नहीं होगा, लेकिन आईपीएल में यह नियम जारी रहेगा।

एशियन टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भारत ने जीते तीन पदक

अस्ताना, भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने कजाखस्तान में आयोजित एशियाई टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में इतिहास रच दिया है। टूर्नामेंट में भारत ने तीन कांस्य पदक जीते हैं। भारतीय महिलाओं ने टीम स्पर्धा में कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। यह इस स्पर्धा में भारतीय महिला टीम का पहला पदक है। टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम को सेमीफाइनल में जापान के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा, वहीं दूसरे सेमीफाइनल में चीन ने हांगकांग को 3-0 से हराया। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को कांस्य पदक प्रदान किया गया। टूर्नामेंट में भारत की पुरुष टीम ने भी कांस्य पदक जीता । इसके अलावा अहिका मुखर्जी और सुतीर्था मुखर्जी की जोड़ी ने महिला युगल वर्ग में भारत के लिए दूसरा कांस्य पदक जीता। सेमीफाइनल में सुतीर्थी और अहिका की जोड़ी को जापान

की मिवा हरिमोतो और मियु किहारा की जोड़ी ने 11-4, 11-9, 11-8 से हराया।

प्रतियोगिता में भारतीय पुरुष टीम ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। भारतीय पुरुष टीम का यह लगातार तीसरा कांस्य पदक है। भारतीय पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन सेमीफाइनल में भारतीय पुरुष टीम को चीनी ताइपे ने 3-0 से हराया।

आईसीसी महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप से भारत हुआ बाहर

दुबई, आईसीसी महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का सफर थम गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लीग मैच में हार के बाद भारतीय टीम इस विश्वकप से बाहर हो गई है। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर 151 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी।

रूथ ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीती शिकागो मैराथन

शिकागो, केन्या की दिग्गज महिला धाविका रूथ चेपनगेटिच ने नए विश्व रिकॉर्ड के साथ शिकागो मैराथन रेस का खिताब अपने नाम किया है। चेपनगेटिच ने यह रेस दो घंटे नौ मिनट और 56 सेकेंड में पूरी की। इससे पहले महिला मैराथन में सबसे कम समय में पूरी करने का रिकॉर्ड इथियोपिया की टिजिस्ट असेफा (दो घंटे 11 मिनट और 53 सेकेंड) के नाम था।

एचआईएल नीलामी में हरमनप्रीत सिंह रहे सबसे महंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह हॉकी इंडिया द्वारा आयोजित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी में सबसे महंगे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। हरमनप्रीत सिंह को सूरमा हॉकी क्लब ने 78 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा है। वहीं अभिषेक दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। अभिषेक को श्राची राढ बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपये में खरीदा, बंगाल टाइगर्स ने जुगराज सिंह पर भी 48 लाख रुपये लगाए। इस तरह भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक सिंह के लिए यूपी रुद्राज ने 70 लाख रुपये खर्च किए, वहीं अमित रोहिदास को तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 48 लाख रुपये में हासिल किया। हैदराबाद तूफान्स ने सुमित पर 46 लाख खर्च किए। नीलामी में आयरलैंड के डेविड हार्टे सबसे ज्यादा राशि पाने वाले विदेशी गोलकीपर बने। हार्टे को 32 लाख रुपये में

तमिलनाडु ड्रैगन्स ने खरीदा।

उल्लेखनीय है कि हॉकी इंडिया लीग भारत की प्रतिष्ठित हॉकी टूर्नामेंट है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत वर्ष 2013 में हुई थी। इस टूर्नामेंट के अब तक पांच सीजन आयोजित हुए हैं। हॉकी इंडिया ने इस वर्ष इस टूर्नामेंट को फिर से लॉन्च करने की घोषणा की थी। हॉकी इंडिया लीग में कुल आठ टीमें खेलती हुई नजर आएंगी। टूर्नामेंट का आयोजन 28 दिसंबर 2024 से एक फरवरी 2025 के बीच किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में विदेशी खिलाड़ी भी खेलेंगे।

शंघाई मास्टर्स

सबसे युवा विजेता बने जेनिक सिनर

शंघाई, विश्व के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जेनिक सिनर ने शंघाई मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया है। 23 वर्षीय सिनर यह टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। सिनर ने टूर्नामेंट के फाइनल में सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को 7-6 (7-4), 6-3 से हराया। यह सिनर के टेनिस कॅरियर का सातवां एटीपी खिताब है।

फाइनल मुकाबले में नोवाक जोकोविच को जीत का दावेदार माना जा रहा था। इस मैच से पहले जोकोविच 100 एटीपी खिताब जीतने से एक कदम दूर थे, लेकिन उनका इंतजार खत्म नहीं हो सका और वह खिताब के बेहद करीब आकर चूक गए। जोकोविच ने मैच के पहले सेट में शानदार प्रदर्शन किया और सेट को टाइब्रेकर में पहुंचाया, लेकिन सिनर ने टाइब्रेकर में जबरदस्त खेल दिखाया और सेट 7-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में सिनर ने जोकोविच को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और सेट 6-3 से जीतकर खिताब पर कब्जा जमाया। खिताब जीतने के बाद सिनर ने कहा कि नोवाक के खिलाफ खेलना हमारे लिए सबसे कठिन चुनौतियों में से एक है। पहले सेट में जोकोविच शानदार सर्विस कर रहा था, लेकिन मैंने टाइब्रेकर में अच्छा प्रदर्शन किया।

- सिनर के टेनिस कॅरियर का यह चौथा एटीपी मास्टर्स खिताब है।
- जोकोविच ने सबसे ज्यादा 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीते हैं।
- टेनिस में सबसे ज्यादा एटीपी खिताब जीतने के मामले में जोकोविच तीसरे स्थान पर है।
- जिमी कोनर्स ने सबसे ज्यादा 109, रोजर फेडरर ने 103 तथा जोकोविच ने 99 एटीपी खिताब जीते हैं।

सबालेंका ने जीता वुहान ओपन

वुहान, बेलारूस की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने वुहान ओपन का खिताब अपने नाम किया है। सबालेंका तीसरी बार यह खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। सबालेंका ने इस टूर्नामेंट में अब तक 17 मैच खेले हैं और सभी मैच जीते हैं। टूर्नामेंट के फाइनल में सबालेंका ने पांचवीं वरीय खिलाड़ी झेंग किनवेन को 6-3, 5-7, 6-3 से हराया।

राफेल नडाल

टेनिस को कहेंगे अलविदा

मैड्रिड, मौजूदा दौर में टेनिस के महानतम खिलाड़ियों में शुमार राफेल नडाल ने टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा की है। नडाल ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि मैं प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले रहा हूं। उन्होंने कहा कि वह नवंबर में डेविस कप फाइनल के बाद टेनिस को अलविदा कहेंगे।

स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नडाल ने टेनिस के कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। नडाल का कॅरियर बेमिसाल रहा है। वह मौजूदा दौर में टेनिस के तीन महान खिलाड़ियों (रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल) में से एक हैं। नडाल ने 92 एटीपी एकल खिताब जीते हैं। नडाल ने अपने कॅरियर में कुल 22 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। उन्होंने 14 बार फ्रेंच ओपन, चार बार यूएस ओपन, दो बार ऑस्ट्रेलियन ओपन और दो बार विम्बलडन खिताब जीते हैं।

- नडाल को क्ले कोर्ट (लाल मैदान) का बादशाह कहा जाता है।
- नडाल ने क्ले कोर्ट (फ्रेंच ओपन) पर सबसे ज्यादा 14 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं।
- नडाल ने ओलंपिक खेलों में दो बार स्वर्ण पदक जीता है।
- उन्होंने 36 एटीपी मास्टर्स खिताब भी अपने नाम किए हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

श्रीलंका में आयी बाढ़ से कई इलाकों में तबाही

श्रीलंका में भारी बारिश के कारण कई हिस्सों में बाढ़ आ गई। राजधानी कोलंबो और उपनगरीय क्षेत्रों में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार भारी बारिश ने देश के कई हिस्सों में तबाही मचाई है। घर, खेत और सड़कें जलमग्न हो गई हैं। बाढ़ में कई लोग डूब गए हैं, जबकि 1 लाख 34 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। केंद्र ने बताया कि बारिश और बाढ़ से 240 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। करीब 7 हजार लोगों को वहां से निकाला गया है। अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी है।

श्रीलंका के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार पश्चिमी, सबारागामुवा, उत्तर-पश्चिमी, उत्तरी प्रांतों गैले और मतारा जिलों में कुछ स्थानों पर 100 मिलीमीटर से अधिक वर्षा हुई है। पीड़ितों को बचाने, भोजन और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए नौसेना और सेना के जवान तैनात रहे। स्थानीय टेलीविजन चैनलों ने कोलंबो के उपनगरीय इलाकों में बाढ़ की स्थिति दिखाई। कुछ इलाकों में पानी घरों और दुकानों की छतों तक पहुंच गया। श्रीलंका में मई से ही मानसून की बारिश के कारण स्थिति खराब है। जून में यहां बाढ़ आ जाने और भूस्खलन से 16 मौतें हो गई थी।

Space X ने सबसे शक्तिशाली रॉकेट उड़ाकर रचा इतिहास

दुनिया के सबसे ताकतवर स्टारशिप रॉकेट ने 13 अक्टूबर को पांचवीं सफल उड़ान भरी। इससे पहले इसके चार टेस्ट भी कामयाब रहे हैं। अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने इसे मैक्सिको की सीमा के पास टेक्सास से लॉन्च किया। प्रक्षेपण के दौरान अंतरिक्ष में गए सुपर हेवी बूस्टर को प्रक्षेपण स्थल पर वापस लाकर टॉवर पर उतारा गया। स्पेसएक्स ने सफल प्रक्षेपण के बाद कहा कि यह इंजीनियरिंग इतिहास के लिए एक बड़ा दिन है। स्पेसएक्स द्वारा लॉन्च किए गए इस शक्तिशाली स्टारशिप की लंबाई 400 फुट (121 मीटर) है। यह अब तक का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। इसे मैक्सिको की सीमा के निकट टेक्सास के दक्षिणी सिरे से प्रक्षेपित किया गया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में आईटीयू विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा 2024 का किया उद्घाटन

भारत ने सिर्फ 10 वर्षों में जो ऑप्टिकल फाइबर बिछाया है उसकी लंबाई पृथ्वी और चंद्रमा की दूरी से आठ गुनी है

- प्रत्येक चार साल में एक बार होता है डब्ल्यूटीएसए सम्मेलन।
- पहली बार आईटीयू-डब्ल्यूटीएसए का आयोजन भारत और एशिया-प्रशांत में।
- सम्मेलन में 190 से अधिक देशों के 3 हजार से अधिक अतिथि हुए शामिल।
- इंडिया मोबाइल कांग्रेस भारत के नवाचार इकोसिस्टम को प्रदर्शित करेगी।

डब्ल्यूटीएसए और इंडिया मोबाइल कांग्रेस के प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ- विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (डब्ल्यूटीएसए)- 2024 और 8वें इंडिया मोबाइल कांग्रेस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि जब दूरसंचार और इससे संबंधित प्रौद्योगिकियों की बात आती है तो भारत सबसे अधिक गतिविधि वाले देशों में से एक है।

प्रधानमंत्री ने भारत की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत में मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं की संख्या 120 करोड़ है, इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 95 करोड़ है और देश में वास्तविक समय में पूरी दुनिया के 40 प्रतिशत से अधिक डिजिटल लेनदेन होते हैं। भारत ने दिखा दिया है कि डिजिटल संपर्क अंतिम व्यक्ति तक सुविधा उपलब्ध कराने का प्रभावी साधन है। उन्होंने कहा कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस की भूमिका सेवाओं से जुड़ी है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण सेवा और मानकों पर कहा कि डब्ल्यूटीएसए का अनुभव भारत को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने पूरे देश में मोबाइल टावरों का एक मजबूत नेटवर्क बनाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिर्फ 10 वर्षों में भारत ने जो ऑप्टिकल फाइबर बिछाया है, उसकी लंबाई पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से आठ गुनी है। उन्होंने कहा कि 5जी तकनीक दो साल पहले शुरू की गई थी और आज लगभग हर जिला इससे जुड़ा हुआ है, जिससे भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी बाजार बन गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डब्ल्यूटीएसए आम सहमति के माध्यम से दुनिया को सशक्त बनाता है, जबकि इंडिया मोबाइल कांग्रेस संचार-संपर्क के माध्यम से दुनिया को मजबूत बनाती है।

दूरसंचार यात्रा पूरी दुनिया के लिए अध्ययन का विषय

प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में भारत की मोबाइल और दूरसंचार यात्रा पूरी दुनिया के लिए अध्ययन का विषय है। उन्होंने कहा कि मोबाइल और दूरसंचार को दुनियाभर में एक सुविधा के रूप में देखा जाता है, लेकिन भारत में दूरसंचार केवल संपर्क का नहीं, बल्कि समानता और अवसर का माध्यम है। प्रधानमंत्री ने कहा, एक माध्यम के रूप में दूरसंचार आज गांवों और शहरों, अमीर और गरीब के बीच की खाई को पाट रहा है। प्रधानमंत्री ने एक दशक पहले, डिजिटल इंडिया के विजन पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत को कई हिस्सों के बजाय समग्र दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने डिजिटल इंडिया के चार स्तंभों - कम कीमत वाले उपकरण, देश के हर कोने में डिजिटल संचार-संपर्क की व्यापक पहुंच, आसानी से सुलभ डेटा और 'डिजिटल फर्स्ट' का लक्ष्य की बात कही।

नोबेल पुरस्कार - 2024

वर्ष 2024 के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। इसमें चिकित्सा, रसायन, भौतिकी, साहित्य, अर्थशास्त्र और शांति के लिए नोबेल पुरस्कार शामिल हैं। नोबेल पुरस्कार दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित पुरस्कारों में से एक हैं। यह पुरस्कार स्वीडन के वैज्ञानिक और डायनामाइट के अविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के अनुसार 1901 से दिए जा रहे हैं। नोबेल पुरस्कार में 1.1 करोड़ स्वीडिश क्रोनर (10 लाख अमेरिकी डॉलर) की नकद धनराशि दी जाती है। सभी विजेताओं को 10 दिसंबर को नोबेल की पुण्यतिथि पर सम्मानित किया जाएगा।

चिकित्सा क्षेत्र - दो अमेरिकी वैज्ञानिकों विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को वर्ष 2024 का चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार देने का ऐलान हुआ है। इन दोनों वैज्ञानिकों ने माइक्रो RNA की खोज की थी।

फिजिक्स क्षेत्र - जॉन हॉपफील्ड और ज्योफ्री हिंटन को मशीनों को सोचने की क्षमता देने पर मिला सम्मान। जॉन हॉपफील्ड और ज्योफ्री हिंटन को मशीन लर्निंग को सक्षम बनाने वाली खोजों के लिए फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार दिया गया है।

रसायन के लिए - रसायन के क्षेत्र में इस साल तीन वैज्ञानिकों डेविड बेकर, डेमिस हसबिस और जॉन जम्पर को प्रोटीन की संरचना का पूर्वानुमान लगाने और उसे डिजाइन करने के उनके बेहतरीन योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया है।

शांति - जापानी संगठन निहोन हिदानक्यो को 2024 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। यह एनजीओ 'परमाणु हथियारों' से मुक्त दुनिया पर काम कर रहा है।

साहित्य के लिए - दक्षिण कोरिया की लेखिका हान कांग को वर्ष 2024 का साहित्य का नोबेल पुरस्कार काव्यात्मक गद्य के लिए दिया गया है। उनकी किताबों में 'द वेजिटेरियन' द व्हाइट बुक, ह्यूमन एक्ट्स और ग्रीक लेसन्स शामिल हैं।

अर्थशास्त्र का नोबेल - लोगों की समृद्धि में संस्थानों के योगदान पर शोध के लिए अमेरिका के तीन अर्थशास्त्रियों डैरोन ऐसमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स रॉबिन्सन को इस साल अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया।

ब्रिटेन ने मॉरीशस को सौंपा चागोस द्वीप समूह

यूनाइटेड किंगडम ने कहा है कि वह मॉरीशस को चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता सौंप रहा है। इस समझौते के तहत सुदूर लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर के इस द्वीप समूह पर दशकों से चल रही बातचीत अब समाप्त हो गई है। ब्रिटिश और मॉरिशस के प्रधानमंत्री ने एक संयुक्त बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। इस समझौते में डिएगो गार्सिया भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल अमेरिकी नौसेना लंबी दूरी से बमवर्षकों और युद्धपोतों की तैनाती के लिए सैन्य अड्डे के रूप में करती है। इस समझौते के तहत, क्षेत्र की स्थिरता एवं अतंर्राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला डिएगो गार्सिया कम से कम अगले 99 वर्षों तक ब्रिटेन और अमेरिका के अधिकार क्षेत्र में रहेगा। ब्रिटेन की नई लेबर सरकार ने एक महीने पहले ही पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर को चागोस द्वीप समूह पर अपना वार्ताकार नियुक्त किया था।

ज्ञात रहे कि 200 साल से भी पहले 1814 में ब्रिटेन ने चागोस द्वीप समूह के साथ मॉरीशस पर भी अपना कब्जा जमा लिया था। तब से लेकर भारत की आजादी के बाद तक मॉरीशस ब्रिटेन का उपनिवेश रहा। 1965 में ब्रिटेन ने मॉरीशस को तो स्वतंत्र कर दिया, लेकिन चागोस द्वीप समूह का स्वामित्व अपने पास ही रखा। बाद में ब्रिटेन ने चागोस द्वीप समूह को ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र घोषित कर दिया। उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश सरकार ने चागोस द्वीप समूह के सबसे बड़े द्वीप डिएगो गार्सिया को 1966 में अमेरिका को पट्टे पर दे दिया था।

इज़राइल के तेल अवीव सहित 182 शहरों पर हिजबुल्लाह ने किया हमला

हिजबुल्लाह ने इज़रायल पर हवाई हमला किया। हिजबुल्लाह ने तेल अवीव समेत मध्य इज़राइल के 182 शहरों पर रॉकेट से हमला किया। इससे पहले हिजबुल्लाह ने बिनयामीना-गिवात अदा के पास इज़रायल रक्षा बल (आईडीएफ) बेस पर ड्रोन से हमले किये इसमें चार इज़रायली सैनिकों की जान चली गई थी और 60 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

ड्रोन अटैक के बाद इज़रायली सेना की तरफ से बयान आया कि हिजबुल्लाह को इस हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी। इज़रायली सेना के सूत्रों ने बताया कि अब आईडीएफ ने हिजबुल्लाह की ड्रोन इकाई

को निशाना बनाने का फैसला किया है। वहीं दूसरी ओर इज़रायली सेना ने कहा कि लेबनान से सीमा पार गोले दागे जाने के कारण तेल अवीव सहित पूरे मध्य इज़रायल में हवाई हमले के सायरन सक्रिय कर दिए गए। सेना ने एक बयान में कहा, ''लेबनान से इज़रायली क्षेत्र में दागे गए प्रोजेक्टाइल के कारण मध्य इज़रायल के कई इलाकों में सायरन बज उठा।'' बाद के एक बयान में सेना ने कहा कि लेबनान से आने वाले कई प्रोजेक्टाइलों को रोकने के कई प्रयास किए गए। आईडीएफ के जारी बयान में कहा गया है कि तीन मिसाइलों को हम रोकने में सफल रहे। हिजबुल्लाह के हमलों से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

लेबनान में युद्ध शुरू होने के बाद से हिजबुल्लाह ने इज़रायल पर सबसे घातक ड्रोन हमला किया। हमले के अगले ही दिन हिजबुल्लाह ने एक बार फिर पूरी ताकत से मध्य इज़रायल के इलाकों को दहलाया है।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।